Birla Central Library.

बिरला सेन्ट्रल लाईब्रेरी

BIRLA CENTRAL (JAIPUR State) LIBRARY PILANI.

29581

091.954
R142RG V.24
29581
6/66
G/81
986m

विषय सूची:—

√ १. गीत, कवित्त व दोहे पृ० सं० १ से पृ० सं० १०१ तक

√ २. क्रिसन रुकमणी जी री बेल पृ० सं० १०२ से पृ० सं० १६० तक

√ ३. माताजी री अस्तुती भरवजी कृत — पृ०सं० १६१ से पृ०सं० १८० तक

√ ४. हत्यार भाकरा, राठोड़ा री साख रा, ऊँट र भाकरा
घोड़ा रा भाकरा कवित छप्पै:— पृ०सं० १८१ से १८५ तक

√ ५. बीर वांण — पृ०सं० १८६ से २१८ तक

√ ६. दोहे कवित्त व सोरठे - नाथीया कृत — पृ० सं० २१९ से २२१ तक

———— ० ————

BIRLA COLLEGE LIBRARY
22581
PILANI

लिपि कर्त्ता — सुखदेव 'आर्य'

$$\text{लिपि मू०} = \frac{\text{पृ० ५१} \times \text{पं० ३३} \times \text{श० ६}}{\text{२५०}} \times \frac{3}{१६} = \text{११ रु० ६ आ० ० पा}$$

$$\text{लिपि मू०} = \frac{\text{पृ० ७५} \times \text{पं० ३३} \times \text{श० ६}}{\text{२५०}} \times \frac{3}{१६}$$

= २२ रुपये ० आने ९ पाई

$$\text{लिपि मू०} = \frac{\text{पृ० ६५} \times \text{पं० ३३} \times \text{श० ७}}{\text{२५०}} \times \frac{3}{१६} =$$

= ११ रुपये ५ आने ३ पाई

—— : गीत, कवित्त व दोहे : ——

— ० — ० —

गीत:— मोती सर भोरजी रो कोअपो :—

श्री पले रावजी रो दगो करमा सजी ओट ॥ गढ़ कमले दस
बीस मेटे नम खगा लीअपो ॥ रोग वुकरा लीअपो चाल राड़ा॥
हरामी खोर काके घर महा रीअपो ॥ धणी ने मारीअपो पटक
चाड़ो ॥१॥ सुणी नह बात सगला घेर साखरो ॥ जनम अपण
घातरो करण जुगो ॥ अदद तरो मुल बखतो प्रकत आकरी॥
पाट घर चाकरी भलो पुगो ॥२॥ खत्री वट लजा वन दुरंग
दव खुणरे ॥ प्रकल दल पुण रे बात ओजो ॥ सबल काका
पुगो लारगो सुणरे ॥ सरो गत लुणरे न को सोजो ॥३॥
रखण भव हाय वगतो अनेरो डीअपो ॥ दुर सरे कसट जम
कोध दावो ॥ अरध सर काल कालो कमल ओडीयो ॥ ढोकरी
फोडीअपो कुंभ ढावो ॥४॥ गीत: ——
मोती सर भेरजी रो कीअपो गीत ॥ आवे नत हाथ मांगतां ओलज
कुंण तो वन धणी आय करे ॥ दा कोनहो रेस वड दाता ॥ सुतन
फता दे भैस सरे ॥१॥ मधुकर वरण तरण दव मातो ॥ घुमंड मचातो
दुध घणे ॥ कोटो सम पदमा भद्र जातो ॥ गुणी अपन हातो जेम
गणे ॥२॥ पर घर हाद आद रो पीणो ॥ होणो काढ़ दव सदुवा।
मनरा समंद अहोणो मेटे ॥ दो धीणो सुरते सदुवा ॥३॥ हैल हमीर
वुधरा हातां ॥ पातां सुद बधे आघ घपाज ॥ जोठ बोल नहीं
जुग जातां ॥ मह कोदे पातां माहाराज ॥४॥ दोला वुंधद कलय
ब्रदाअपा ॥ कवी अपण आअपो आय कने ॥ रजरा [illegible] मुकट आपहडा
रीभे ॥ मलतो दोजे भैस मनो ॥५॥ गीत:—
गरे अरखो आत उबारो ॥ भल ब्रध जोवण भारो ॥ पंच हजारो
भोर पडोया कम धज तणो कटारो ॥१॥ जुरे रे मघनेणो

झुणो मेर तणो पर मोरां ॥ सावण मास होये साहो जादो
घुमर ऊपर घोरां ॥२॥ दस दस लार खुवासी दासी चंगा
वदन पैरणे चीर ॥ सुसबद नीमांखे सुस कारा मोरां
कहे हमारा मोर ॥३॥ आस अलु जगो खेड़ अबोटीसो काजल
रो बो ॥ गलतो रात पुकार गोरो ॥ बाब इया जम बोबो ॥४॥
गीत: घोड़ा वरांटां हाल सो बग दोउ घणो चाहो जादो । जोय जांदो
चाला कोड़ा माल रोज हाज ॥ जाल धरी नाप र प्रताप
चाहो जादो ॥ राई जादो घोड़ो जुला उला सघ राजा ॥१॥
हेले बाघ टलो दोयां आसो रसफो लोढ कै ॥ बडे ढोलो
बोल दोयां असोलो बोखांला ॥ चरं जीव रहो तक्के दनो
दनो ऊच चोलो ॥ नोलो बाज राज पेनो गोला लाडु नाथ
कुंद आव जावां लाख लाखरो सुहानो करे बणे यावां पुणे
जेर वानो चाक बंधा साख वारे वालो भांण आ रो है
पवानो सोभा ॥ आदोनो बेड़ा केब जवानो देव नद । लकां
कंध कसो सेजे परोतो रो टलो लगा ॥ पगा करो तोरो
आडोस रोतो रो पाण ॥ दारु गंज जगाड़ी आोज तोरो सुरंगो
छटो ॥ वुचाडोयो चरवां पतो चोतोरो कुडाण ॥ आकुलाइ चंप
धंप दतारो मोडांण वुठो दोढ छुटो देसां पा रहे, गई दगुल
तोजणो ले गई होडोर डोररो टुटो ॥ बे गई गुलाल मुठो
साम ठेव गुला ॥ लोक त्रडु तारो धुप कारो आेबारो आेलुण
फेर रहो चरंजीव धारोयो प्रकास ॥ आदोत से तेज आस
वारे आोजो ग्रंद आोये ॥ सास जादो श्री ग्रारो आो आोये सर्य
तास ॥ दुजां मेल मले नोढ कोडा रोष जानो दोयां धारे
सदा कोचो राज जोडारो समाज ॥ राज वोदु सरां माड़ माड़
मीडा रो जोहात रहो ॥ आस वार चोडा रोहो आत जोडो
आजा ॥५॥ गीत :— माहो राणाजो जग सोघ जो मै घडोय
खेम राज जो रो कहो :- गीत:- जग पत जाचरे जम हुवे
अजाचो गढा गढ कोत गवाणो सहजे राण हमीर सरीखो
कोड़ होये कर नांणो ॥ कब गटा लगुण घण कोलया सम हर वधे
सयाणा ॥ हवणे राह वहे अन होदु राह वहे जस राणो
कमधे रेहो न को कुरमै अखलत सागो रोखो जाने साढ
न को जादमे ॥ सांमे जगा सरीखो दस कत धच वाडोया
दुरजण सोच राचे वाचे जासु राम राम वांच सो ॥

गीत:- दरबार बलवंत सींघ जी मैं चच वाडीया दुरजन सीगरो कहो गीत: चार पसणत रक अरज चत्र चारी जग भुपत कुण धारो जेट लहरी समंद सुजस कथ लीजै पृथी नाथ दीजे पाकेट राजा बलवंत अमोर सालो पदम हरा चाले कण पुठ कवरो कुरद जडा सुकायो अचपत मने समायो भुठ परबत सुतन पीयण जस पाला॥ पीयण मठां घाती में दुग कवरा जाम डेरा रे काजे जोधा परा बग साजे जुग पेखा भार चालीया पीठां जण ने सुवद बे आहां तांहा तो उतरीया उठ तणो की भार अबे॥४॥ गीत

:—: महदु मेगराज जी रो कहो:- प्रोढत अवता जगत प्रत पालो मोजा देण बडालो मोद॥ संभु सीग तुराले सरणो सुन जर कर नालो सीसोद॥१॥ अदच्यां परावढे जस आलम् हरा भीम कुरीयंद तरो॥ सुर पत रूप ऊधरा सहजा॥ केल पुरां घणीया चकरौं॥२॥ श्री मुख हुवो हरीजे सुकवां ऊदक बाल कीजें प्रव आप अपहड राण सुणीजै अरजी॥ बेग बबर लीजे मा बाप॥३॥ भांणव मुखां हजारां भाखो॥ आखो जग कीरत ऊदोत॥ रैणारै जग रज अरज कर बाको, घर घटेंा साखी गह लोत॥४॥ गीत:—

:—. महदु मेग जी रो कहो॥ पहमो अंगरेज हुकम पल टाणां॥ सजन हीदवाण सुरीयंद॥ साजण हार असा अवसांणां॥ राणां नह तो सा नरीयंद॥१॥ कर कर कसा कैद कर वावे॥ रेसा लेण लालच अपर चार॥ बीसह रेसा न देखे बीजा॥ आप चसा मोका अण बार॥२॥ भणीन्थ अण भणीय अण भणीह सड भाखै॥ जसा जगीयत मुठे जस जाय॥ बणीयां बगत कैरे कुण बीजो घणीया बन अपसडी घणी पाप॥३॥ ताकव चत्र भुज केदंदु मातां॥ बोलै सर सातां बाखाण॥जासी नहीं कदे जुग जातां॥ रहसी जस बातां माहा राण॥४॥

गीत:— बरसांद सतणो बापरै बदलै॥ राजा पास रहै रज पुत दस किर बरस चाकरी दोडे॥ धज वडह तो कहा वे धुता॥ सेल बदुक तीर खग खाचे अस चढणो रमणो आखेट अलरी बात हात तद आवे॥ नर नर नात कहावे नेट घल बल दान धान कामत हुत॥ दरसे जुध बेला जमदुत॥ कर मर माल रहे नत कानै॥ राजा तद मा

रजपुत ॥३॥ राज सल चोसाल तणो दुख ॥ समजे पत लोबे सरस ॥ भांत भांत पर बीण हुवै भड ॥ रीत भांत रंग राग रस ॥४॥ बाचेतु सांच साम ध्रम बरसौ ॥ रद खरचै द्रुप काढ रहै ॥ सो रजपुत बीच सर साला ॥ लाखाइ बाता दुज कलहै ॥५॥ गीत :- चमन जो रो कहीयो माहा राणाजी श्री सयु सीध जो मै गीत :- साम्हा म्हलु सकरी सोजाण बनाती स्रोधोडी सोभा ॥ ३पलां बांभरी सीम्हा पच डोडी पारीख ॥ तोडी च कै सपोलां फरीसी स्पाव जानां ताती ॥ सारु पब रीसी चोडी परीसी सारीख ॥७॥ चंटे पडे उचो सव केनरी सुधा रापंपी ॥ चंटी घाना खेड री स्पमापी जोर चाव ॥ माफी बीस हाना झांपी स्पद बाना ज्हेडरी मापा ॥ हेदु नाथ स्पायीयो गोहेड रीहे राव ॥८॥ वाहीफ जेणरी जांच छलरी बीजरी नद्यां ॥ माल स्पाद्या चीजरी चरायो बारे मास ॥ स्पदो बांचे करी ॥ दाती फेकरी रही ॥ हजार हेकरो भुरैरी भरी हो बास ॥ सालो ग्रामी चख पोडे करोरां करी तोसोभा ॥ राखैइ सप्रीती दुजा चटै बरा जंद ॥ रेख मोगल फलो चढके कुपरीती लोधो ॥ बोल रोच भरै चोतो मलफो बाजंद ॥८॥ रेख मोण देखी भोण सुमो गातरी रांगो भचेरी फाल रै माथे पातरी नोखार ॥ केवडा कनोती पंखो सोभा पैनी करी केदे ॥ दनं पंचे सल पोडा चाकरी देखाल ॥५॥ उरो तार दुबारा दातरी जेण पोट स्पायां ॥ करै स्पाबा नागी लाखरी के कांटो उला गोदो वाल साबती कुद जावे हाथी ॥ लं बो याला सुहाती बाजोट घाती लेसर गमै स्पागै भी उगन जंग पावे की स्पकाषा ॥ दीठो भय खाती चोडी हेद वाट नेस ॥ स्पधो वाचो साचो साचा समंद जेथरी चंगी ॥ हाटे परो आलम छोडे तरी देखा ॥७॥ स्पापी स्पाप हल राण रोरा करवे तरी आद्यो ॥ पातो काडीयो स्पारा हेकरी अधीनाया

गीत :- नागा सारंगा मोहबा राग सीरहै पाहीयौ हेकु कीरे गजो भजाने दोठो कीताब देखै राय जाद खनी सीरीर रै खाग दांन हसो कै सीखीयो नीर खीर रौद साव नाद रीफ मधानी इहाणी कै सुमाणी कुदुरंगी केहै हाथी गंजाणी ददंत जबौनो पय पेराणी जाया देण तेग जुही पाणी दुध नवेडा सुचला को पढव कुरंगा पनंगा गरु

देसणां भणाया केण भगा सोहां भातंगां समझाया केण भाव॥
अखै सोसोदीयौ देग तेग खत्री बांटै आया नीर दौर चीरहां
सीखाया कै नीयाव नागा मृघा सोहां भउ सुभलां गातरौ
नतो कहै पुज वानौ हो दुदा तरौ कवार ल्होयै नीकुतौ
उमै तीन वातरौ नीसलो लेस केम हुवै असलो जातरौ
गुण कार ॥साखी वत :- चमन रा कहीया :- जानै कुल रीत
प्रीत तारन तरन जुको॥सो ब्रन कौ देन बीत करन समान
मै कीत गुन गाहक अपनो तये सुनेन कंनन पुन पुनो
तबे दनीत कैन दान मै॥सबलो कीहो त पीछै चह लेबा
चार साण पहले पुकारन बलो को परमा नमै फाटै नीर
चीर कौस उपर सब सच सातै देखौ दाच बातै
आचरज सीद वांन मै॥ कवत दुजो :- चमना रो कहो :-
सीघु रागनो रो बज पाहर महीप घेरै॥बाहर अस कबीर
संकन बचारी मना॥दैख तत आरी॥तुप जाहर सरुप
जुकोरा हर कैहारी कैथ येक मन धारी नाथा हर पेसु
~~नेगाज~~ नेगाज जागनो झलासो छुटो॥नाहर कै भये दुक
भागनो वारीना॥यैरी सुन नागनो रो बाचनो कहत तनै
लागनो दुनालो जुको झपट नहारो नांण॥श्री गुणै साम
नमो श्री सारदा अनमो॥ नीसांणी :- माहाराजा श्री सरुप सीघ
जीरी आण चमना री कही :—
सुर सत मात समा पजे बुध आखर वांणी॥ दीजै जुगत
गुणे सदेव देवां अग वांणी॥ कव जस कहण सरुप काम
नहुल सक रांणी चौजां रावण तीख चोख मौजा मघ वांणी
का चांनहु अरे करै आदुं अर घांणी जस हाका जग
जांणी आला फुलांणी॥अयहउ आचां उच राजे हउ मांताणी
केर काराजा करण जस काजा जांणी॥ सुण दत नर सका
सबद लंका यह राणी॥ सुर पत चकासा सहे डर
सका चाणी॥ डंका कोरत देस दस बज का बाणी॥आघ
अस कां उधम अंका अइनाणी आच्यां करनका चेव जीभ
नका मह रांणी॥ पालग खट ब्रनका परवां उज वाले गवणी
रीझन पातां रुपगां पातां पह चाणी॥ उबारण बातां
उला अखो आतां वाणी॥अण घरका आचार का
अचरज की चाणी हेला हर हमीर दोय पीवां पीज

रांणी ॥ सतका बल हर चंद सरीख दत का दुनीयांणी ॥ गुण
मत का गौर खगां आसत वांणी ॥ परमार धका पाल
बाबु अवृतो कावणी ॥ भारथ का बल भीम सेण पारथ
आपणी गढ पत अन चोतोड़ गढ कुण जोड़ करांणी
पत साहा सांगे पकड़ जड़ के कुभ राणी बारा अकबर
बीनमें सारा हीदुयाणी दीन व तेजा डोकी राजा खतांण
राणै पातल रालीआ ॥ जद रजवट पाणी ॥ पाहड़ जैणसुण
सीध नाहर नर नर बाणी ॥ जग जाहर बायाज सांता
पातुर कांणी ॥ सघर दुरंग गज बलका असमर काणी
जसड़ दीप न जैसे सखप असुर सां लुटा चौर हराम
खोर दया दुनीयांणी पापर बंका पाघरां कीधा मड
जोगा लो माह ॥ भसु उर गीया भर पुणा ॥ प्रबल तेल
चरचे प्रज वरा ओप गजब अकरण गाजै उलाल
बुड गर । दुरद दुप दुर बारा ॥३॥ दोला भाला दार ॥ दोड़
चाट कदे जाण ॥ धाट क घणा घेरे ॥ दुवे नार हुल सण ॥
गीत:- कड़ी बाजे बामा भड़ा दखणी कटक चड़ पत्र हड़ हडी
रात चोब हुई दो अगड़ी तरवारी आहो चेला जत अप
चर खाड़ी बार जोबै ॥१॥ समर केला कमल उपेला सांपीआ
खेल हद रखेले बेता ॥ दुजड़ कुबे तणे दखणे अठे लादला
सहे लादीरे आवे खेता ॥ अकर गड घरीख रीख नबट अणी
रहद करे बात दल चारो आडोद बारे लागो गणो
खर खग बाहता ॥ साथ बुजी पुरो दीरे सीसोद बजे
कर तोत आयो जस बेहड़ी आ ॥ उपा तणे बगा ने
चोरे अखेड़त अफछरा छोते तो लागो नही अत: जोत
भेलो गोपो दुसरो जेते ॥४॥ गीत:-
:- आछा जस जीरो कहीयो श्री नारायण मैः- अखर तो बरे
उमै मतड़ा सरे थोर है ॥ ~~पाप~~ पाप गट खोल रे समज
पांणी बाजतां ढोसरे कह बीसु बीसा ॥ बोल रे रांम
रांम बांणी रटो रसेव सैस प्रेहलाद नीर हीरखा ॥ घुटी
मरो जम त्रास थाका ॥ जोवड़ा चट पटी राख रसण जकी
भाक हर नाम जदी बटी भाषा ॥५॥ गज चढी पढी
गन को पढी गोपीआं भर तरी पढी गोरख सांभा ही
अमीर सभा कजीहान कु उचारे ॥ वाक हद हरी हर

हरी वालो ॥३॥ सरण असरण अमै करण वगा ॥ घर सरी चरण चावो ॥ जो न संकट हरणा वरण दडुवे असा गीरा तारण तरण कान गेवो ॥४॥ गीत:— रावजी अमर सीगजीरो आण ...... कहीयो गीत - छित प्रभता पेट मडण तट छवत ॥ अधका वत नत प्रतापेल अप ॥ धीर पातां सपत आवत ॥

गीत:— भगवान रो भाद्य ईसर दासजी रो कह्यो गीत:- जातरो सांणोर

ब्रह्मा सव कहे सुणो व्रज नायक व्रज देख्य नह खमाव चोर अमरा पुर दीजे आहीरा ॥ हर मानु कीजे आहीर ॥१॥ चत्र मुख इस पारवे चत्र भुज कौतुहल गोकल सुख काज देव अमा छांडी देवाई मेह राई पावां माहा राज ॥२॥ वेदु घर हर चवे बीनती नर रेभ भुवन तणे नवास ब्रज वासी कयला सव साडे वसन अमां दीजे ब्रज वास ॥३॥ जमना तर वंसी वट जोवां ॥ धुडा कदीय नेह कदन काम धेन कल छंद रपं कीना कंपल धेन कदमां कसन ॥४॥ लद वर लार गोपीयां मारग मही दही रामार इंद्र लोक सुर लोक इसता नद लोक कुट रोन रार ॥५॥ गीत घेलजी भाद्य राद सगता उलारो है वांचै सीखै सुणै जांहु राम राम है:—

गीत:- सावल दास जी ये खडीया वगता जीरो कहीये गीत:- भगां चार फौजां लगां जगांवो राण मै चगा हेलो सगत जार चरके वगारण मोर सुसा लगा वाढीया ॥ मह तरां खगां कस वोह मरके साहरीया वलो गरा सरसां वला जोरन पड कातु लीरो पजडा अर गजा डुव कौरे वना आवलो खुलै वासा वलो तेण खमा ॥२॥ अरा वाघर ▪ र झाले नगर फतावत ॥ पसर चरम मरदु नीया पतीजा मेढ भीनो अतर समर बच मुदलै ॥ क्वार खागां पैड अगर बीजा ॥३॥ धुपड फतै पाई परम चातीया धातीयां है मुनह बीयां पावै ॥ मोर जाडुंया रला दव समा रीयां अजो तर वारीयां वास चावै ॥४॥ मुके हे वरा माना वत सुरग वगा भुर लेगो साथ ॥ गीत :—

—: रावत अर जन सीघजीरो खडीय बदरी दासजीरो कहर झडै चक मक मक चखां गांपीया नाग कल अर चौहै कापीया गरां ओखां अज डारा पेट सुअलल

जुध वुपैडे ॥ गढ पैहे फटक सुजल लगोख ॥ होस हुडै चखां भटक अहराव रुख मटकत जदु सहलह गरंद माग करै अाघा तुरी कहै भाग ऊटक अला गाढ हे गड़ फटक अागा बोर सीसोद बमकै चखां झला वख चढ़ण अरत कैगार अवर चहलै तेज हाचै तुरंग हकै केहर तणो ॥ दुरग भाजै चकै महल हालै मद लरख लज कै सोचै घड़ी घड़ी भुज तकै नह करै सुघड़ी घड़ी तीज ॥ गड़ गड़ी सुधर राव तर ढ़गर लरी बाग वुपड़ी पड़ी गड़ा सर बीज सुतर येण हरा चौपट ~~सुख~~ सुण खाये सक। जोय गर अोट परन कुज मोया अइल अक चोट अस बाग वुपाड़तां भोट खल नाग दल कोट भमोया ॥ तोड़ खल जमाचो अाच खग तोलीयां इस गणना चघ मघ माचो खोप ॥ गजब रो तमाचो अजब रोच को गण ॥ कना सर तुरट वरर माचो कोप ॥ गीत:-

:— देव गढ़ रावत दुवारका दास जी को:—

फरर तुरां नीलं वरां खावरण फूलमै बंदन कुनण जुह चड़ो वानै द्वारका दस धर जवानी दवानी भारका तीज सामीच मांनै महां काचा रहै बलावो भायेलां अागला है डरतो ॥ तीज सा- छायेला सोह गोकल तणा घणो अज रायेलां तणो चरतो ॥ भड़ा घोड़ा तणै रहै भरड़ै भली प्रथी करडै अमल चैन पावै दुवलां अाग रहै ठरड़ा दीयां वुरड़ मुरड़ जोया हात अावै सरमो नरमो नजर भालै समो माहा वसमी तणो गात मोडै सादमो लुहो चुड़ा हरा अनमो जमो तो सुन मोहाप जोड़ै ॥ गीत:—

गीत:— हर नाप सोच माडणो तरो खोला प्रभु दान रो कहो साहां पाकड़ जंमी रांदोच्छा धायोया अनेक साहां भड़ जेर कोधा खलां कापीया भाराप प्रथी नाप दले ते जुबाबां साप वुपाडेया ॥ हर नाप येहड़ा नबाबां सीस हाप मुधी जमा पतो सोह जारां संदो पाट मोहे सीमां कलो बंदी भैन मांनै कोट सार जोच्च वालै वुरापो दुडाल समो चालो जका पुगो पत मालो छातो वुगो मोर पार है। रुपे दुडाल लोह जाल दो खानै सुबे चले रो ताल खाल भुगोल चड़ाये ॥ अप नोगा डर मालै ठाकुरां चमना रा कड़ा :—

दुहा:- मोर पत गोपालौ मरद ॥ बीरज क्रम पक बाच ॥ कुन
गाडर मालौ कहै ॥ सौहां मालौ साच ॥ रड़ मलौयै रज
वट रखी खत्रवट भलौयै खेत जण पड़ लछमणी
अजसा ॥ नज बणी अमज नैत ॥ पुरा वत चौरौ चढै ॥
गावता कव जस गाथ ॥ गाडै चर चावत घणा अदत गमा
वत आप ॥ गोकुल चाढो चौढ क्लो आढो भांत अमीर ॥
काचीद तन करै कहै ॥ चज बंद साचो चौर ॥
गीत:- ठाकुरां सुर ताण सौघ जो नै चमना रै कहीयौ जे साखी
ठाकरां मौ:- पर खडु पंगा कै कन करै बगर पांणी आण
डख अदतां कलुरांड़ आणी:आ ॥ बलौ बल करज लागा
झगड़ वाणीआ सुपातां करी जैग रज सुर तांणी आ ॥१॥
करै सम मवड़ सुमड़ आज थारी, कसाण दुझल परवैर
सौभाग दसडु दसा ॥ बलाला करै मन चार बौ सुबसा
जलाला दानरी पुगत नौजा जसा ॥२॥ भजाणौ अद्धवा
कीत कुलवट नतौ ॥ उदावा वरद खत्रवट रखै साबतौ
ऊखरा तसां दत चन कतौ नै अतौ ॥ जगावत भरौसौ
सुकन जाणौ जतै ॥३॥ सना तन भांण कजल सडग सुधर
अबीढा बांण अरौ कवंद आखरां ॥ कघट आचार रालां
सुघड़ कथरां ॥ नजानै धुकतौ बौस बातां नरां ॥ गीत
:-: ठाकुर वघ सीघ जोरा आढ़ा चमना रै कहीयौ:- मैलै
वाच्यां सागरा कौच नागराल चकमाथा आद कै दोयणां
लोग भगरा आसैर ॥ लागां पाना सौधु बार रागर भुजा
आम लागै वानां बंधौ राठौड़ बाधरा जगा बैर ॥१॥ बदलै
चेत राबो राचड़ खैजनै बाबांग ॥ हाथौ थांर मलां तौ
पारड़ कैहा कास जुघां बानै तरा कालौ खयरां अड़कै
जैठ ॥ अड़कै भुबला बौजा जैतरा आकास ॥२॥ आरौड़ रासा
वघ मौखार वास ॥३॥ सै आघौ पतौ चौतौडरा सागै
दरसै पाराध होड़ रादौ गौलां नहाव वरसै तटै ॥ भुजा
राठौड़ रांणा परसै भाराथ गाडै घड़ गाहटा वालौ
मीरजां जाला सीग जै ॥ मांवीओ पाहटां वालौ पला
सौड़ाथास बेरीयां चलासौ धमाख जासो बाहटा वालौ
वरांण नाहटा वालौ कलासौ बाणसा ॥४॥ काटै दलौ
पैलां चंगा नार गाबला लै कौच ॥ जंगा चालैगा

लोटे ॥ एलाया झडे च... खल कै चम रंग होटे बर हाथा
जाले खवी ॥ लोटे फते वाले पाद ॥ दुरगा रनडे च ॥
दुहा:- बाघ बराबर बाघरी ॥ धाहर नाग सुपानं ॥ करै लाग
सैघ कला ॥ अगद घै खल यांन ॥१॥ जुध रुका थारां
झैरवा पज वट मणा नराव ॥ पडे घणा दुसहा पल ॥ बाघ
तणो बगवाव ॥२॥ सोच्यु रण बाजे सबद ॥ पल चर लागे
पीच्च अस बाधे कस एदोश्रा ॥ — मागे पैला मीच्ची ॥३॥
सबला भडे न सामहा ॥ लडे न भारत लोथ ॥ सुता वरडे बाघ
सुण जुडे न जग मालोत ॥४॥ बघड रोद्ध हाह नह ॥ अब
सुधरी यांच ॥ रीझ दत ~~झ~~ झडरी रचे ॥ सौ रोझडरी सींच
गीत:- भगवांन पुर रावजी मै आढा चमन रौ कहीयौ गीत:-
अध तन लाजा झुठ मन करै अभ मानीआ ॥ भौज कनह धार
कादलह भानीओ ॥ महौ दध कवा कजल सह जमांनी औ
दान रोन चुकै झडल सव दानी औ ॥१॥ समै कुण जोड दत
करण सांमा जी ॥ लहर मन दूजौ लोधां वरद लाजरौ
आजरौ बंधीओ वडै कवा वरौ हेतु वाका जरे परवै
सांगा हरौ नरम ठाजै मवोत सुचत नोगसी ॥ पातवां आसर
गुणा पह चाणसी ॥ जोडरा अधक धन देजरौ जोगसी
तसां रावत धन करौ झरौ तांण सी ॥ ..... कबोर बध तरै
कथा कीरत अहो ॥ कवी धन वधारै करै जतरो कहौ ॥
साच परतीत मन भरै अतरी महौ ॥ नरां दतरी उदह
सबी चुकै नहौ ॥ दुहा:-
:-: रावत काचा नह रुचै वाचां सुज सव धान आछं
अरगौ आखरां ॥ साचै गुण सव दान ॥१॥ कवच तरी सौ तग
कहो ॥ बगत ऊचत री वेल ॥ दतरी तुसव दंनीआ ॥ ~~मर~~ अतर
करै कमैल ॥ गीत:- राणा वत देवौ सीघजी मै आढा
चमना रौ कहौ:- कवनं वलां पुगत करैवा कारण दल दह
रैवात साझ हार ॥ लै बाजस कीधौ वध लैवै देवा दल
ऊजल दातार ॥१॥ आयै भर बाघा धन आपां ॥ पातां अस ताला
पाकेट रचीयौ वेड सुदाता रीझै जग दाता जोडै जग
जैठ ॥२॥ थाक भुज बरदा धज बंधी उवार कवाला
अव सांगा कीधौ जग पारख जग करता ॥ नवला वत अरख
नर वाण ॥३॥ रघ धन रोदे वाराणा वत सुमद नरौ

तालै दूक संभ ॥ कीअो ब्रहम हैला मन जन रौ खट बनतौ पालग गज खंभ ॥४॥

दुहा:– दैना जांगा जुही जदत ॥ पांणा रीझ प्रभाव ॥ सुकवां दोठौ गुण सहज ॥ दल मौठै दरी आव ॥ नवला वत उजल नखत अखत जगत उनमान ॥ पातां कर दैवा जुगत ॥ जांघ वगत जुज मांन ॥ कवत:– जग उजाल जुज मांन ॥ वरद जस बांन वधारै करगां रीझ कुबांण तांण कर गाट अरै ॥ सुज पातां सुभयां पाण जोडै गुण पारख ॥ मटै अदातां मांण ॥ उझल बातां सुण आरख ॥ सहजां उदार हैका सुतन ॥ आंकण वार अमीर सौ जुनमांन करै ववसौ सही हैला दान हमीर सौ ॥ गीत:– खग राम गढ रावत जी रो चमना रौ कहीअो गीत:– अवर अदै वादांम जोडै घणा आजरा ॥ धामना सत पणौ चीत धारै ॥ वधावौ नाम सग राम गढ वलालै सुपातां काम आचार सारै ॥१॥ दूजे मन उधरै चढै दत रीझ उछ ॥ कचत रीसत वरत उमग थांणौ ॥ पारख गुण हैक पातां करण जुगतरी ॥ न चुकै कारी उदट नांणै अदत दुख करै दुखी मलै इहगां नरां दुत वदन सुकीन चातै ॥ उधरौ दान रावत वडै अचुको ॥ मास चुकौ धुरौ हाड मापौ बीत कर रीझ कवणां जवाब खरै ॥ समंद चत उझलां नीत साझो ॥ नौवडै भलौ अचरज कसुनो पणां मुर करद सांगा वता गुलौ माझौ ॥

दुहा:– दैण टला जुसही दुजड अचेला कदम अमोण हाका जुध हमेला हुवां ॥ गुला भीत गज गोरल अदनां हुवै अभाव कर दैतां धन मन दाव ॥ सुजस चाव लैणौ सहज ॥ गाढ राव गुलाब ॥ गाढ ममतौ गुवसौ ॥ अतौ भरोसौ वार ॥ जसकर धन गणौ आौज तौ ॥ दैसौ अतौ उदार ॥ गीत:– गीत मोही ठाकुरां रो चमना रौ कहीअो गीत:– जणौ रात दन टका अज कार हैगा फलौ ॥ जह सुणै रुपगा कथन नैटै ॥ व मौही जाकै अदतार धन वधणौ ॥ जोड मोही तणौ कमण जेटै ॥ सुभावा कच दातार अदंर सुतन ॥ सुजस सातां समंद पार सारवै ॥ दुधीयां अण घटी वार आधा यण ॥ रीत कुल सार आचार रारवा ॥२॥ चढै दन दन भरण बांण कीरत चहै ॥ दैण सुबां सहज मांग दौटौ ॥ सझै

अवसांण अचरज कसु सुपातां ॥ छजै जै साठ गढ तणौ छटै ॥३॥ सना तन पणौ राखौ बरद सावतौ ॥ पढै मनत प्रतै कुल रीत पाटी ॥ मौज घन जादण अवसाण गाढौ मतौ भांण वांन धुकै पतौ भाटी ॥

दुहा:— दाटो आपन दांम ॥ पाटी कुल पढीयो पता ॥ कुलवट भारी कांम ॥ तै खारी अंदर तण ॥ ख्वयण लहैखा काज सुदतां धन दैणौ सही ॥ कही जपा तल आज ॥ तु धन दैणौ तै

कवत: वडै ॥ ताल ठाकुर भैरु सीधजीरो ॥ भैसीघ वड भाग दाग सुखा उर दैणौ ॥ प्रपहड हाता आजा लाख वतां जस सलैणो सरस तांसो भाग ॥ रीज पातां गुण राचै ॥ लाज अघट लो आग ॥ सरस कुलु वट हद सालै ॥ कुलांणौ आज लाखो फबै ॥ हाकौ जग जस हालरो ॥ नखा वैदा नचां कनरां ॥ ताखो ठाकुर कालरो ॥ दुहा:- अवर समरै नर अदत कुल जुग घैरा कुप ॥ पैरा सत ब्रत नीत पप ॥ जस रप भैरा जुला ॥१॥ अबकै भैरा आच ॥ जस करलै नैजा धोयो ॥ धर्त बल कुल धन धाच ॥ दीजै जम दुदला दीचे

गीत:— सीघल ठाकुरां मै धमना रौ कहीयो:— धावै मन साच भरौसो अत रैण सतरौ जस धावो नव खंड ॥ जोतो सुकव खांचजै जतरौ ॥ करण सीघ दतरौ कोडंड ॥१॥ सोटै अदतारा मन सुरत ॥ सुणै तुरत कीरत कध सक ॥ धन पुरत तांणै धज बंधो ॥ धुरत रीभ तणौ धानक ॥२॥ मन सावन राखै मांना वत अल गावत बरदा धौसाय ॥ जस धावत खचै जग जैठी ॥ धुडावत करगां दत धाप मांगण कज आवै जै मांगण अस ताता पावै धन कट ॥ दाता रीठ वौद सदैसां ॥ कौ सीघल धावो धहु कुट ॥ दुहा:-

दुहा:- कीरत धावत करणसी जग नावत भड जोट ॥ कलीयां धावत गरज कर ॥ मांना वत मन मोट ॥१॥ दालद हरणा दुधीयां भल पण धरण भेख करण तौ सरखा सुभड ॥ कीरत वरणाक ॥

गीत:— दवालै ठाकुरा सैर सीघ जीरै धमना रौ कहीयो:- कपण बीचां जम धार सीन कु काची कदै ॥ पाप बाधारसी बरछ पैणौ कजला पणै जस कपन कबार सी ॥ सुपात सार सीग रज सरै ॥१॥ नासतो बधारै बार माग नलज आस तोर खैदा तार अरपां ॥ दखै नह कपांना कार

जालम दुवौ॥ कवीयणा अपां आचार करतां॥ रज धरम देसे सुन जर जुहौ जरांणरौ॥ तीख अवसांण करण नैहौ परख कवीयांण री कदै काची पड़ै॥ कद्द रम धवाण री करण यैहौ॥ जोयणां भलम भलके अघट लाजरौ॥ बड़ दसर ताजरौ जीत बरसी॥ इखतां लाख बातां बधत आजरी॥ कमध कवरा जरौ गरज करसी॥ दुहौः- कहै बचण सै एरौ कमंध॥ तायां रजवट तीखण काम पड़ै दल खग भड़॥ पावे जगत परौस॥ अध्या आयो राणां गायो अभा आ अबीह कांत अंगोला पौर मचलो औ सकोध काथो खुध्यो बोल माथे आयो बाबे लसीह॥२॥ गेण तारा तारा छपा धुटो के तो पसु गोलो॥ चलाड़ु बधुटो बांण नारंजा चेहल जोगी जटा पटा हुत सुटो बीर भद्र जांण॥ एसे रुपछा अजु टोनो हलो चेहल॥३॥ कड़ा कमा कधु सधरा आभ धुजाड़ी ओगरा गुजाड़ी ओमांण सुकगा गयंद ओसाड़ी. ओद्ध ढाल हुत नाराज साड़ी आ आचां मार पते फते पाहो पाड़ी आम संद॥ -चगरां ढुल तामें गाम मरां बाढुडे चमु तोर आरंबरा देलो लोहरा तणाव धोम जुना अबरां अखारां सधा ओधारो आ॥ पणा आ अनोखा बध बबरांचा बणाव॥४॥ गीतः- जोधपुर राजा जोमान सींग जीये महडु माधान जीरा कहीयोः
गीतः- मोकल जोराण जीरो मेद्या सु समर माड़ तेमो कीला॥ तद खग वागी जहो तहो॥ केर रण लाखां धड़ ढूगलां मुगलां पांमो नयो मही॥ ढलीया लाखा सुतन रजला सोह जवनां धड़ चेजू वाजू वण वादो भाग सीढुवो बागंण हीन्दुनां आगन दाग सुबा॥ पत चीतोड़ अड़े ढीलो पत रखो अचंम महा जुद्द होता गोरी देइ न धरा गजणी लोयेन पोज लाग लोथ कोढी अचड़ भड़ाह चग्न कोटां कल मांसह तीसर करी अमारख भूख ज्यादबो अजीरण सिव पाको बीण तोसीरा॥४॥ गीतः- राणा जो समर सींघ जी महे कवीया करनो दांन जीरो कहीयो अजर धोम गोला गजर सार कम रनसमे॥ न्हनमे समर तुटे खलां आर तहे समरेल सगराम तण हाहर पगडु अमेर गहाय पंखराल॥ धरा हईयांण रा ~~सात~~

मांण असहां घड़ अभग अवसांण अवगाढ आगाज ॥ जुआंगम
सांण खुमांण धारा हवै रांण आंअण गरद पांण खग राज
सुजड़ अंध काव जड़ करड़ पुरवाह सक दुठ अमुरड़ सत्रा
होम देहा करड़ घम चाल होतां बाणै आपरा अनड़
पे राव तस गुरड़ ऐसा ॥३॥ नवाब रत जबर आट
जांणै नगां आंट नव वंस करजांण ओले अद्धर कलहे
मुड़ भरलव होसला भमग पलटे जटो तग समां लगा ॥

गीत:- राजाजी अभै सींघ जीरो जोधपुर महाराज रो:- गीत

सत्रां घैर पर पड़ कांकण चक्कर समो सर तपंग गज
गैर गोला गजब तोप नहग भरव पला अभ मालवा
लोन जड़ दस चरव झला नभ बीजली ओप ॥१॥ तड़ल
घड़ चल कुल बकाह गज बैल तंत अंत घल घड़
लदु सहां कपालो जगर सवन थण ताव कलरह जल हलै
भल हलै अजावत तणो भालौ ॥२॥ नागोया तैग बटका
घड़ा नीवड़ तुयै कायर नरा जीवड़ हैल समर भर
पड़ै खड़ो यल घटा सत्रा सर सांमणी घटा तड़ीय
लग्ज सो सेल ॥ विषम सम सुलद मद मक्कर बैरी
पायां छुटा सम कमंध चौहाघ छुटै फूल छक चार
चोना लजा फाड़तो फड़ चकां कालजा पार फुटै
माक लहदै जैत बैंधक दुसह कपला हल कम
कपला बसत गला हुत कजाला फला साम पासल
अनला कनाली झलादां भण जसो कुंत ॥४॥

गीत:- रूप सींघ जी मैं करनी दांन जी कवीया रा कह्या:-

चरव महा कबीरां डंम कड़ा कजट धर बजै खला धरर
कदन कर अचंभा पाक सुरत नरख उप खग पद्धटता
उपहौ घईम सता करमा ॥१॥ अगन चख कच पवसाक
जवहड़ अतर बैर हर हणो सग लगन बाहै लखैं नाह
सुतन अती लागी लगन मगन अपचर गगन नर
धामाहै न सैन खिहु हुव कीव कोकल की सगत तो
भभकी जकी तमर ताजो ॥ चकव कीरी झकी बीभ
कीत कीचक ॥ छकी श्रंगार कौहैख छुजो ॥३॥ आह
अंद पर हरी उपरी आस की खेतो बतं बर हरी
नैह चोजां तजैं अप जर हरी बीज भादला तसी

फर हरी परी बिद गजां फौजां॥४॥ वखत व्रय मोहार
कुरम पटां बाढ़तां बाढ़ अर हर घणा समर बढीअा
घैरै अधरै महल अवरै धरै वप॥ चमरै दुणतै अधै
चढ ढीअा॥ पायौ अोसाला अमृत राग नित हेत पेरी
जड़ तन गमंदर भण दीप जुपे सुरां पुरव चालै
इंद पुरस भोसर॥ रुप पुरव साखो कमंध रुपै॥३॥
गीत:- राव राजा अजीत सीघ जी मैं मदु चावम दान जी रो
करीअो अंगी पोसाकां झलुस साजानी सांणा कमंणी
अावै बंकी नैत्रा छटा नगो तैगा बाहु बांणा जगी
वागा जुम्मरा अढगी नौखां जोखां जांणो चंगी साहां
चातुरंगी बांण चातुवांण॥१॥ सस्त्रा छतीस सोलै सिंगारां
मजाडै सोभा चखां भालां अजै सो अमाडै लोभी चीत
नैरवा पाखरां घोष संजाडै गवची नारी अपलाडै जबान
राव रजाडै अजीत॥२॥ राचै राग रंगा दुरा जोगणी
समैला रासा॥ बीर खेला होवा सोक माली भैरु
बाज खुसीडाणा लागो रेहा तमासा चखड़ा वाली भोगे
खासा सभा वाली दुजो भोज राज॥३॥ काल रुपी तोयां
धोमड़ बोला हवाड़ कांनै कास मैरी रंग खास बोलां
वये धार हेल चोजां डंभरी अरानै भेख चाढ घाती
जोम माती फोजां भानै संभरी जोधार॥ भा■चंका
भालां बिच्च रांण नवां समरसी मरण तसो साको कीदो
असो लरव मसो अागसा कोन हुवो असो॥४॥ १८८३ काती
सुं लिखतं गाड़ण हमीर सीघ बाचै ज्या सुं जै सीताराम
गीत:- प्रलै भाल बाय नाको चक्र व्रधाल बीर मांखती हण
कोरा लखो पबै तती बाय हुत जल धुड़ाल बोब जज जखो
चाल बो जहां कना कुदै सो गवालो पुला लबो कुल॥१॥
जटी खाग खोक बो सुदे सकोपो कबो जंगा जती
कोमो कबो नगां पती लेक जाल कुले साती कबो
काल तरी काको कबोक नार छला नाथ संभरी को
झोक बोर्ध डाल॥१॥ पु योड़ गिरंद जुटो बीर जोती
अाण तुटो बोज खुटा डाग खांच को जोधार तणो जा
जुलो जोधार तणो छुटो सेल जाण॥३॥ रेकेता ऊदु
त्रापपा हदु चक्र चाप कीधा॥ वजु को अमाप बेग

लीन्धा जन्नू बाप चढुद सांचोलो म्रलै कालडु अन्तालो चलै॥
भालो अग्र नंद बालो करालो भाराथ ॥६॥
गीत:- खेर सीग जी कुसल सीग जी म्हो गीत हुकमी चंद जी
रा कहा. राजा प्रतापै हाथला सीर धुवे कुसले सगाजै
कायंर जै बोलै वाटै करूय अमोमो जोधार खेतबुधी
हुवै साज आयो सुर राम सीग सामोरा हुवै सरुप ॥१॥
ध्या कुरू आप धीर अधकार गैण धायो जुडता अधायो
जैर रीला सेन जार धरा भांण अभै सीघ जायो दस
चापा धणी ॥ धुन रास दैत जाम धायो तेग धार ॥२॥
रात्ती भाल चखा चोल काली सलै काल रुप रुद्र बीर
भद्र चंडी करंतो आरोध ॥ दोडीयो साम ही जो सका
फाडु अफगा दुह ॥ जाणै बलां माफाडु चवालो जोद ॥३॥
गजाने जातुट तैण ताथ सुसथा सगाज जलेबा सरीत
बाज बोलै घोर जाम हरा वालै राड़ भाण राम
सीग चडी दुंतो ॥ खेर सीर माथै साटै बुदाहो संग्राम ॥४॥
गीत:- जैपुर म्हाराज माधो सीग जी म्हो गीत:- बिलंद दीठ
राजी ध्रा जाटा गंग बहणी अंबबटा सण ध्रा चढणी
ओज संत तारण सताल ला म्रगु लहणी म्हणते कुमले
म्हणती मोज ॥१॥ बल दुधा खरग रव ध्या रिबुधा बरण
सुधा आवक करण सुधा धा सीग नोरह रमानु पुरींद ध्या
तरींद राज चंदन रद्र कुभ तणो रीज ॥२॥ रव रामण
दना रसीघ खोच सामद श्रीया ढवण अण मोघ आमंग
सुरभ ढोल म्हारथ करण बरलहर प्रपमांण री ध्रन चरण
नाथ हीद वाणरी ढोल ॥३॥ हर पुरद हरी लिंघ सुर
खोर रसेस बिहंगम अलमणो दुवा आमंग चक्रग बाण
कुपरै सुतन जय साह रीझत कुमंग चेक संग दुज
तरह तरंग आंण ॥४॥
गीत:- दीवाण श्री भीम सींघ जी मैं मैहडु माहादान जी रो
कह्यौ ब्याव कौ गीत:- लूटी सामाना भंडारां बार पारां
उणे राव लागो सोभा अंगे राव खुटौ खजानै खंचूवा
तणो बांध स्याम पटा मोजा माणे राव लूटै ॥ राणे
राव दुपा चार वुओ ईद रुप ॥१॥ पोधी गुणा ध्रकमी
रापा बणी पटा ज्यूं यालो चारा रीधीं सावणी अछटा ज्यूं

सीभा धीग ॥ कीरती ग्वावणी भटां पटां ज्यु उभेला कीची ॥ सावंणी घटा ज्यूं घेला दीच्यो भीम सींग ॥२॥ चाला लाग कुंर दौडल तीन दीनांणा चालो ॥ रसीघाला हिडागां सौ भामे लतो सुधानं ॥ भुरा वाला हाथां मुठ उभेलतो भलौ भाई जांणे मेघ माला छाई रे लेतो जोहान ॥३॥ तड़ा भड़ाधो कड़ा सच्चौ कड़ा चुकाया त्यागा ॥ छोकड़ा सौ कड़ा दुटे सुधाता छधेहा मोती कड़ा मुदड़ा गांम जा घोड़ा मौजे ॥ मांड़ कड़ा दामड़ा रौकड़ा गड़ा मेहा ॥४॥ मेरे ता सादल दात मा साहा साखेल मोहे ॥ निवासा दिलासा वासा दीधा चार नेम ॥ खासा घोड़ा मोजे छाने डुला सात राखी क्मी ॥ जमी छासा पुरे पानां चत्र मासा जेम ॥५॥ चंगी लुटी चंगी डुरे सौभा मांण पांणा वालो ॥ जोम्भ दुटो पाता छाणा वालो घणा भौक ॥ रोभ्भा तुडी छधेह ज्यूं उंडी भार राणा वालो ॥ नांणा वालो मुठी वुठी मेह जुं निचौव ॥६॥ रे राय तीज तो चौर नगारां छगाज वालो ॥ छंबाथी वादलां समाज वालो छौल ॥ छड़ सामी हीदु नाथ गरां वानी वाज वालो ॥ दुजे छाज वलो सुरा राज वालो ढोला ॥७॥ धया तारा दीहरां जौड़रा राथ देख धारां ॥ पटै कीत कौडला रीसरा पातां पीच भलौ भाई छारा जीय भुरा बिरदारा भारा ॥ वहा सुब सार देणो छंब धारा बीच ॥८॥ रचे कांठ लाका सुयंवरां साई लाका रुप ॥ उजला कादामा दीधा जला का उजास सला का लट कै चडै मगला भला सुबा ॥ पला का वोजला राज कला का प्रकास ॥९॥ रुप गांडीड़ा कु सारा सुधात पावसी रीजा ढम कर रायाड़ गाज घुराव सौ ढोल प्रथमो गावसी कीत धावसी समंदा पारा वारा बेजा वसो धारा रै जावसी बोल ॥ गीत:—

:—: दीवाण जी भीम सीग जी में मेहड़ मादांन जी कहीयो

दुहा:— छंग चाड़ी दोड़ी भुम दीगोड़ी मृग म्हांण गज जोड़ी तोड़ी गढा दीगोड़ी दीवाण ॥१॥ बीज सोसी छोयै बदन मृग सर सीगर मम जी रा भोज बोली जेसी छाधी छसी कुमंम ॥२॥ गीत:- दना चोड़ी चोड़ी डुरादां मी घोड़ी बेग वधै दोड़ी तोड़ी पेट लागां गढा कोड़ी मोल तेण मोटोड़ी चसमां साल वांम जोड़ी गजा मोड़ी

भांणवा स्याद्युडी घोडो वरीसी भीमैण तैणो स्पंद्दा दूदा
प्रलबा होलैणो ठेका पहला . यन लैणो दलोणो पुर पांण
कद्द रीम लैणो मधा तु जोहा घतैणो कंथा दीधो जांय
तैणो पाता बलणो दीवाण ॥४॥ जावै कोट कुल गीत
रगीता दंगाणी जाण वैतंगी भीड गीलाहा, भरै
संगी बावरी जगी क्रमगी देव संगी स्पाय रंगी रागै॥
पंगी काज कीधी पंगी पमंगी पसान ॥३॥ देहरी बीसाला
उप रसाला दुसाला दनां चाला सुख पाला कराढ़ाला
कंथ चाय को स्पणां गुलाला वाला वाहर दै वाल काला
स्याला ताला करंती बीलाला वबी स्पाय मामो मांण दरी
वीना पद्धरी क्रमाण मागां लल फत द्धेरी जंत्रा देरी
जंत्रा द्धेरी सत चार ॥ जड़ाग देरी लोध्य स्तोद
लद्धेरी गजा स्पद्ध रीक द्धेरी करी वद्धेरी स्पाचार
नचौ पालां कुपरा संगीती ताला ताला कारी स्पालमा
जीहान पावां धैतो स्पमाप ॥ कुड मामी स्पाव जाग
सरीती फरीती स्पाउ जालीया परीती चीती लीधी
जांण जांय ॥५॥ लबो धुना नागणी सलबो स्पाल
लटां वाली कुपनी स्पलील खेत घटा वालो येम स्पस
पोठ लाग रांन भुमै जटा पटा वालो तालो पोठ
वागां तारो न रांबालो तेम ॥७॥ भड जो दुयगा राजयाय
जाद्दो दोध्य भुरै पगो पाय भाद्दोय सीरो दीसा
दया जल गाय भुजाणां ताय जाद्दो खोल कारै लोद्दो
साच भाद्दो लडा लुब कीद्दो काज साज ॥८॥ मातो
पुर ताती सीस सोदु जरी सरीसी मुखां दय सीनी
को घातै भुप चोजरा स्पवार ॥ कामो भीम पावु री-
सीकाल वो भोजरो बोली मायी मोजरो गोडा कोको
सोगार ॥९॥ गीत :- दीवाण भीम सीग मै मेडु मा दान
√ जी रो कहीयो :- स्पडसी माहाराण नपो पत वाला ॥स्पाव
लाहर बकालां येम बाजै हद प्रपमाद वीचालैं जलधा रोगडा
प्राला जेम ॥१॥ भलो भीम स्पालम जस भणती ॥ उधणती
रीभां स्पप्रमाद ॥ भडै भार उडै भण हणती ॥ रनेरत रैदनरी
गीणती रौ नाद ॥५॥ स्पस गज गध स्पागा हट स्पालर
बेल समद मालर बत वाद्द हाकी सुज सद्दवो हालै

रौ सरब थात झालेर रै साद ॥२॥ सरसात अीराण सबौलौ पौलौ हापा जगड़ पणो ॥मीठौ सबद वजै घण मौलौ तौलौ चौसट घड़ी तणो ॥४॥ नीत नीत मुख मुख सुज साजि रालौ पातसा घर चालौ भर धुर घड़ी घड़ी ठहकै चड़ीयालौ दरबारां वालौ देस तर ॥५॥ गीत:

माहाराजा राय सिंघ जीरौ बारट संकर जी रौ कहीयो:-

सौहौ सिंध कीया किव आपस रीसा लास हास है भेद लखै सुपह प्रमाण वधै ताय सेगग वेलो रुख प्रमाण वधै ॥१॥ कीया जहू सम जती कलावत पुरखा जीका सेवीया पग मौटा येह पारखा मारु लता वधै तर सीस तौ दिसन मीया जो केहे कतन ॥ नर ज्यां दुजौ जग ॥२॥ तनमौ ऊगौ वेल पगां ताय आसम सुबस करै ताय आप सम ॥३॥ कौड़ नहै सतो वधां कीधा लेवै ज्यूही जेह कण लख आय सीसा करन कु अंज सीयो ॥ वल अमेत कलप वध ॥४॥ गीत:- दुजौ संकर जी रौ कहीयो:-

पाताल जठै बल रहण न पाड सेस माडै कन सुरग रहै ॥ मौ म्रत लौक राय सीग मारै ॥ कठैर हु हर दल कही ॥ बीतै धन सुत अठ पुर बारै सेव सुत तणो अमर पुर राज नीज दातार कला वत नर पुड़ अनत रौर गत केही आजा ॥२॥ रैण वीयण पाताल न राखे कनक ब्रनण रूधो कयलास मही पुड़ गज दातार सुमारै वीसन सितै पुर मांड़ बास ॥३॥ नाग अमर नर लौक नीरखता हेक ठौड़ दै कहयौ हर घर अ̶म̶ सरनांजा सिंघ थातीया ॥ कंद जठै जा वास कर ॥४

गीत:- दल जी भेड़ रो कहीयो गीत:-

भक मुकतै पैखण कसै गुण अको उख रड़ वड़ती चको उगो वग तर सहत सता चावट का चाचा धन बैठै कैम उगै ॥१॥ असमर समर वाढीया अचलै वाहालै कर बांह वल सत्र पायड़ वापड़ सहैता ची धण ~~बर मट~~ कम कर लीयै घल ॥२॥ वैर बाराह बीजावत बीढतां सत्र वाढीया सनाह समेत ॥ अको धको मायठ भटकै खायण तैना वैरीण खेत ॥३॥ मरद जेर दल हला मुधाणा ॥ वाढ करारै तै गवडी सीसो दीया उरारै

सम हर रातल अन जीमीया रहा ॥४॥ ॥
गीत:- जबर साहो चोह बोला करै पान कजहो कड़ करी
बीजला दोठ कोसो अपखाड़ै रामरै चौतरै जराबा धी
बीयो सराबा उवर धांसो ॥ तोको जणो अपालै वड़
गोलीयो तैर मै तोलीयो गजै मुगजो खवां हुत ॥ कर
खुरी करा घम रो लीयो कामड़ै ॥ कलमचै पराजक बोलो
कुत ॥ खाल देखै तरण वरष अप घर खड़ी करण खाल
खरां केहवा वकै होद चै पंजर अपतरण सरण रो पीयो
जम गरण थोपीयो अरण जैहो परम धारीयो धुर
मारी पणो चापड़ै कुर पोरस चलुला कीलम घड़
सामहो करग हुटो कीना पार कुटो धजर जाल पुला
साम धोला रीयो कांम नव सोहतै तारीयो दैस वंस
सण सताती चापड़ै नबखां तणो रत धारीयो भुज
ससण गारीयो रहै मालो ॥ गीत:- जोधपुर रा राजा
जी अभै सीघ जी मे कबीया करनी दानजी रो कहीयो
गीत:- मदा पाट पाटां सले पोस पाटां मसंत साग जा
अभै सीघ खहीयो जवन घड़ पड़ै गज सीस समे
लाज है ॥ कहै गण पत सगत इस कहीयो ॥१॥ तरण
रथ वकै घण वहै खागां अतर अउर को कर मरण
वर अवरी पड़ै घट गजानन कहै धीभ पचा नन
गजानन कहै रण साधे गवरी अभो छत्र धर सत्रां
असुर दल आघटै रीस भर अजावत हर वरीयो भड़
गर दैख चाचर भमर कहै भव उमा धारो कवर
काम आयो सरक लोद तड़ लद कमल गज सभाल
सगत कहीयो सो कुसल नाड सुणै दोन्न दांत दीन
भुज नहीं हरले बोदर एक दंत पचर भुज पडन
उणरै अन करल समा धणी राज पण आपो सा
मुगलां धर खुद गज राज मापांडु सोतब सगत
भ्रमं पढै अद्भव वडु खोडु अपोरण जीत बाद कमद
✓ हापां ॥५॥ गीत:- दीवाण जो भीम सीग मैं मैडु. मांदान
जी रो कहीयो गीत:- भाला जको लेजा गाजा भाव
गीर धारा कैस भोलै खंजर कटारा वाढ गोलै ॥
खुर सांग रै वतां काहीयां चीड़ जरदां धारीया

रीलै।। कण माथै भीम तीग कुलो लै कै वाण ।।१।। व्रज रो
ताक बोगुड़ा कैसरो मोड़ बो बाण सेर हाकालीयो ऱ्पाला
राकबो सरीस मुंको कील माणां प्लै कालरो कोय बो-
भालो पाणा प्रथी नाथ नालो जोक बो पाड़ोस ।।२।। रमै
बीरद हुडे हाल राज मै जोग राणां बोम धोम मढे बढे मै
चांणी बैराद पढै पाठ बीरांणी चीतोड़ पान चढै पांणी
रपड़ साणी रैढ सु डकैढ चे राक ।।३।। लोरे राव राजा तीन खड़ा
रैता बीन लगी सोरे काट बोजा जगा धरा रै सुबास
धटै हुता होद वाण श्रीरांण भरोसै धारे हमै धारे श्रीह
धोकेण खुचंद हास ।। भाप लासैं मायाणी माकहा कदै
बायाणी पासै रपायाणी ग्रीखा कगुदग लासै रपायास ।। पानां
सीखु राग खला डला सौ बीजला पुरो बीजला डालासै
भुरो कला सै बाणासी।। रपाजो सांगो दीठा बो प्रण दीलेसा
सुकरो जाबो कुग बो डकरो चखा रपरवां भीम बाध लणी
नै सणा बीजणी भसमा भुक से ताबो हुवै कमोड करो
मुणा बोहो दुनाथ धा चाचरां रपड़कै रपाभ खड़कै खपरां चांडी
जोदर कै चड़के रपढ़गी धांम जैब तुलै चात राबो सैना
कड़कै रपोखां गीतो पाज गोसाज रपाय रांगी जड़कै जनेब
पोना की भाल रेद राव तारो रपातक पैलां खला प्रजा
लरा कोट मतारो सुमांण ।। जोधो काको रमाल लका लरा
नातारो घुड़ो थाल रानो रजु दलो सतारो रपा पांण ।।
गीत:- चांडी साकलै रपाम बा भुक कोण चोका रजा चलै घुको
जदा कलै गुण गुत राट चोग पैरा कच मुरां केहो येरा
कचा कलै चुर ।। साकुराहा कलै रपसो वेला उदै सोग
सना हुगा कैकड़ी नचै नड़ी वड़ो सुर ।। हुर रंभ रवै खड़ी
सुभ्र हार होर जो माहा गडो जोर जाग लागा रपड़ी जोरे
मलै बाजन रपड़ो बाग चाहुवाण बीर ।।२।। कोम पोठ भुमै
भार गुमै गड़ा नाग कलां ।। बरमा लेलु बैरं धर मचाल
बैसी ।। बाजतं तबाला जाकै कीर माला जाला बीच नैज
बाज नीरा लाला संभरी नरेस ।।३।। चुलो भभ मीरे
बीरा हाक बाज लोह धोम बोम बड़ा वड़ी रै डमरु
डाक बाज ।। रोस रपाग जाग प्रलै दसैं रपदीरे हुय
बैदा कंग दीरे दोजो केहरो कजाग ।।४।। ब्रज हुरीयां

दकै वधुटो राम चन्द बांण कुद वासा मद मांण तुटो
हनु कोप कालो गज नाग सुबेहग नाथ जुटो कीना
जटी री जटा सुखु टो बीर भद जोद ॥५॥ बाजै वंबर
राडै कै रपाडै टुखा कासा वाडै जगी होद सुखा कै
पनांग पाडै जुध जोम रपाडै लागो चोडै थाडै जाडै
बीजु जल ॥ बोधु सै रबि भाडै पाडै गनीम बहुप ॥६॥ तैग
धारा तोडै कै हो बीढ़ै बैकुट ताला गोडै गुण थी समा-
ला जोडै धारा गंग तैगां पाण रघु नंद सातारा नाथ
सतोडै ॥ मोडै मार हटां गज मरोडै मातंग ॥७॥ तेर जगत
रंजा सुत जोम काढै तुटो ॥ गाबा कोप गाढै तुटो रघै
उउ गण तयो बलो जुदाये जाजुला फोज बाढै
तुटो ॥ चाडै तुटो दलो कलो बिरद चुहण ॥८॥ यो
गीत वास वालारा उमराव गढी रा ठाकुर उदै सींगजी
कुसल सींग जी मैं कवीया करनी दान जीरो कहीयो गीत
:-: धणी दाहनै रारै सरै बामै धणी राडा हरवल रपणी
भलै चढ़ीस साग कु सुबा तणो काल जैसार रै सैर रीब
कुसला तणा व्याव सीस रजी हाल रजी हालो मुबो बुटी
लीयण जुटो कढ़ीये रीस दहु उरां प्राथै होयै वर बाध
टोकैग गोपाल हर मेघा हर साढ़ रीतै गमाथै बुढ़ल
का तैस औथार रामो बुढ़ल साम खद दमगला बिर
सैतो कर हुयो नहरण थार नौजार रपणी सरहो डैर
हो रण थार सैतो चढै वर अधर नग जड तरप धमी
उप्रा वस तास मौरा दक रपाक उगया सुरग फाला
लीयत रमीरा मुर थरा जमीरा धम भाक ॥४॥ गीत:-

गीत:—

कसन गढ़ रा राजा जी श्री प्रताव सींग जी मैं महडु
फतजी रो कहीयो ॥ हला करो लात बलां बाज बेरी
रो गोरंद हीदु जगायो कनौ दुजांणै अखाडा जटेत दीठ
होहा कुठ तो कठीफो रोस रते देख यते रपाय मते
कबा कारीयो पटेत ॥१॥ तुटीयो रथा पबे गढो फतेल
राता खीयो साप पांखीयो कंथा पडा खीयो राठ
नाप राउ मेगला मलाउ मु समाप तेज कन रा
गार रपाय बुलाया कनीर ॥२॥ बांथ चालो चोत रा

कीयो धाहरा बीच चंदे अड़ अराड़ु खिलोकी अोस चाल
भीम नाद अग्राजो अोगणा गता कीअो उजां लाग खेया
अजीदे की कीअो लंकाल ॥३॥ लागो पीठ बाहुरां व लागो
बोम परा लागो नरां आअो आयो वांगो लाखरां नैरस
देखे उपड़ वाढी अबाढी पाढी दसु दसा ॥ बाकारी अोके
हरी सनाड़ बर देस ॥४॥ छटा सांमण छाया उप सेय अपात्र
पत्र छायो ॥ नखां दोज चंद वाणा अोरस राड़ै भरे चेरा
वपां पाड़ै मचै हाव भान चोड़ै चाड़ै कतो चारां अपल
गान अोढा चमु ॥ हतपो भारांप लगार भाड़ै हाड़ा हाव ॥५॥
फटे चोर सावलांद कुल पारा वार कुटै घावा मापा
तुटे मोतो हरां अोजस कमंद ॥ खासा माम मेघा चड़ा
बंका जोम मांणा कुटै अपाराणा पत्र कालुटे सवाई समैंद ॥६॥
लोभी दैद जचके खिना कुमारी सुसारी लोहाहारी
वके चमुनारी जोड़ै हाथ हुरंजी हजारी भुजजावारी
बीणती हमै पाढी हुत अपारी न चोडु अपी नाथ ॥७॥
तड़ै बीर खेत कमोह गतो मोसरां ताणौ मांणै
बीरार सावीर थंभे आस मांण नन छत्र चारी पात
साहां कवारी चडारा चेल जये दडु राहां सजो
जोसे लोजो सेल ॥८॥
गीत:- माहाराज मादो सोधजी मैं खजीया हुकमो चंद
जीरो कहीयो गीत:- रलै हाथलां जोर साबुला घद
जसे चोर साहके मचके सोर सा तुला कद्द ताम
इंद तेज जजा हुला उप भुप माव नेस तुहो
महा बीर बका रवै वरताम अंद ॥१॥ घाट बका
राहसां गीरघाचा साहसां घेरे पाट कघ तरा ले
धाहरा हेरै घेट जाह राज हांन जोध भरै हुजे
साउ जाअपा ॥ खजा अाना हस हुत अखाड़ा अखेट ॥२॥ सोधुरा
ग राजो तुर तबलां त्रहास साजै ॥ घनागा समाजो लाजो
भाजै भीत पाप ॥ घोरा सटा धुगोण छबला जनजासा
चाजै ॥ बीर नाद गाजो बाजै वज्र साब लाप ॥३॥ पड़ै
अड़ अटा सो पांखी अपंत गेरत पाणे बाम तांणै जट
सो नारवी अां जागे बीर ॥ भीम नखी बांगी अा बुलाके
तु चारबीअा भुप कोध उप रातांखी अाड़ा खीअा कीर ॥

जोध्या जगी साजां साजां जोम जाली फाजने बाजु टै
रबिखमी करोला कुकां फटे जसालरा पहाड़ माथे लुटे
बीज जाणे ॥४॥ साला नेण हाथे लाडु सुमा भमा केर
झड़े ॥ चासा हुड़े पड़े झुम झुम बा चोर ॥ बाजु परीचो-
फूली फाब घेरब फड़ां बैरी सोनेरी फादुठ रुठ बाबे
लसीरहे कोध हुन्समता फंगां फस माना फड़े केही जमु
दाढ़ा जेम दाढ़ा जड़े केही जोम करी हा लुसला लाग फाग
खाजड़े केही भीम नदा रड़े केही पड़े केही भोम खो
रणे साबा जहा का फगमी नाहरा खड़े दुगमो साहरा
चाका पड़े देस देस खींदा चला पाहरां पादड़ा झाड़
घोर बंका नाहरां बभाड़ नयौ कुर भांन रेस ॥१॥ पहलो
थोबेर पाटली चोरणा थंभ पबै घेत लास पाड़ कोध
मृगा चोसर चांण ॥ तेगां फासमांण फोका लाकाचडु
पोका तणा बीर जोका जोका बोले त्रलोका बासाण ॥५॥
गीत:- महाराज बगत सीघ-जी मे महदु हर रूप जी रो
कहीयो गीत:- बागा ने-जाला कजा कबीर बैताला
पाहा कबाण भालो काज बागा डाक डमरु महेस ॥
हाथी फांम दाला काला बाधी फांजे सीगढुल
बांध चाला न राता ला बागो बग तेस ॥१॥ सारे मे
कजागां लुबे घुमे बचला नाग सेन ॥ साकुरा पना
गाबा गास पटै सचोर खड़े थ्यतीव साबलांत्र भागां
कीध्या लागां खेच बागां खागां गोणा गाबलागा माहु
बीर ॥२॥ का फरारा छुटा गाढ जुवला फयु डाकु मे फां
छुटा पीतंबरां लुट बरां रंभ लुटा बाढ बीजला व छुटा
फाभ बीज तेम । छुटा तोह साकलां हु जुटा जेत लंभ
जोगणी कुबकै पत्रु बकै हवाड़ जंत्र लोह छुटै चुबकै
लटके गजा लोथ भुटकै फकारो जोध बैठो गरो-
कोध भाड़ जोध्या हरी कुबकै फकारो महा जोध ॥३॥
जांगी डंडा रोड़ चुला डंडा धडां गाम नडां तेग
गोड़ा भड़ा घड़ा नीजोड़ न गोढ भालोढा फरा बा
तोड़ा फाढोड़ा धमोड़ा भालां राठोड़ा कुरा भाबागो
चोड़ा घोड़ा रोढ ॥ फाभ लोलो भुड़ा सुडा डडा
सोण भुर मेच बांण तोक बागे लंबा धोक भागो

जौण बैंला गांजै घारै जौड़ लागै दुसरा गंगेव खाग मैव
लेकै जार डार भैव भाग खला सामला खलकै कुमाथ
डोड लागा करा दुढा हडा भडा पार रजोगै लोह भडा
देख आदैस कमचा भुजा डाड, छडाला डचाड घाड
जैसी गरा भाड वातौ, भुडडां बजाड कुच घोडे
घाडा भाव, पाड जाडा ढाकौ धुमाड जाडा फाडा पुर
राड जीतो जाड खाडा घाड मारु राव ॥५॥ गीत:-
गीत:- राणा जी राज सींघ जी मैं हरी दास बाणा वतरो कहीं
यो गीत:- कामणी आतणे तोणी रेऊ सणे ॥ मोहो आवी
जा तणा मणरा जड राग रेह रलो अत: कसी आर
दालां कसण राजी हुओ घणा राव राजा हाव भाव
जो अंका कण हार ॥ चतन सुद माद घरे चीतोड़
सलहा भोड़ को आसणा गार नार तणौ काजल नील
वर हाख घरे, अन राव होरै मुद्ध वल घातै मैवाड़
कालो घडा वणा पकोरे ॥ सुलोद लोस रस ओ खां
खे जगा तणो कसो आजरद महला तणा मरद अन
मह पत मैवाडा मरदा मरद ॥४॥
गीत:- माहाराज भार मल जी मैं आढा किसना जी रो कहीओ ॥
मल गुण रीजी अतो जम बार हमाल ॥ तातो मातो तोबो
रेरा को दुवै ओ पावै दुजौ कणो न दीनो ॥१॥ वाघ
कलो चर देस बदै सौ ॥ गोतै सड़ को गायो आक
भमाल तुरी जल हल तो अम घर असोन आयो साकुर
उचा सुलण गारै, दस गच बेठा लख आयो ओहन
असो पलांणो घोडा मौर लुहालो घोडे कोना ओक
सनाणो ॥ साकुर उचा सुलण गारै दीनो दान दुमला
बाजं दधार आंक वलांणो भारो भार हमल्ला
पांणी वन रजोतै कुर पंडत प्रम गुर ब्रहम पनाको
जग चख चांद जतै जोध पुरा नुवदी ओस रा को ॥
गीत:- चेपाल दास चापावत मैं ॥ आढा दुरसा जी रो कहीओ
मुर चर मेवाड़ दुढाड़ मालवो ॥ राज हीदु सपानर रहै चांपा
वतै चातो आचो हला वलातं चोह लानस मण वहै
कदा कुपाजै तन आयो कानै रहो भाकरा रुप खेडो
आरप मोहो रै खेड़ चरैण वां खडो जठो रुप रे अणी

आत कौच अलक पर मह गोपाल बसे भावाय ॥ पडते
वको चारणा पहला आगलतु आंवखो अत आप पोहो
चलटता सुपह पलटीआ ~~…~~ बरीस प्रवाडै लाभ॥गढ़ना
लार हाको अगामा॥ आडातु आप डेता धाम ऊपर अखै
भलाइ राठी ऊँदै चापा तणी भलाइ चाह पाता ऊजरा
सीत अपालो ॥जुग जास पण बात जाअ॥ गीत:—

गीत:— अखा माहतौ मै खडीआ दुकमी चंद जोरो कहीयो
लगो लाख प्रत रोम धख तीरथो चोम लख बोम अत
रोख बहती बलाइ॥जंल परा चाढ तीस ऊल जणजोत
जो आगन राल पडण आ अखा आडुल बरसे बद राम रांगै
त मुख बोलतो ॥ तोल तो देह सत बरस तावै दुनी ब्रेतहु
समो कहै वाछे ~~…~~ खजा न्सु क्रमीग अण मग क्रमी आवै
आर कत बदन अजबे रवालो न्सुमंग मुधर दल छोड
डर अतालो भीच॥कीच ऊल दुआसण ~~…~~ ऊध आसण
करै बैठ गोदुला सण भ्रल पटा बीच दुप दाहे दखन
रखारा चौर वन म्रत भवन अंग जस हुत भढगो कुल
सुत गडोर आबा गवमण भंग सैंकर॥ चंग पवन
संग जोम सरग चढगो ॥

गीत:— भीम सोध सीसोद मै कलाण दास जाडा वत रो कहीयो
जुग चारहु आभो भाख जीता अर कह कहै आगात अपार
भीम तणी भाजै घट भवसा मांथो सा वासै रण माह
सीसोदो आतणो सुरायण॥भाग गरपण पत साख भरै
दल आफले दलां दुद जडै कमल कलह बाखांण करै
बढतो भीम साथी आबद तो ॥१॥ साखो सुर समते
सास धड चडीआ घड चे और चारां सर पडीआ
आखे साबास हे अणी आत बास अमरावत केरव
पंडव जेम कर पडीड तो धड पाड तोय पाइर सबं
लोधो बोलतो रतिर ॥४॥ गीत— राव राजा अजीत
सीघ जो मै जीव राम भादाम रो कहीयो गीत:—

:— सुलह सोम भुख फुलह मन मध तुलह खुलह अंग
जलह दव दलह सुर राज जोहो गहर रगरै ली
खोज लइ सुचे गाढ अजो जूल बेलीयो दुलह
जोहो ॥१॥ ताचे जाद चनो कलरो भाण तम ॥ चाय

जादो बिंदु बलारो चाव ॥ आला आखें पनो सह जादो
यसो ॥ रा अ जादो बनो बलारो राव ॥२॥ मोतीया साज
रो जटत नग सोम भण ॥ अनड पुरव राज रोडमु अनड
रुप सुत अवल कुमे दमाहा राजरो बहत आजरो नवल
बनड ॥३॥ दुत बणी बदन बुदो घणी देहरे दुल हणी
ओत लोभा ॥ जणी दन तणी करणी कदन जेहरे, सेहरे
घणी महद बणी सोभी हवा मन अतर भलो नर बुदा
हर सुमर चुरं केवर लगा दोह, साजा लहोज संउ मर
खत्र चरमं अमर लोउला रहो चत्र चर अमर राजा
राणो जी भीम सीघ जी मे मेड. महा दान जी रो
सहो आ दोनो सराव मुखार वंद कंदो चंद बौह
जरोसै संगारै जरीसै साजा फराव सोमेण नोत
गाय्यै राव नगा लोचा चाव नोख रौसे भाग वा
बरोसै रेहा हेराव भीमेण क सुलरै करंता लगा
बागार खां खाबु तरै मासै बोलु आला जसा पुत रै
भभंग केदन वंकीक होत तार हाल कीक बुलरै
प्रथी नाथ आंचा रेहा उतरे पभंग ॥५॥ दुल मां अद्यो
रैता दलोच्या आग नालां कडै घेडै धुरै क चौरै खेत
राखे वेखु पमेड राग लागा पाव बेवे बरधो रै माप्रे
सलै भातल पै मागां मच्यारैं सरुप ॥३॥ घरतो चाचरां
नगां गयंदां गेर साथकै अगां चको जोर साफ रखो
आव जाव साज बाजा चमीरां सरतो दवैं सुमेर सा
समापै रएता तुरी अरतो सुजाव ॥४॥ चडे जावै सुमा
उरा असा बार चारां कौसो तेडे जोवे भाद्रता हका
कौसो तार हडे जावै गलां उचारा कौसो बाजेयां
दले जावै आरुह दुबारा कोसो चाड ॥५॥ केउ उत पवै
पार कबो बाबांग रा कौचा पागर अधहड आराण रापै
एक ॥ साप पै अमांगरा जेहरा खडैः सान्च मोचा
अपडै रांगा प्राचा रएहड अराक ॥६॥ बेला जजां सै लोग
बीना दन चाता रै बागा ॥ चजा ढाल चाता रै तुलबो
काच गाते ॥ आरबो आप बचातार सुधा आता तारे रेह
ता बचं चाका चोका आंजा तारे बीसहात ॥७॥ बाह
गोत जोड़ता वतेज सुपार रा बडे दोड चाकां

चमरां. ढार रांदेण हार घाटरा सुपना खोखा खंरहां लार
रा सुघटा घाटरा राज घाटरा सगार ॥ पांच कौवै
समाता काया सुभ लोचा सुभावां चुना पै रला चुना
कोट सचे जाया रांठा चुप चारा सचो खिवा जुना
डुला मोह चं चारै करगां दीवाण दुना कुवारै कैंकाय
गीत:- अभै सींघ जी बेलु दारा ठाकुर रै लार भग तण सती
हुई जी मैं कवीया करनो दान जी सतो कहीयो-दुया
सचौ न चालै सुर वसौ रंद चालै सुण वार चाला
गज चालां चलो लालां रूप मल लार गौला हरे
चाल नंद लाल हीर लाल आहै तलह ॥ चाल मद
भरत ढंत लाल चाला साथ रूप मालरी लाल पाग
साक सभ लाल सालांच सीस लीलालां ॥१॥ बांग प्रभु
वंचणी संचणी प्रत बता लाच खत खंचणी सेल लीयो
नचणी जाता पर पंचणी हुई नह केचणी बात रूसी
अात कीची ॥२॥ जमो कम कम सुतम सामच अससैद जिग
हिम रुक भग सुद दुजा हांपे सै जयोह पांचठो पीव
सापै सधु ॥ सज पावक चढो पीव सापै जदन नरन पुरुख
सी कंप लारां जलै दलै सुर पुर वसीह दद दमीयो
सतो सत पुर वसो अमारो खुवा हालण ॥ सुख सीस
चो रेग रमं सुमीयो ॥
गीत:- राजा रा असीच जी मैं आढ़ा दुरसा जी रो कहीयो गीत:-
बडो सुर दातार, राय सींघ वितरां मियो बढण कुण
कुवारो, घडा वरसो कुजरां तणो मोता देसी कमण
कमग कोडा तणो ॥१॥ कलह गुर दान गुर हालीयो
कला वत लखां उपर, कमण वाग लेसी अमां मोता जग
जराज कुण आयसी दाभ कुण रीझ सो लाख देसी ॥२॥
जैत हर आचरण सतर चाड जीपणो वले दव राउ
नीसाण बाजा दान फौजा तणा कमण गहणा दियै रतन
रो मोल कुण दियै राजा ॥३॥ हीदुवो घात दोय बातलेह
लियो बालगो सांक जग चिंड वाने हस तहेव धुमता
देख सो राय हर कोडह वख जानै सुण सकानै ॥४॥
गीत:- राव प्रताप सींघ जी मैं खडीआ हुकमी चंद जी रो
कहीयो गीत:—

चेला अंद सो जुजवा ओच सुमतो बज दृपा खोबलो तैण
आप्पो पतो वर दांब कै सबांण पतो खाखो मोणो
पांणो बांण वदुटलां लांणो बोरखा खायो जाणै जुटलाल
कैस ।।१।। चाल लाम दे नाथ कुर माजु हार चोरे काल
बोहा धडे जोर बीजो ग्रौ कुत क्री टोज जगो रीस
हके केर वैन कना दुचरै बजगो बोल दुजा माडा दुला।।२।।
चरा चीगो बैणै बाज बमे पावन ओण चारा ।। राव खला
रैणाण चारा चमै ताव रोस खखै लोण चारा चुदजोण
बोणा चारा खासो सैल ओण चारा तैब ओण चारा सोत
उड सो उठ तो कुतत्र भागो भुबला रोलै ।। सतुले
खपा गोदला दुठ तो खोनाड सुक्र तो गाजोब गोठला
ओमा पवांण वालो पे कुमांण वालो वागो सुठ तो पदर।।
जमा चार माचबै सनैत ओच बुद रो जठै अंसो मोर
बसतेगां तुथे बजु खाड जुपे पेड बेस खप्र भाराप
पाराप जांणो राम खागे हनुमान जुपे लोक राड ।।४।। चनजै
अहारा दोह ग्रास भोर बांणा चोठ गोर बांणा पांणा
जतो दमा सेनसु ग्राह फोजा रोस रतै तेगा ततै बाड
कोदा फते ।। माहा बीर मते पते देको दोह माहड ।।
गीत:- महाराज जमा दो सोघ जोम खडोथा दुकमो चंद जोर
कहीयो गीत: चुजै सतारो अटको पार पबै खास मांण
चमै रमै कैब वांण भुत टेको ताता रम रट ओला
राध लेण कहो केण माषे रचै ।। प्रपो नाथ माचो साड
कंरको पारभ ।।१।। भुगोल गोर दाजा गला गोलाण लोक
भेडे बैडा गजा पाक हेडे बीर नाद बाजे जोगड सु
बेडे तालो प्रलै फाग जेम ओच जेम जोच जेसा हरा
फेडे बडु पाब जाग ।।२।। लागे डाक डेड डाला बाद लांका
ला घोघ लागै कै ओण निघोष नाला बागे ओम डंच
आरठ भागे अरदा भु अराबां निहाव गाजे बस नेस बीजा
फोजां साजै नौत बंच ।।३।। तेजी नाग चडा पैभ चंश्र
दु मन गेस तुटै माग लुच काडु दुटे दगो सम रोड
जाजु लोडु तास जाला जेठैं दगो सजेम खबा पुरा
दुस रोस कै सीस अरोड ।। डोले चुच मेडा सेस
हेज मांडे ह कांम का खाल का अंसका तेगां तालो

वज्र अपोप चांने काट कारदना तोबौ राउ. चंगा चौरे
करै बीर वंका जांबौ लंका कासो प्रकोप ।५।। इस बार
बांत कौन वीन रुद्द हार होत नीर च्यारा गारा होत
अपार नदीस तुट तुट पौडे खडै कुल क पालटू ताई
सारा अपास भान रस तारा लगौ ससीस ।।३।। जो मंगी
मलार गले जोड़रा प्राजलै जोम पुलै जादवै सामलै
मालवै सपाम गाढ चलै खीचौ होड़ मैचकै भ
होड़ गौड़ थोस कै कुजीणा सो वास कै चाढु वाण ।।६।।
खैला बीर चंडी बोम वंभाणा अखमो खेड़ बोम जमी
चाड़ चौड़ रहै रीसंच कीच ।।नाराजा धनमी जोड़ जोरै
हीदुवाण नाथ विखमी अवाजा चौड़ त्रहु लोको बीजा।।

गीत:- जग दुप जोरा वत में मरु दलो जोरो कढीयो:- सर सादो
हुत एक सा फलीयो ।। त्रहु लोको हेको रतन वीला पोहर
चार खग वहता रावत पडै न खडै रव ।।१।। अमै हजार
हत आडुडीयो करमा सुमै सावला जुर वलो थोद वसना
सचै बीजल सुर पौ नर हालै सुर ।।२।। जुगल धनैक
पावो आबीजा एक दौह चखीयो आराण ।। सुड कैबाण
दुक तन सड़ता भाण उगान चग कुल भांण कल भानु
सगतै सकलो चर वासुर जग असम रावगा ।। आभ
लगो भारथ विच सुमो रजोग चस. खड न पडै जगो
पंच वग गहुंभ माल पुखै नर पाच सौ कै नरलग
पातल सुतन पडै पंच पोहरा पोहर पांचवै खडै
पतंग ।।१।। गीत:- माहा राज श्री गज सींघ जी रो:-

गीत:- तट खला कमच गज बंधी धाहुर धाहर गजधीया
देवल देव ल हार दिया आकारो तेव सणगार कीया ।।
भागीरथी तणो तट भारथ अर चाड़ बेहड़ कौच असम
माहा देव हुड़ हड़ता माथा पाना पान रचौ सादूल थम
सुर तणा सुर सीरी लगौ सर सतां वड़ड़ सुभां सर
नीरण रैख गमैं लाकर रचीया, नेत घर घर नेत
पुरै सेंगार, मारै भेट चाढीया माथा गजड़ वब कु
तट गंग तणी, राजा जम भारथ माहा रुद ।। कासी
नर पुजी आकणी ।। ४।।

गीत:- चांपा वत बबलु जी मैं:- आगम बचन जसा हर आखैं
पोह जांणो धुमै प्रमांण। मौनैं अस रीझे मीक लीयो
देसु तस बद लीधो वांण ।।१।। जग पड़ बचन कहै जोध
पुरो पता वचनह तवा पर दह बारीकां क्रम देजण
दन भाऊ असचो लोध भर प्रभण गोपा लोत असो-
पर जांण सुदै मीर मेर जुड़ो असतण पतो हेण अस
अहलो नेट बलु सुकसो नहीं अमर सु दल गज
गाढ़ आगैं रिण चढ बणा मार सु रोद चलतै दल
पाटी चीतोड़ साकुर भरदै सु सीसोद भड़ सुरताण
रांण दल भागा हाम हर असुर भांजीया सार सुमैं दला
नजर तद आयो अस नीलो कमधज असवार पाटन
तार अहस पाटीया भार खलगां चर पाट भलु नर
पुर तणो बचनह बाहे। बसो आसुर पुर पण दे बलु
गीत:- राणा जी अमर सीध जी मैं:- पत साहा हुक अमेल पर
हीयो भरो आसु तन अनत वभाड़ अहमर अमरा तणो-
सु गाऊ हत ध्यारी आ तणो यो द्वाड़ अनमी अंच
बीच अधर पतीया बाद साद लागीयो बाहे नाना
गखहा बाले खग नागे राई तन ढाको आरहै रजवट
चाम तणो खबालो असुर पाखर धर धुर धर
अंस आंच राण हुक सु बाहे बीयंको जण धको वंस
हाथालो आज सावतह सल ।। गह बरो आभरो आपु
डर खुद खड़ गहो खोमा जखाया सुकहो आ दीठो ।।
गीत:- राव राव राजा अजीत सीध जी म खड़ीया हुकमी चंदजी
रो कहीयो:- रीसथारा बरै गर्गौ तक्रया रावरै दनैत
सोहै जोध बलो राव रै केस रोह जोम त्रलोक रावरै
मक्र केतता अजा हेतम सुमेर रावरै अजोरा अजारो
रेम ।।१।। चुजर करो चुरतो आता पसु जला चार पेनु
माण हजु हेण जला चार पार सद्र जु मुबलो
चार पानगो कवर रहो कला चार बला बंच नाथ
रै कवार ।।२।। ठीस जोहड़ बी मुनी चक्र जो दुधारा
वालो खेगोल सुधारा वालो पौ होण हो सोल सुरबो
कुधां रा वालो रीभं बै धारा वालो दीवाण कुधारा
वालो खांह सीदै सोल बक हुम मेधा बीज भेला

भारती कबीम भैला लोह लंका ग्रासती कसो समीर हैला
कांम रूपी रुजो कुजोला अहो सतीक बैला रास नास
तीक रैला रास तीक बीर ॥गीत:- बगता वर सीघ
जी मैं सहीत्या कुरमी चंद जी री कहीयो गीत:
गढ सनाद पंभ पुर मुर जाद देभत गतरी महा बाद
मेड पखतरी मीच रमर नर नखतरी नही जेम
आगरै बखी करारी जर्न गर बीच॥१॥ बाद सखबरा
जडू पटण पह बाजीया गाजीया बदु नर सीघ पब
गाढ जोध गज सीधरा नणी जुध पली जम दुक
कौता तणा तणी जम माढ कमंधा पत कुरमै पती
कमगां कलह राध नर लगारा रागा कुजडी हद
जडी सली बरल कुकर जम माल हर जसा हर राजडा
कुंवर सुजडी यही रजपुत वट जुध कपट दलां ना
कपट खल वकट दाहे जरथ धार तैज पब सांठ
हैथ जांणीयो मगा वल दडु गढ लोक मांहै ॥ गीत
गीत:- राजा कुंमेद सीघ जी मैं मोतो सरे कहीयो:-
चोडी करारा खुरारा जेना टरल मगो मायो मीच्या
जेत जेमा ढोडी नली सरा कणी जात भामीह पालौठी
कोल धापणी सीसोद भुरा हाथणी जै होडी चोडी ठीथै
पात हुंए, पातरी खला पोजी पवेरे गात, धरै पाव
लखै गापी करै पता हुप वाली लाज, धखां सालि
ग्राम सीला चाढी खांतै केथ चापी राजा अलीह
तुवा समां पीबाज राज॥२॥ चपां कली मुखा कांन
केवडा वाल धो चोर दुरै अखी गाम जोड पातरै
ग्रहास॥ चका वैस फोल फोल स्वारथी सबद धुबी
बबी भारत सनंद रेहवी ग्रहास॥३॥ बीक्रम करन भोज
जग देव रेण बारी धारई हट खसंदां भारी कुरंद
गमैत भारी पाबु कल बीन चारी भोज बोले
भोज करगा सुमेद राजा कुबारी कमत॥४॥ गीत:-
गीत:- नाथ जी मैं जुनो गीत:- राजा धंल सम क्रा री
ओरोल बटीयो जुग बह ती धाम जाग सैत कसोन
खग वटी या ॥ कडी अरसर वाही के काठ॥१॥ कुन दुजी
जोडे कल मोहे अरसडो भड पाडे अंबर लवरा पाल

सीस सराहे, सर, तुटै वाहे, सम सेर ढालां गज ढाहे,
ढुढाड मड चाडै आवीचां मलार॥ सुरत को परवाड साजे
तुटे सिर वाहे तरवार काया पहल लीयो आपारो, आोथो
सत्र वट आदेस नज माला कीयो नापारो, धागो माहे सभो
गीतः- महाराज रिण सीय जीमै खडीया हुकमी चंद जी रो कहीयो
असभ सुपटै कोय जल साह पुर नंद सटक धरे रज वट
रट कव कम वण पेट कलह कालार अण चके फोजां
कटे॥ कटै जिम जहा जाज लाला फेट॥१॥ धरण नेज
चांम सल ताव कर वन चरण जोध सवरी वरण करण
कुण जोट पटा कण प्रसन मिल तांम गज गल पडै
चल पडै नाव गजबो गिरंद चोट॥२॥ वीर वह चुनो
नभ माग उडता वरण सला हल अरण खग आग
जडता चमु कुचेत नंद अरिंद अडतां चकै पोत अो
धर अनड चके पडता॥३॥ गुराबां सटक तट उत रेव
कट गत साहे पुर दुरग धट अधट सामाज नर भोयो
सरद सरडी कुल गनहो मेर गिर चोग रणसीय महाजेग
गीतः- ......सको वाज नीसांण सेख भेर जालर सबद वेदनज
धर मस सत्र वचांण सजे गट गरंद सुधीर कुपा पाया
पायो आदेव तां तमां फांण॥४॥ चरम हिंदु वांण खेग हाम
खग चारीया धीरपा पर सादक गज कुपा पै अस पतो
तणा कुल देव कुपा पीरपा आपरा मांडी आदेव आयो॥५॥
जसा वत हुरे अवतार आयो जको अंदर नितेज जाल
हल अकासा पीर चोहीस अज मेर होतां पहल वसा
आ कोड ते तीस वास॥३॥ धणी रे हुकम आयो अजो
से धणी मुरड पत साह सुकुरड मामा चरम बित तार
पर साद मंडप चजाण जसावत कीया सुर पानजाम
गीतः- राजाजी प्रताब सीध जी मैं कुवर पणे नाहर मारीयो
भाथ मथा रांम जी रो कहीयो बागा दुजोंहा कुगते
भांग भाडी अो गोरदा वचै॥ कोचगी कुरेडो अोकीर
दातोड मान्ही असो आप मतै धैजी सोम अंद॥१॥ कान्ह
प्राग नाकारी अोढे हरी देखतां कांत सुधो लाल कारी
सोतै हरी झंप रसिंघाहा कारीयो देहरी छटे तजजडप
केसो वाकाहो अोके हरी क्रमच नेत वंध॥२॥

आवी सोच लुलां चखां कुजास साजाल रो रूम भुत नाथ
भाल रावा लरो पंड भुप जंगन रावाल रोद आले
तुहीरा अचजादा सागो पुत कारो लंकाल रोस उप
भस मोके वांज जुड़ ठावा पटा देत भालो सारव
तीजो जरा वाली खुदवा अमोद कोच्यां रीस आवो
आो कुठ वाजांण चटू कालो फटा डुप रतारां वणाव
कोच्यां दुठ नुरच तारा आपो आजामु दोय हो सजु
झमता रो तमा सो भांण आभ कुमो जुट बोय तारो
नोदु पारो जोम जोय ॥५॥ लोच्यो धाव वदां वमे ताव
मे अवसाण लाच्यो इख तवा फतो पणे दवा
च्यो अबोह आव चोक आरा दोव सेतरे किव आच्या
सरचो वर देस रेबडुतो रूम सोह ॥३॥ दुपा पेख
नारवो कोत आपांणो आो बोद केल आसोस देसु भो
आंणो आो चैन अंग वाच्यां वरां रोच्यां लो वारवांणो
आो राजा न बोजा आरवेट रमं तां जमो तणो आे अमंगू
गीत:- माहा राजु प्रताप सीग मैं:- कहर कल कलै कोप कर
माल जालो करण च्या अवल प्राजलै कराल च्यांण
भुप पर तापर कठ लाभ लहणो डुप पाला गरंद गले
असुरांण ॥१॥ रोस रंग अब उण कुलो लख गज गर सम
जण लख वस मज लखल कमंत जोल पतो सोसम
तरण तपत खेतेज पुज तु सारण मटै चडः न वातोल ॥२॥
हलै जुध तेग तप मक खण हजारां चंड तमर प्रहार
असरु चोजां धंभ होद वाण जेठाण दन करं पटै फटै
वर फाण खुर साण फोजा ॥३॥ तेज अंबेर प्रबन तयात
मड रांण तण लोल वार तणा अंबर मरलोच रुडु
वरफ गाल चडः अरद अच्यो आमणो कोत नंद
नरंद अंसाच गांमणो कोच ॥४॥
गीत:- राजा जो वादर सोघ जो मैं कवोया करनो दान जोर
कही आे गीत:- कारो गरां वणो रसरंगा जुहरां पे चाहै
रा कणो कु फणो काल ड़ो नणो तरगां अपाड़ कोच
सोसो जलो सो वडुक सवा सावेस कुदां कुमंदा वढ
हेर सच्यारे करां वाड़ ॥१॥ अकालो दोयणा मोच आ
पान तोर वाला साइय ॥ अतलो वलाण आपरां सरोर

करालौ बदन जसालौ अवतार, महा कालौ बकरालौ परतालौ
डाव महा बीर ॥२॥ दुबारा जमावै मारु पावै फलां कुल
दारु ॥ पंच कालौ लाय तोड़ा फुका वैचका सकुमला नेहां
धाती पचावै चलावै आचां कुमेत बिहंगा कौलौ-
लगावै अकास ॥३॥ मोर जौन तालौ पाय दावा दारां
छुटै गाढ दूस रालौ धाजेत चढाव छुटै सरी न जालौ
टेक धाती जै जतै छुटै फोलदु र जालौ तालौ टेक
बाजे गजैते छुटै दोय तीन ॥४॥ तीर दाजां अचुका अदे
सी आराजे सतणा सोस गजा मुखा करै अरवे दान
सार उड़द चंडी आराधनी जोका जम मारु रुका साम्हणा
वदु काजो कादु जोमा न सारु ॥५॥ गीत:- हाडा कुमेद
सीघ जी रो:- वागो रै राका रचाका क्रम पाका माला
साका बंध नाद धाक ड़ा करोड़ गंका काने हाब पाका
बांद जुध जोमे हाकले कला का चोड़े डाकां नागा
मोको आवे डाकां हाड़ै राव ॥१॥ बागां फेरी सबेरी
ही खेरी सम सेरी बाढां करै री आबेरी फोजां घेरी
रेण काज ॥ लाखां दीठ आधो रीत मेलो आ मजीठां
लोहा भेलो आन बीठ काढो दुजो लोज राज ॥ तालौ
टेक मालौ नाचो प्रेम धाको गोपी तेम ॥ तालौ खुलै
कपालौ अतालौ वार ग्रास सुर मांढ़ कालै सारां कुम
रांडे जमां सोस हाकलै कुरमा बीच धाती सांहो-
बास ॥३॥ धुम राचो सराव रांड मरां गेम रांचेच ॥ उमगी
मासरा नमा कुचारा आका अहे मराव मरां बाचे मेलो
आ सेभ राहाड़ै मे धामम राचो भड़ां सांड मरां
मारु ॥३॥ तंमां बीरचं मोहा कड़मा रोड़ मारु ते बी भुड़
मा को भड़ाक प्रचंडा घड़ा नेद रेण जामा भड़ा मोबे
तुमां बोले हाडो राव आमा सेड़ा बागो जामाध मां दु
उमेद ॥५॥ मापे थोड़ त्रां बागलां घोलै दौड़ खेल माती
लड़जा बुधारा सौड़ भोख लो भाराथ भोक पंचला कोद
कड़ जाहा तीधी कजाभा ॥ नारा जांच चलाको जो कड़
पां बला नाथ चोचटा धुमटा जुध सुभटा है लटा
पटा आढ राव कटा भटा पढे टेके वांण खेगां
अोर गेध टामै उलटा पलटा खेलै नाहै जटाजुट

३६०

पटा चारा मरा मांग ॥८॥ कौंढगी निहुगी तोल दे बरै पणगी
बागा पुल पोल रंगी जंगी ढोदां ~~खिद्रगी लोल~~ भुला
चुर साड़ तो कनगी तेगा पुगो पांच रेगी अंकत पंगी
बीर रंगी पालुरंगी चड़ा पुरे॥९॥ दुड़ मुड़ा पाड़ तुमां ढीली
पाजां जांगा रेण चपाड़ पाम मास कौ पाखै चाड़ चाड़
काड़ खेड़ा मुजा मड़ा सुमाड़ मर पाड़ मड़ा ईस रीसी
गजा पंमां लेगी पौकु पाड़॥ जे पोम पराबा नौसांव
बाज भुज गांम कुल भाजै, का परां कु ढाजै उकां जोख
सेंभरी तो खारां पो रैह रोलां पंदोला सारां ढोह बीरां
मैली पाढो अणा पाढे ढोकु॥१०॥ खलकै जरढां मड़ा रलकै
पाखरां खेगां मलकै त्रभागां कुल सुरा पाप माय बागा
नागा खागा खेत पाभ ~~लौह~~ लागा नैत बंधी॥ राजा बाल
भांग जुध साजा गाढै राग॥११॥ पांण का बीर नांढ ~~सरभ~~
रांमकां रण कै मैरी प्रात मार चौरी चड़ा माहै पार
पार गांजै मड़ा बंकड़ा नम जेनला पोल गांजै चड़ा
कुढा हुड़ा मजे मंजै सार चार॥१२॥ पल पारीयो खेभारी
बला कारी पोल पंजां बजै कारी कला चारी चाढै
कुलां बांन ओण मै मकोलै पो पचधा॥ पाचैर रोलै
पा ~~सा~~ पो तोलै पास मन ॥१३॥
गीत:- जुनो:- पोह पेन पल दल धंडन पेसे गरज पीयै गै
जुह गढै पड़ तगा पत्र गढ उपर मुगर मैड़ पड़ मुजा
उड़ मड़ ॥१॥ गर पालहै गोरी दलह गाहै ढाई सहला
बाहा दर ढाण, लाखम सी पोत तगो तन लोहा पड़
पखुरे पोः पीठांण, पालम सेनप पोसाह पावह पट हल
फौल पठांण पड़ पाड़ रांण तनौं घड़ मुमै, पांमरे
पाल न दुला पड़ ॥३॥ उर वरण पोहर्ष कहो
पर ढीपो, नमो नमो पतरंग नेरत, जावे नहीं
नामे जग जगनपा पड़ी पोतो पडीपा पंड बेस॥
गीत:- बजा सर वहीं पा मै बार दुसरन जीरो कही पो
कव साची कहै कहै कुड़ी कव कवहै खाण भुर
कहै सबदो लगे कवर हर सामी सुपह बड़ा बज पा
सहै॥१॥ ये बजा पाल तोल पगलुणी सांभल दुजा
साल सुजाव माढां तगा सुभा बमा मा ढालै समहै

समदां तणा सुभाव ॥२॥ तोइ पंछी यांन बेर, चौतर वर मडै
मीलो पंछ भजे डाल ॥४॥ सै का राचै वरचै सबडी पातां
नइ बरचै बज पाल ॥३॥ पाभु माध पनग पखेरु कनै रहतां
गुनो करत साहब श्पगर सेवगां सर वर बजो तरोवर नइ
वर चेत ॥४॥ गीत चांदा सीध जो सेवा वत में सडोरपा हुकमो
चंद जी रो कहीरपो:- हेला संघ जी श्पाग धीये कै श्पाचहु
तहीलो लीरपा चोस रंगाये कै जो बोलो श्पा नाग चोस
सुरा पतीये कै वज्र रो लोरपा पहाड़ सारा खला हु तांली
श्पाये कै चांद सीध बारखो सजाम गाज गालोरपा त्रहुट
बासी गजां चील जालो श्पातार, कीते जरोस कोम खी
कुल सा श्पद खलोरपा गीरंद काला बीर, सेवा तणौ रेमा
रालो श्पाब चुस ॥२॥ तेज हाक मुनो पुर पाधी दपाडी
सागास नागंद ताडीरपा करब गेंद बाध नैत पवै पंस
भाडी श्पावर जा वज्र बोम बार पला धार दुजे दलै
बिभाडी श्पाखेत तोय धामु नंद रेद बचै सालं वैन
ते दई दुठ धांण बचे गराजु धाण रुपो बहु पांत
त्रहो बधा चंद रांचा साल बोजै बीर खगा खादा
जैन लाधा बोम बीच ॥४॥ गीत,-
गीत:- श्रीराम चंद जी मै श्पाट कसब जी रो कहीयो गीत:-
रता पंडगा घटे कन धोण भीषम सटे कुलटै गुलर
येलो हुलाल तोर है भीर कज साथ धोमद तठे कमघरे
चोर जदु बीर काला हुरपा भारी सुभड रामें माढ कहलो
श्पोप वचला चला रचेत श्पसाद लीयण असना कला
चोवलो तु बीरपा रखी तण फूले कलार मगरा था ॥२॥
सांतरै, झवते भरम छंद दुसासण फेल हुकर रामरो
हमा फर बी ॥ पंच पालो तणो रुक सांभल परम
धरम जालो भलो नरम ढाबो ॥३॥ मणा नइ दुसटै
बाडे रबीचा हाम ली सूर रसिस प्रवाडे तणा साखी
तई समाज पर वधे दोपदं तणी रहै जग लाज
व्रज राज राखी ॥४॥ गीत राव राजा बुद सीध
जी मैं महडु हुर रुप जीरा कहोरपो जुदै चखडा
श्पमोड जोध गुमे मडा राड जांगी प्रचडा है राक
मंडां मार तुमा पाव खंडा चार कुमड चामडा

पुरी बीर खैत रोम धमां सीस मडै रो पंड उरड़ ॥१॥
कुदांली बराला फाला रपात सांकराला कुमैं मेडाला
त्रबाला थुमैं परवाला कुमांण ॥१॥ देताला मुटकै सैन
काला नाग दलों वाला पाला खागहु चकै भुजाला
पाडु वांण ॥२॥ मंड रु कुह कांह कारा मेका ठहका ठहकां
मकां कुव कारत कासे काम सका कुर मेल मै
ढका कटकां ढकां कटका ढका रपद्द कांह लंका मथैं
खाग चकू दुच कामंडै सैल करारा नगारा हुै बरारा
फुर दो दो कारा जैकारा व कारा बीर लोद कुरा
जौम रपनारा रपकारा जोधो धारा पारा वारा खोप
तेग धारा धुबै तारा साह पै तैम रपात साव धुला
पे दुर धेह मुर दो कुम गिरदां पाकस लागे ढहीव
गिरंद भारो राम कुजा खेत मारैं चोम हारा भांण
पडु वासे वाय कुडै छापा जांण चंद ॥४॥ पारवरा धुधरां
रोले धुमंतो चलो लफालां जटा जुटा रपल समु
गटा रपलकां छुटां जाग जोगणी कलकाना चेका
ला बीर सुधो जांणै स कोना चेपे मद्दकी गोपो
कान संग ॥३॥ बागै लेगो वंटा मटा कुलट सोण
टाबटा सांबै गुद गटा गटां पद्दटां खवीस पाद्दटां
व कटांर मैगे घटां रपद्द कांटां पटां सुभटा गटं
पटां गखटटां सीस ॥६॥ व रपमाबे धाणा पडां
कोमडां कुडडा वाणा पेद्द डाहु उडां हु विद्रमाकेर
पीडां हामा गाढा फम बाजौ भुडडा व खेड़ा होदां
रोद चाडां जाडां घडां रपडां खेड़ा रोकु ॥८॥ हरप
वचत्रां नेत संतु छत्रां माथे हुच ॥सार हपा चां
पपां गलपां समोर समपा पारपां चबे लुथ वथां
जुथ सिधां धाडु वाण चगपां भाराथं चोकु बोह ॥
काहुला त्रबाला रोडै बीधोडै मचाला केचु वरा वे
सजोडै बला रपद्दर सुबेस जमो भार छोडै सेस
हार धू मेडस जोड नीमोडै दले सचोडै समर
नेस ॥१०॥ मातंगांचे छोहे समोहै न द्दगां मेलेलाज
मोह पंगां धरोह बिमाग सुरा संगा रपीलेगां रपद्द
द्दगां सुरा मोहै ॥ खतंगां तुरंगा छोडै सुरा साग ।

ग्रीध्या पथ अत मलै लाम लोमै मंत गुद, हलै पत दंत
अंत उखलैर सत मेलै इस सीस-हार अघराव्र भलार
मेलै, मेल॥ सार जादा सुदां आज मां भोसत॥१२॥ जंगां
होदां रोदां मेघा उंबराउ आै जारै आड़बरा खेत
छत्र चमरा, अपार बिंदु राहा जोतै बुध्या सभरी आ,
छत्र चमरा अपार बिदु राहां जोतै बुच्या समरी आ
जोत बाह दालो पात सार आयो आल माडु बाह॥३॥
गीत:- हाडा चत्रसाल जी में:- पेड़ बेधां पतसा हद हुवै दलो
पाचरै॥ सार बहतो गयो सेन सरदार हुवो असवार
चार सतो घोड़ेह सत चरा भाजै नहीं बहता चार॥
एक-पत सार लड़ता पका आगे खेत तज राखहु
पत सार खड़ता अभंगो राव गज बाहणां कुतरे॥
प्रपो बाहण कीयो भार भड़ता॥२॥ हो-अचल चलै
बचालद लोद लहा लीआ नाप रोदु वेन चलै असै
नाम तजे आसण गयंद जांण चलतो तणी कीआ
आसण अचलव चलीयै काम॥३॥ देव रथ अनै गज भड़
जोरथ कुनीरा असो प्रबदु अोरथ त्रेदु आधो भोम रथ
चढै आपो अरथ भोज हर चार जुगन पोर धकोच
पोधो॥४॥ गीत:- राणा जी प्रताप सीघ जी मे:-
गीत:- बिजड़ ताप तो नमो पर ताप सागा बीयाजगत
पा अगम गत बात जाणी कहर राणा तणी बारमभ
॥१॥ उद वत जदु
एकठा प्रसण राखै नहीं रहै सपाणी
नीयाण सोह उपरा सूर रोता पलागो सबांही हस
राखै तीयां नीर खलगो हुवै नीर राखैयां हस नाही
कीया खग हात दोदु राह भातो कलह पुकला गोत
त्राण्ण दावै जीवरी आसजे पूसण नहु गहै जल
गोल गहै प्रसण तो-जीव जावै॥३॥ दई वो दईवाण
कुंभ कने कुसरा चाय गुर आप रहै सचालै राण दई
वाण परह लागो रेमा हसजल जुजवा पथ हालो
गीत:- माडा राजरा जी मे गज सीघ जी मे मोती तर-
चुतरा जी-रो कहीयो:- कुर खेत अनै बाण रस
कलया चारां भार उड़ाडे. चीग खादो भीम
अभारै खोहण सो दुज भीम खादो गज सीग॥१॥
सुज बल अनैद जो इण जोड़ीया दाव खुरम

जाहरा गीर दीयो मड़ो वरै विकोदर नामी करंत उला आच
वरण कीयो बंध वा बेध खेध पत बेटै खेटै धरती
तणै खरै सांगा हुओ साधीयो समहर हुवा चूक रैण माल
हुवै ॥३॥ पोरस प्रब भतन मो जोध पुरा बडो प्रवाडो
भुजा बणे अमरा वत भड़ीयो आखाडै गजडा मुघ मै सूर
तणै ॥४॥ गीत :- करनी दान जी रो कहीयो गीत :—
मरण दुह अर सुजड़ लेत्र वाट कुल वाट भण॥ हात
धर तणे धर आपरै हात साथ कमन तणै खीमै हुर
प्राणा सती॥ सती फुला हुई देव कन साथ ॥१॥ विषम
खग वगे जम दाढ़ सगे गला विच विषम झलजमे
पथ दगे तण वार सील गेज सार लार भैख सुता॥
लगे पीपल सुता खान रा लार ॥२॥ दडु पुत्र मेल झला
झेल आत सद मुग काय उबेल लाल धन कीयो दडु
रोहड़ मरण साथ बेला दहयो दडु खडीयां साच दीयो
भूवा प्राणा अनै फुलतै भतीजो॥ दडु सतीयां करे होमै ॥३॥
देही पत तणी लार पावक गणै पाणी व्यासाद खडीया
णी या रीत राही ॥४॥ गीत नाथा वत जोध सीघ जी मै
खड़ीया हुकमी चंद जी रो कहीयो गीत :—

गीत :- अो वाणो कपड़ो सतारा सेन वालो चोडै सत बोध
हुक तालो वाणी चडी है कवज्रा राह नाथाणो जोधा
वंस तीयो जोड रालो नेत नेत्र रोहे कीयो वधेह
रोलां नैवार ॥१॥ चडी हाक डाकर वेहे जमारु चकै चोडै
काम कोल दाढ़ चकै भुल चकै केध जडो भार पड़ता
भावेर आडो दीह जेम बीजो नाथ जुटे ये फोजा लोडो
नेत वंध॥ कोम डमण के चीला संग के साच का सोझ
सनाहां कां केकडो कई जोम खात॥ कोह भाला
मथै डाक डंडा लारणा कोड बीर काला मथे केही जण
के बोगास ॥३॥ तेज जेणां तार्कै हुवे बाम बार त्र बीली
कै तुरी, चार गास चोकै तुरी अपगा आग है चीरे डडां
नाग काला धुप हड़ काला तुडी चोकै रैरणो कराल
तुडी रोकै आक्रा रीड ॥४॥ गीर दंड कोड डडा रोड धुन
गारी गाजै, भाजे भीत भारा, सुके कायमा भाराथ ॥लार
सीलड़ सेसार धारा सुत नाग लाजै नाथ सधारा

सबाजे नाथा वतां नाथ ॥५॥ आली सोनबो आलेत लोहबे
सवाला कुडा मालाख गाजे हवे सवाला तोका अंड बिमांण
रोहणे सवाला बोम लोका बोलो मोहणे सवाला आला
डोक राड डंड॥ नदी भुत नाथ नोन पाड चारे बोर
नटां कुका हुत राड गाग चाड कोप रोप, कोपा
रहटां जुम्भ बटा घटा हुड केडो, जोध मार हटां
पाड पर मडा जोध॥६॥ हाल आल भडा घडा रुडा
कीरपो भडा बडे॥ दूहे बजा बांण भडा वडा बांण देक
सुरचो बांण केक बांण गीर बांण सहै॥ लहे गीर
बांण दुप नर बांण लोक॥८॥ गीत:- गोपाल सींघ मेडतो
मै डोडीया राजपुत रो कह्यो:- मृत पडा करण सिमा
दापा मारण कटका रह टक है बोयां आल भागां
तुम्ह तणो भण आरे गोपाला न करै गोपाल॥१॥ सुर
तोणोत करण जुध सबलो सबलो सन्ना उतारण सीस
मुडीया तुम्ह तणो मेडतीया दुबीयण न कहाडे जग दीस॥२॥
धन मुडता जुडतां धाबाहै सरदारां माथै सम सेर
मरण दीयण गज गाह मंडाणो मुडी धोन कहावै गर
मैर जैमलह राज सै जांणता॥ साह चप तो दुजो
धो-सही वहे मुवो आग लेव पायो नीसरीधो वाचो
धो नहीं॥ गीत:- दुग्र सीघ जी पापावत-जल चे
चाढण नगर चरा जोधांणे दल रांणा कुल वाट दल
रव दोतणा खांभो यार महां दह बारी पा भीया दल॥१॥
राखण दुप बडा राठोडा चीतोडा दाखण ~~बढ~~ पटक रणमल
पाटो वार रोडीया खेलमां चासाये कटक॥२॥ जदार
रावडा प्रब धाखा पाया हद तुठां परम मह राखो
हाडा मेवाडा सघला पाहाडा सरम॥३॥ सोवल तणा उपरै
सोरा दुमै प्रवंग साह घड आलै मरण सिचालो
कीया सुदीया पुर वाले धनड॥४॥
गीत:- रावत केसरी सीघ जी मै:- सुतन मडीधो भारथ करण
गाढ माथै राव जग नाथ कुरणाल रीत गज चल राम
तणा माह वत गल चल्ह राढै वड चीत्र॥१॥ कोट
चही नै राव केहरी मलो भडा तल खरा मील
सुज कोम रहै भाग तैसी चर पर हल लरव

तणा जीम पीलण चढीयौ जतै भलो ऊच गतै सींधु
रले खत तणा साभाव कोट चढी नै राव केहरी काया
पालट कसु कहाव ॥३॥ भागो भीर सरीर भाजीयो भीत
चीत गज माहवत भंग मारु रै राव दीयो माथा
सुधीयो नहाथां सुद रंग ॥४॥
गीत:- राणा जी प्रताप सींघ जी मैं पीर जी आसारो कहीयो:-
खटकै खग बेंच सदा सेहड़ तो दल पत दाख भतो
खत दाव अकबर साह तणे कुदावण रांण हीयो परणे
अन राव ॥१॥ नर पाल घटै खड़कै अहनेस घड़ दुर
बैस चडै घण चाय सांगा हरी साह आलम सुपनो
रैहै महपत अन पाय घर बैहर पर ताय सड़ग चर
सुज बीस रनर पाखर सर अकबर कुवर माल आरहे
आयणै सेवग भुप अनेक कजा राव हीदुवा अने राव
रव वदा॥ राणो आपांणो कुल रीत पडी आरहे अवर नर
पावै चलोओ कुंभ कलो पर चीत ॥४॥ गीत:- राव रैणे
राजाजी मैं महेस दास आरो कहीयो गीत:-
गीत:- रैण बांण घड़ड़ गड़ड़ घुड़ रैण तल चड़ीयो राव
असो तई बांगे मुले बेरीया बनत ग्रभ सरो नाम
चवतो गई ॥१॥ सुणो अवाज गाज राजड़ सुत खल
आ महेला ले रैबुमुर खड़ पमै सके नदी दन पुरा
~~पुरख~~ पुरख सदुराप का पेड़ ॥३॥ घर घुड़ घुवे हुये घोम
मोनल॥ कल दवड़ा लगी नह काय राजाय॥४॥ अरु माल
बात पात आबु पो रवीय कोईय सीक पात वहै
दलोये प्रलै वले गाबीर॥ रैम जोरु बाजड़ा रहै॥
गीत:- राजा प्रताप सींघ जी जैपुर का धणी मैं खड़ीया हुकमी
चंद नीरो कहीयो:- रता ताली साखु रीया अब धारी
साखु ठीया डाणा मता रोस तारा साहु रीया गोण
माग आहुड़ता चोड़ै चवै काला नपो आहुरीया पता छत्र
धारी वाला जुरीया पै नाग ॥१॥ जो महु चाया गाला
गा सुड़ा दड़ा उछजाता बामहु रवीलागा रवीहु गाजता
बबाड़ पैड़ा सह जागा नीर अइ सावह तापर
वैडा जुड़ बागा बीर भड़ साबे छाड़ ॥२॥ बीर दार
चाडा भैडा भचाकां भसुडां हुता पै बेड़ा

मचा का वुता लचक्के पयाल अनमे अोनाड़ जमींद ढाड़
नरेस वाला हू गमो पहाड़ काला ~~कु~~ — झुचके रंताल
दूठता डुचारां घावर दाके कर दादूं हू ॥३॥ ऊठता लोयणा
चहुं भारा भीम साग बे वंगी अकारा रोस दुठता नीघात
बागा बेढी गारा मघ चारा दूठता वज्राग ॥४॥ भ्रमे लोह
लंग रार बीठा अाद सलै भालां अखुडांन गीठा चले
चरखी भाराण मातगां खंधेर पीठा मजीठा रदना माती
अाकारीठां माहा चीठा गरीठां अारांण ॥५॥ कोहला गज
दांतरा ताला साम्ह पेटा करे हदा नाग काला साल
पेटा करे हाथ चरखां भालां ताती तेज तुटा बेख
तारी चीडें मद्र जाती जुटा भुय पताल भाराथ ॥
कोप अंगा जंगा राह उत साबे घुटा कना पतंगां
पुत सानु याथ लाहाला पीय बैड़ा जाडी जोड़ जज्र
डुल साक रुला बागा बज्र ताला तोड़ काला भुत ला
बलाय ॥७॥ चरखी हजारां हाक भाला डाक धरां चले
खड़तां अचले भारां खिबुटा खतंग बापु कारां बोल
बोल फोज दारां नीठ बाथा महा जंगा तेज वारीस
भारां मतंग ॥८॥ गीत सती रा रो उपाढ़ रो कहीयो

गीत:— नहीं दाह जोदा मरण वहीं दुनीयां न पट महा सत
कोट तेतीस मेला नज चलण साथ उधार कीधा न
पट बाहु गज सीघ रोज कठ बैला ॥१॥ अपारां दुय
सज रंगारां अाड़चे अगटत जह राजा रा नज पाला ॥
जोड़ रो जास वेड़ा उदुजो जठो चोल रंग बास देह
साचालो प्रथी तेज पारयक चारे धर पीवसु ॥ कुल
भले कुमी कीधो न कोइ महल खालां दसा न कीधो
माहलो अनल भाला द साचा ल अाइ ॥३॥ करण पस उजाला
भलो कुड़ छनयण मल काढ़ समान नेठी साथ रोज रै
रल लागी रामे सु वलण पावक बिचा अाग बेठी ॥४
मान हाथे अवीजा सनानो महो ॥ सलो सुसरो पेड़ कमे
से जोगी घां बाजतां परण अाइ जेका बाजता जोगीया
डुह बासे ॥५॥ गीत:- सुर तांण देवड़ा म अाढा दुरसाजी
रो कहीयो गीत :—

56

गीत:- सुर तारण जतै धमसाण कीधा सत्र चोल पीया रण
म सचर छड़ आरु चरू पाहड़ छागा पेखा पावस भीं
पर ॥१॥ रांम चुहांण वंद रद रावण प्रसण लीयड़ भोम
पले चुत तो बाजु बिहंग चालीया चल वल खनड़
सीरुत चलै ॥२॥ बिजड़ हरा जीतै ऊपर वहीया त्रजड़
मुडुड़ वंध तत पल वर संतो ग्रीध पडुतो भारवर
राता चेण भत ॥ भांण समो भम कलह भड़ता पलं
खल ॥ चर चरत पुज लीया ॥ संला गचण दरता कंला
काला गिरंद लाल कीधा ॥४॥ गीत:- जसा सानीग रामें
वरत का ठाकुर मे साढा दुरसा जी रो कहीयो गीत:
जुग चारख पंगा भारत जोतां राज रने रह तांद
न रात आज सहार कहे आया आ सुना देवन वीको
यो जातवा आहन आहिब जनु आंवीया सुज जांण म दोढ
सह कमला तणो कमल तो कपा किम जुडीयो सो
मुम्ह कुह ॥ मध रामायण सीस लीया मह जंपा सव पा
वतो जीया दुजा भोज तणो पर दुजो काटे कंठन
वांधे कीय ॥ उत वंग यसा आगेहा यांणत ॥ नाप करे
सांभल निज नार ॥ देवण हार नम लीया दुजो सींव
समो सम जसो संसार ॥४॥ आप तणो त्रीप तणो आपरो
भट पट नेर पड़ता भार सिर वहु येज सीचो
सो नगरे दीदा मुम्ह वड़ दातार ॥५॥ गीत:-
गीत:- अमर सीघ जी नीबाज रा धणी में सड़ीया गला
जी रो कहीयो:- मनै सीजो आ स्वाइ होय हलो में छांणे
भोम ग्रह उडे को नाव धतल भांजरो, देहु रा पड़ त्रम क
दे दुनीयाण रो, अमीरी आराव मुड़ जाद हीदु वाण रो
प्रसाध पाड़ जो दुर कीजे धाम, कदे गायां गला हुय
मेला करम, ग्रहण वीतै दुनी मेच्छ आपा गरम, धमल
कुसलै सरा राख हीदु धरम ॥१॥ वकट फोजा कटक
डंक त्रंबकां वगा महीं गढ फंगलै पेख नाल दे
भगा लाख भाखां विचत्र आण दोला लेगा जायरे
खगो धम राख दुजा दाग ॥२॥ नालीयां धोम गोल
कटक नाखीयां खद सु वढ खगीयां धरमं
राखीयो सर मेर कोर कीधो जगत साखी

थो अर साबा सराजा अगेम आखो थो ॥४॥ बीटली अनड़-
चढतां छतो बेसरो राड़ गोलां केलां केवीथां देसरो
दुनो सोर कहे दीसत भौलो देसरो अवर होजे को
पर तप अमरे सरो ॥५॥ गीत:- जग माल जी मै बारहट
देवो दास जीरो कहीयो:- बोजल जुध बहस बला कल
बाहस होये अस पाड़ लगज ढाल मर प्रतणा मारसी
केम रसी जाग नायेम करसी जग माल ॥१॥ कदा हसे
खाग थोदट सो मेगल तुर रासी बरी याम खल दल
खेर खाय जुध खरसी कोर तण कर सोये काम सुजा
हुर पाड़ सो निसाय समर मध वड़ फर सुजाल
बिच्य अरथ बाढ सीके बढसी चुहडो थो कर सोध
कचाल ॥३॥ साखी करे दखण घर सारी पह अच्य कारी
नाम धायो जाणता जुहो कीथो जोध पुरे लोहां बल
सुरल कलो थो ॥४॥ गीत:- राजा जी प्रताप सीध जी म
कर चाड़सेण मैं साभंल आढा दुरसा जी रो कहीयो:
गीत:- अणद जीथा हुरी कुजला असमर चाकर हुवण न चाही
चीत सारा हींदु सथोन तैण सर पातल नै चंद सेण
प्रवीत ॥१॥ पमंग अदग लज साधारे थालग खद्दर खंड
तणो न लागी खेह राण कुंद सीध तणो अरे हणराव
माल दे तण अण रेह ॥२॥ तुरी चे बगेल खत्री वट
वजड़ खत पत दल रहीया अगण कलंक बिना कुमेण
कलो चार बच्य कलो चार कलं कवण ॥३॥ अस बालोड़
हुर चार असमर दीनो दहु नहीयो दाव ॥ रव सरसी
मेवाड़ो राणो रवसर सीहो जोध पुर राव ॥४॥
गीत:- माहाराज कलोर सीध जी मैं खड़ीया हुकमो चंद
जी रो कहीयो:- मेवा तंत्रा में अधा गाव बीराण
सुधी कला माथ ॥ जंत्रा मैं अधा गावैं बजाण माहु-
जादि ॥ अब राव लागा बैच्य कोड़ चखां बीम आगे
बाधे बादला गावै अवाड़ सेलै बद ॥१॥ गोली तीर
कुड़दां चला बंसी क्वांण गोला भमावै भुड़ दोधै
कैं बोदर भर भोगेस ॥ पटा बच्य चारी जोध
चारी नीसवा पटा बंच्य क्रोध चारी धीरहा जोगे
सण हुर चावौ नडका माद नीसणी माद जांद

पुगी तेन॥ चोर डेरु नह कौ त्रबा लाउ चोर वैक वादी
साल मरो दले लोन वादो बादो कवादो बा जुगादो
अजारो कसोर॥३॥ सत गरु हरदा साव दीयो दुजोगा
जी साह चोतरफा बीर मुडा आया चलाय आखो एक
गोलो तेम पाप लोगो जौण यांटै आठ कोस नेण
वाच नोखीओ कुमा पकेपा सले सेलो आम बंद
तोड़ा वांनां करे आसणा भभुत लुट खजाना खलेल
पटकै अटालो मोगा जोगणो ले भोगो चालो दुजो वार
बीर चालो नखै लै दलेल॥५॥ गीत:-
करनो दान जी कवीआ रो कहीओ श्री गणेशजी मैं:-
रावर वट नमो राज सोरठ सांगण डरा पातला सीह
कालो कोट करे केल पुरा दलोचा काई चोलै चोह॥१॥
जगा तणा नाहर जग डोढो आगल गाई चर असुर
सोम अनैर ये बिनै न सुझै॥ चोमा जालो हुई चर॥
मांडव साहित दडीबो मारे॥ वाले माल पुरौ सरबंग॥ भलै
आग सकारा आवै रदीलो आग रैथ डैद वग बल ला देगा
नहो बुझावै॥ बीजा आवै पवन बला॥ माधु पियै नहु
पीठ ये मांनवी॥ जमना अनौहु औजल॥४॥ दस कत वारट
खेत सीरा दै वामै नणां सर दारा चुजैं गणेशजी री
वोम सी॥ गीत:- राजा अजीत सीघजी मैं जोधपुर
रा धणी मैं खडीआ तेजा सीघजी रो कहीयो:—
गीत:- अरत पत रो साल दलो रो थोठम पुरो परख बिहुवै सु
प्रवीत गणो आदनां माह खजोयां गुर जो चांणो लेसी
अग जीत॥१॥ हालो घणा घरा री डुलतो सुर हरार
असुभाव दुणा पराब चारा देसी धाप जसा करसी
उम राव॥२॥ प्रजा नचीत रहो सुख पावो॥ सुख
पावो सोर कवे सुर पंडणो ~~—~~ पी घर रो कसुव पणी
नवी ~~सार~~ सोज सो नर॥ चक्रवत हुसी अभ नमो
चुडो दोहो माहर राजा॥ तेज पुज जे सराज तणी॥४॥
गीत:- मेडु माहा दान जी रो कहीओ आसेरा ठाकुर में सदा
सजो मैं गीत:- पतो नाग राड़ फोण सांचो गुणा आग
राड़ पोथा साह सोक दोथा पाव पागडा सकाज॥ माईं
सावला भुजा डंडा भालोया खलां माथै बैदो गाजै

सुखा बीच कीन्या काज राज॥१॥ गढो ऊंचो सूबा भांण खंड
चोप टेल ध्रीधां वंको दुज टेल पाठ बचायो बीरांण
उज टेल परां कालो नचायो चांम ऊ कालो॥ पटैल
बिरुधा मारु रचायो पीठांण॥२॥ भलकै सागड़ां कैं मुराड़
चकै भुत रासा थिर दांच्यां गड़ा राइ रत रासा अप
अठीया अपसाड़ चेला खागड़ा ये भुत रासा दुको चारां
गड़ा जेज़ दुत रासा रूप॥३॥ जलो बोल प्रले कोह वजे
बीरहां कजे तो कंजां खाव कबाक पंतो सचां कद
चार॥ धजै करां अचरो कलकै तेरु धाकले तो जोग
करे उरु ऊक देतो जरा चार खड़ खारहा दुप खह
खिवांण खापा सार जठा भेड़ माथा पड़ै वज़ सोह
तेपा चार हटां मोतीक मेचादु चकै तातो बामा
वंधां मारहटां मातो चका बोह॥४॥ मजो लेण भणं
को वजाइ बैठ राव भुनो साय कासंण काज दुज गाइ
सरीस तो लंटका पाले पाय सा बात दगाइ तोयां
कना सांठौ लंका लाय लगाई कपात॥ चां वहै
भाल चोल बोल कोला वज़ बाल कासा॥ रोलै मुग
धाल का साइ बोला हरीय॥ केवाणां जमकै कराच्या राजे
पकाल कासा दमकै दुधारा दीप माला का सादीय॥६॥
लंग रारठ गंजार नागेस नमा बैलागो रा मांधाट
धंराबा जमा बै लागो रेण लोहां लुपछुपां कुपो गनो
मंरमा बै लागो॥ माराथां भमा बै लागो गजां भीम सेण॥
पेलो चढ़हैत सो को खल गोज बोहो दां परा जावै
जोक पटै तकै हरो कोसी जोट॥ कठो तैगां उजा टेड़
रचावे गो हरो को सोचा लाग रा बतावै तेहरो कोसी
चोट॥७॥ दुवै बाव ने सबीरां बोखमी हकार वाड़ो चारां
पार वाड़ा सरां साबलां सचोम॥ सोधु राग रेड़ ते
खादुटे कै संगार वाडा भुटकै मेड़तै मारवाड़ा बीर
भोम॥ हगांमी सुपै सेह समोहता बारगां दुरां॥ दोम
जा दुरदां वडा गोहता दीवान खिजाइ साकला सीह
सुदीया सोहता बागा॥ जुदीया जटेल नागा नोहपा
जेवांन॥८॥ कालो सत्र भरे खबै चरा पंभ कुंभ
कालो॥ ह काले दवालो वंचा खावचां हबेस॥ चाव

सोण लालो पेट लेण भुज मात चालै गुलालो बणाव
कोप्याह कालै गुणस ॥१२॥ अपांण रांमरा बाण भो सरां
घणाय मुहां खेडे च बैठा रूदलां जफणाय खीज सधायो
लुणावै राणा जम बीर भद्र वालो ॥ दुड माला बणावै
भद्रं घारीज रीज ॥१३॥ चला धाम द्यावै उमै गरदां बगुला
धावै देम जां दुर दावै कराला जोम दीठ ॥ घावधा धाकीयां
जडै गुमतां तमाला धावै राव ताला डेम जोरू खावै
धाका रीठ ॥१४॥ पगो उबार कां पंगो चौडाड जोधाण
पांणो मार कां पोढा भडा पोढायो समो चला सांम
धमो धुप धार कां समान अगो बीजो कान पुगो
बधार कालो बीच ॥१॥
गीतः— राज राव सीग जी रो धाढा पाड खन जी रो कहीसो गीत,
दुहाः— रां साग्ज पुतो तणा ये साचा येड नांग भास बेरीया
खाणीया ॥ जावा खाग प्रमांण ॥ गीतः- तमै जोगणी माईस
संमै उमं मै पुरी वेताल घुम भो प्रचं मै पमै उमं मै
धा साड धामै जडै रो परव भुजा उडै ताली धाभ राया
सीग गनीमा सामडै चोडै राड ॥१॥ खतगे कुराट जार
बजो राठ रोक खगै जगो पाठ प्रेत कालो धनाठ
जुयण साता रड जार धाठ लोह लाठ पाया सजैरा
सास तीन सै साठ नीमजै धाराण ॥२॥ सण चडी
पयालां नीवाला धोधा भकै मांस दुंद भो नीसालां
तालां मुसालां जै देठ दुभाली बीलालों जोलां धचाला
दखणी दलां दुक भाली जजा लांगे ढालां मा तो रीठ॥
बरालां करालां जालां धतालां खेदुरै बाण तड सेत्र
पालां मडै बैतालां तमास ॥ मदाला दंताला काला ने
जालो सुडालों मापै बांध चालां कीता वालो साच
है बांणास ॥४॥ सीगो नाद रोडै चुसग मोडै धडगो सेल
चजां गजां होया तोडै सुर चीर सात्र चंवी घोडै
काच धरोडै दुसरो सीग ॥ जगो होदां मोडै तोडै चाकेर
जंजीर ॥५॥ प्रेत भुतां जोडा कहा कदुतां काले पोरां
ता बुता सणा रहै लोहा जुला तमाम कटारां खजरां
दुरां केमरां दुधारां कुंता सुर बीरां रजां पुतां घुमाये
संग्राम ॥६॥ रणा वरी जापो माल धवरीस मपा

राखै लुप बधां दुबैठ समधा सुर लोप भारथां रावळा
कथां पथां जेम वाघ भुरो श्री हथां पछटै खाग दुजो
चंद सेण॥८॥ गला गुड़ भखे गौद उडे के पगाला ग्रहै
बाराला से लाला भाला पेखाला करद सीगा ला गाला
बाला भड़॥९॥ अद मैं सार दुताली तमा लाखाया मदाळी
दुरद॥ मलके दवाला सेल संपेखे भांग परांडु लासा
हासा नारदां उमा सरा जरो भरो सो जसो जाण
ताग खेड रासा, उमै पासा बगाली, सालो लोयो पाका
स॥ कायारा चमकै जाडु कै चौकैय के जोड़ सुके
कंद जंबके वह कैड कैवड़ कै नजो॥४॥ रोस मैं भभकै
छकै भाला नेग नीमा रोलै रटके भटके बागोह
केच के रोह॥५॥ उथडी जरदा कडी खडी चंडी खेल
डखे रथा चंगी भड़ा भड़ी वरे सुरां रंभ साकडी
पडता वडीरा कडी वजावै सार खिली घडा घड़ी
कौरपा भाले पडी लेभ॥११॥ लाजै खोग जले चंडी
पास मांनी धाजे चौत जामै हेत वारा नाव रे
सुरां जोम खोट पा मलु खवा नागा जैरा पांसीच
उभो देखे जोम भाजे पंरी पसाजे दनाम॥१॥ लगे
लोह खगे पुर मेरा जमीते लोटे ढले करी
नेरे जाला मेजा ढाल' पाय पाण ही तेरा सोसला
सापड़ भो खत्री वीते जुध पापो पटी तै खुसाल॥१॥
पोसे खोब चारां चंडी पाभं॥ खां पहर पेस तई
जै जै कारां जपे सादडी॥ चत लागु वाह जारां भांजै
पावो पो चगारा लागो बाजता नगारा रासो रोज रै व
चत॥१४॥ गीत राजा मान मैं जुनो:-

गीत:- गो राजां नाद संग जागा जै॥ सावलो पो दौलो
सै सार भांने हैडु लरक मारीपा माली लोइ नसकी
पामार॥१॥ भगवत तणो धात चार भागा नर दलता
नर लौक नर काला बना गाडी सोन कगढो
कालाप हुगो चाल कर॥२॥ राजा राव जो पणो राजा
चात साता दमणो प्रगट पर गांजीपो नहीं
पा कैरो धडीपो जण भांजी पो घाट॥३॥ करन
बोर पोह मकदं वाहो मान मुपो मह पती

चांमेर ॥ इर इर रहै पेर अपांणे पर हंस रहे अर हरां
पेर ॥४॥ गीत:- चांदार दवारा ठाकुर मैं रनडीया वगता
जी रो कहीयो गीत:—
जवां पारीयो रात बांचा रसा ताज को कपट धाटा
कीयो जद आदो करे वारी कता टाबर उकारीयो कमल
फाटा मठा देव कोंदो ॥ रेमा पाड़ भगो तगो बागा
रमै दुजोरा गल लगो जुध दाका धज बिलंद देख
सुबा चढो चग चगो ॥ ठग ठगो टग टगो लगो ठांवा,
धरा धुजे नखै कोट कुदे चकै सासवा जे नकै जोरं
सुभो धोड़ा थो खुद ॥ देख दावा दकै ॥ अदावा अकु दकै
तकै अभा ॥ ताम चारौं मगज चाम सुर तो बीया कुसा
बाल्ला करां कीत कैहो तालड़ा डोर मैं गभड़ज देखे तकै
गजैकै रह जाय पत राम जैहो ॥४॥ गीत:- राम सीघड़ाड़
गीत:- खारवे कर जोड़ सुणो हर कुमीया ॥ हद जुड़ीया जुध
मद हर माला सरे रीझ कर भैलो सामाहा मा तणो
सर ॥१॥ पारवती जोड़ कर प्रमणे ॥ भारी लड़ने बो बीर
भट दुड़ माले मापे धर राखो भीम तणा बालो भुगटा
जोगण हाथ ~~रस~~ जोड़ गीत जेपे जोवो कीयो बड़ोजा
पुरा हार उपरा पोवो ॥ अण जुझार तणो उत वंश ॥
पावे नहीं सदा गीव पुणीयो ॥ देवी हेरर अांण दीये
भीम तणा वाला भुर गुट को कुट को लेर समेर कीयो ॥
गीत:- परम रुप सेरसा तल कन मोचत धारणा वारणा ले—
भुबंसा उजाला ॥ तो बना सेह कुण ॥ खीज खट बनतणा
अणो खोटे कलु रतन वाला ॥१॥ २पला सत ब्रत लीयां
कपा रावण अमर कीत पहुन्त कहुर गढ कोटा सुर,
दख गार तो वण कमण रसा सवै धारणा चाव कालवा
लीया वंस खट तीत मध्य राव राणा वसु कमण देखे
सके आप कांनी कवीयणां तणा रीप फतीरा कलो चर
खमें तुको रड़ा लाड़ सानो माणठो रिबवण धनजाता
मुख मांगीया दांन है मर हसुत गड़ गदोदा ॥ कम
जग देवण जोम खोटे कल कोरड़ा प्रघो सोरपमाको
गीत:- माता जी राज बाड़ देव मैं राजा प्रथो राज कीलां
मलो तरो कहीयो गीत:—

आइ आवो जीम अन वाहर आवोजै दैवी साद समरो
या दीजै बल तज क्रमण पुकार खीजै काच रायमो
उपर कीजै चल तैतै जर पांपाय घण उण बेगा खेड़
नगोग पाइण तस गत सेवग करण त्रभै तण आवोजा
ग्रहीया गु ध्याइण ॥ चालक नामम हुतु चाचर काच पंचा-
ल लगै चैडा कर । जंजरी याल सधै वत जुलर ॥ पावा
वरन संग टीया उपर सांभल सावले साद सचाली
ताय मलो मुज है कण तालो पीपल वाहर काद
पंचाली ॥ धाइयो चारण चा बलो यालो ॥ गीत :—
गीत :- वारट ईसर दास जी रो कहीयो :- करन सर वीया
नै जोवडो जीद कयो चांना तर मयंक बहुण सुक
चावो नर पाल गरु दरखन वड येक वार पै करन
उठावो अन खर तणो प्रोरपा गवड जोतु आज नहीं
जीवाडै सर कहीयो दोनां चासांम तुज तणा आलद
चान तर ॥ कहै पदै आवसी काम करन जीव सोमां
नसी गुण कव ॥ कला जगत चासर सी काज ॥ आमो
आज कहै अरध आवसी आपो नही जत सगुण आज
आंणो मुलो करन उठाणो ॥ जुग सोर मांनै साच जीम ॥
उण मत लख तणो प्रभुता हव ॥ कहो जाण सां तुर
किम । सब दी लगै वेद सपारो सुक ॥ नीयण जपै अंकन
लाड ॥ आप कज असुर गणा उठावीया ॥ आम कज ये कज
करन उगाड सुरथ चढु जीवाडण सरखा भवण त्राइवो
सास भरै काचा बोरै चरम तणै कज ॥ करन मरै कव
साद करै ॥ चान तर मयंक हणु सुक चाया ॥ गुण
सांभले चारण गाज ॥ आया खडे आं कीया आवन ॥ इस
रंची सांभल अरज ॥ सुत सायर पवन सुत मगु सुत
आय आप चाहै अंच कार ॥ आवै चढुवै करने उठायो
सुत वज मल खर अन साचार ॥
गीत :- चुडा जी रो :- वारठ पालम जी रो कहीयो ॥ लाखा वत सबल
मैल दल लाखां लोहां पाण चराले वाड कैल पुरै
येकै चार कीची मुर चार नै बाची मेवाड ॥ १ ॥ खोसे
लीया ~~अपना~~ अमनै मुं खेते जांगा लाखेत नेजुग
रंची आराण तणै रतोडै ॥ मुर चार तणा नीप नामुग

थांणो जाय मंडोव। रथ रोप्यो जोर करै लख पत रै
जोध कीयो राज पुड़ नव कोटां सात वरसु सुदी
सोसोद ॥३॥ खेड़ पावां लीधर खोसे दल सहसै ग्राका
ग्रद हुख सर गद सारड़ मालै सदा ग्रो जोधे नीठ
बचाय्रो जीव ॥४॥ गीत राजाजी श्री वगत सींघ जी मैं
गीत:- जुतौ:- वदे खाग वग तेस जे सीग दल वाढीया वात
वाकां लखी जगत बांचो थाये लोंचाल दुढाड़ मेलण
वरं मोहर वकीया कटक माहे मर माचो ॥१॥ जासा हर
भड़ जा जाड़ा बचो भोकीया भाजगो गुर भड़ गाव भै दै
ग्रभग राठोड़ री जार लागो ग्रसो खार मुहगो हुई बाट
खेदै ॥२॥ सुत ग्रजन खाग वांका खलां सा जोधा ॥खलगा
घणा नरवोड़ टैहलो ॥वीच ग्रां वेर रा दलां मुहगो कर
डोलीया वणा वण काजे उहलो ॥३॥ कमधां जोतणो कुरन
सुणो कदेइ ॥हरक वांगान को होड़ हालै ॥ढाल दुढाड़
पोड़ जेसा ढोलीये सालै वगतेस उर वीच सालै ॥४॥
गीत:- करनीदांन जी गामण मैं मेड़ मारुन जी रो कहीयो गीत
जात बड़ो सांणोर गीत:- चढो ग्रणी चर बैंध हर नाथ
हर चयरी ॥फजर महुय री फोज करनै ॥पांण जर पट्टा
रीण वग जपटारी ॥कररो को गर काव करनै ॥१॥ संभाली
उवारण वात देवा सुतन ॥घोड़ा रण पाणी चाढ़ घातै
थट फरै पोगरै पल कवा रण ग्रणी जरै चाग तणी पटै
जातौ ॥ वी.क. सोबा दब ग्राड़ वांरा वहल ॥है जमां
जाढ़ पत चाढ़ हीको ॥ काढ़ जर वताबण ढाव मेंगल
कमल थार मन चाढ़ जम डाढ़ चोको ॥३॥ नजर कसरां
वसरां वल बज नगारा। ग्रणी चढ़ ग्राजा लखो कराल
ओपा ॥ कुलां उजवालै दाताल कुंभा पल रोस चढ़ जाल
प्रत भाल रोपो ॥४॥ जार रावो खम तणार तोपा
जाडत धारा ग्रगट सणणार धातो ॥वहे मद मातरा
भमर भणणार बीच ॥ खाररा तणो जणणार खातो ॥
उमगां रा करै थरै करबा प्रातरी नगारां वग ग्रावै ॥
वरां गारा हुवां घात रोलो कण बीध ॥रांगा राड़
घरो भला रावै ॥५॥ चुक तो जौहड़ा हुवा पावल चढ
मनोरथ येहड़ा पुर मनड़ो बैठ रंभर पांन वनै हड़ा

अधर बर-बाँध रंग चौहडा नवल बनडो ॥६॥ गीत:-
गीत:- माहाराज बहादर सीघ जी रो कवीया करनी दान
जीरो कहीयो गीत:- बडा रागरा दुरट सुर अदर गुघर
बजे ॥ छ करख जंग सब उघट अंगे दला उदरंग
रै जगी धैवड़ा दर-जग रै बगो चौरंग जांगे ॥१॥
हांम मद छाक चीत धांम जगी ह वद ॥ वीर व्रत
कांम नट वर बणावै ॥ जांम बग ताल सुर ग्रामजोगा
जयै ॥ पोह कवर तांम आराम पावै ॥२॥ त्रबक धुन
म्रदंग बिकरा लरज धोम तम ज्वाल जलध समु
सालो तोप ज्वाला ॥ भावणा कोतां मन-कोतां अण भाये
स अधी अमणा कमध वाला ॥३॥ अत तरधा चलां
लता तंत अलुजै फब उधार होद धादर फुहांण ॥
कैल वाणी रचै रातला कोकलां बचै आणद दिलां
तेण बारां ॥४॥ चेरव रसेव नाख रिम सोस धादै पोहप ॥
धोस खत्र वट कुलवट अरादो सोख आणै असीर ॥
मेरां मत ससत्र जोख मांणै असो राय जादो ॥ सार
भर मार गुलजार धल गुड सत्र अलल गुंजार गोला
अलो ॥ साज अरज रद सामाज धार सुरमा ॥ राज घर नेर
खुर खुतन रीझै ॥५॥ प्रपो भुगतै तरण फतै पायक
पणो दुस नायक पणै मुनं उह सीया ॥ मांन हर धाड रै
धाड जोबन मसत ॥ राड रै बगीचै तणा रसीया ॥६॥
गीत:- काणांणा रा ठाकुर दुरग दास पोकरण रा ठाकुर सीनग
जी रो ईसर दास रो मै खडीआ तेज जी रो कहीयो:-
दुरग दास सोन गबनै भीच ग्रहीआ दुजड़ कपन पत
सानैड कहावै जसा राडो करा बना गढ़ जोध दुर ॥
खत्रो अनब से सोख ता खावै ॥१॥ आस कनन तणो पोकल
तणो कहै धम ॥ धार रद पाल ग्रहीयां खडग पाण
राजरो धापीयो राजे धणी भड वेर वद धणी मै धाप
सांज को जोधाण ॥२॥ भार मौत कांमी रीत का वसं
भर गांज कुण सकै जास राज वरा गाव ॥ राव रक पाय
उथापी आरीड भलै धुड दड़ो राखो आराब ॥३॥ जाकै
भड छेड खोसाड अकबर जबर हाथ बै वहो आडुल
डणीया धच जोधाण अड सोध फल पामीआ ॥

साहूजी कालीया जगत सुणीया ॥४॥ गीत:- राणा जी
राज समंदरा खोदारो गीत:- समंद नीर खारो वर
फरुखी खोमान सर पाल खुदा लमा तणा उपाल॥ राज
रा समंदरी मीठड़ जोख रण॥ मीठ किण दुसरा मालि
पड़ धत परबे खोजे को पायो खपी ॥ हेम वस पीरघो
अमरा तणो होद ॥ जगत नेस लल सांभल दुखो जगा
वत समंद थारो तणो राव सीसोद ॥५॥ उचह जाल अग्राह
जमीन सर वर अगम ॥ तैं कीयो अपो पावन करण
ताथ खोग मा हुर पाठा सरस आगलो नमा दरो
पावरो होदु वानाथ ॥५॥ पाव रा जगमां महा तरीथ थीयो
अड़न रो सुरां सुज सुगम खारो खपी ने बडो मुखण
वणो कैल पुर हथन दुखण महण थारो ॥४॥ गीत:-
गीत:- चापावत गोकल दासजी आसु वारा ठाकुरां महें
ठाकुरां किसना जी रो कह्यो:- गरीयै पोहव मै पुछतो
गोकल ॥ हजार किम उठाव आहवे डावे हाथ जाल
हलै वीवी ॥ रवण जाल हल जोमणो खबै ॥१॥ मन हर
तणो मीर मारतो चापा तगत गोहौ चै चड ॥ रुकण कर
गलीयां गज वालो दुजै कर समीया दुजड ॥५॥ चाव हजारी
जणा चाडीया कमध जही वालीया दराग ॥ उपर उसर खान
उदै जीया साया उसर बलतो खाग ससा पात तगान
दुत अगडै ॥ चांया हरो तगा चडीयो हड मत जैम
दलो लां कहे मैं पडीयो खात कनै पडीयो ॥ गीत:-
गीत:- राणा श्री राज सींग जी रो गीत:- चरा वैथ रवित्र वंथ चत्र
कोट गढ़ ढोलडी पुरव लालै खना सत्र प्रमाणो ॥ खाड़ अवरंग
खवतार सोस पालरो राजसी कसन अवतार रांणो ॥१॥ भमतां
अजै पुर कुनण पुर मांडहो ॥ लोसता येम आसुर लखायौ
कथेव सुण दुरं का दुत सायो कसन ॥ उदै पुर दुत यम
रांण आयो ॥२॥ चुरं तोन मारां लघर फौजां धणी सैवड़
वंथ सवैडो ॥ चाल वर जोम कुनण पुरो चडतां ॥ जणी
रोच पुर कसन जैहो ॥३॥ येक अधकार होदु तुरक हवल
जकातैं कोच कै सार जांणी ॥ कसन दुख मणी गडै
ले गयो कुमारी ॥ अमर रै कलो चर परण आंणी ॥४॥
चकतां चोम यर कोट चोडै चडैं॥ तसा उसरां

गणां दीयां तो गाढ ॥ पेल कै गयो सीस पालर माथा पटक॥
पटक सीर पेल कै गयो पत साढ ॥२॥ ग्रहण जगत कै
हुसी ॥ राजसी राण होतु-काण खम राखतो ॥ राणवा-
रनाण जुण चार दे हुसी ॥ गीत:- ठाकुरां दुरसा जी रो
कहीयो कंदाला रा ठाकुर मेघ जी मै गीत:- वणीयो उथ-
सांम मईस वाहो पो दाख परा-क्रम दैर दल कुल-
समै मल कुल काढीयो ॥ बीजा मैगल तणो बलो ॥१॥
करन तणो मत लीध करतां उथलो बल म्यो डी यो-
पेल ॥ सीर धुर तणा सीसहु सावलै सीधुर बीचै
वधुटा सेल ॥२॥ कुगां दन राठोड़ पटहीयो ॥ भालो जडीयो
जुध भर ॥ वारण तणा कमल सुकारण ॥ काढीयो कुंजो जोर
कर ॥३॥ मैगल वाच काढीयो मुगलां ॥ मैगल मेलीयो
मीच वदन मईस उसै खब का सो भालो भला सदा
वै मीच ॥ गीत:- ठाकुरां कुसाल सीग जोधा ऊदावतां मै
करनो दांन जी रो कहीयो गीत:-
गीत:- कुसल सीग दई दान दे वहै पडीया कलम ॥ भालै उथस
मान रैत कैमच माग ॥ गयंद मसतां नटै दुई वरछी
गरक खांन दे जंगीह वदै वही खाग ॥१॥ पागडा जोर दैक
धोहरै परा-क्रम विक्रम गज बोहरै समै वागी ॥ सतुरां
बोहरै [illegible] जागी सगीत ॥ लोहरै पटै वचै तेग लागी ॥२॥
करी पाचर वडर चार चर हर कढै ॥ पांच हर पजर
रिव कुप चढीयो ॥ उजर जड़ सांग खग पजर खल
उपाडतै वहै हौदो पजर ॥ सेंध वढीयो ॥३॥ कमच सम
राघ गज चाव वरछी करै प्रवाडो नाथ तण भलो पाये
उपाड पलम तरवार अहमंद उलो ॥ उपाड हजारी मार आयो ॥४॥
गीत:- जग रांम जी रो चचवाडा मुकुन जी रो कहीयो गीत:-
सुण करतो खाग मारव तो फोजां ॥ वख पौल तो वखै
वरीयांम ॥ कालो नाग छेडी योक लेमा ॥ जांणे मंत्र बिना
जग रांम सिर नी बाजरा फसीर आवै ॥ बीदु मंत्र जोगी
या वण ॥ जवनां उण जोगीयां जगायो ॥ रोस खजायो ॥
नाम रण ॥२॥ हरक लीयो पाप घरो नहाले ॥ कंक्रम नर
वाई तो वल ॥ झाडो कीयन परजा झपटै बैग चुजै
छांड वल ॥३॥ मंग जाव उपाबो वड मुतो साथा सेदा रख

जेण खलखण खीलो थो रहे उदास। कालो कालो नाग ज्यौं

गीत:– रांणा जी श्री राज सींघ जी रो बांमण रो कहीयो गीत:–
दलो उपरा राज सींहांण चढीयो जदन ॥ नयरच कमाल
पुर लंक नाइ ॥ चुवा सुहुयो अंद लोक पुर चुचलो
तप गयो पेट अहराव तांइ ॥ सुतन जग तेस दलो कीद आरंभ
असा असुरचा प्राजलै महल अगला पुरंदर मदरां बीच
काजल पडै सहस फुण तणा सर जलै सगला ॥१॥ हीदुवा
धूत अखी आत बाता हुई ॥ सुज धोआ तेण साखी उपरह
सोम ॥ च्यार चर नयण अकुलावी आधु वासु च्यार चार
कमल अकुलावी आचोम ॥३॥ आकुलत वाकुलत चलै नह
आंगणै पीव कग भांत आराम पावै सुकर देस कस्या
नयण मुंदे सचो ॥ नागणी नाग सोर चडाना ॥ गीत

गीत:– देव नाथ जी आय सभै लाल सन मन जोरो कहीयो गीत:
देवा आप सुबोध तौसे वागीर युनोसा ॥१॥ दवो सखो भल
चारै दे गंगा देख देख सुख ॥ रखो वाजो कीत री
भु चाहे तो आये सो रुप लखो चौडो कीजो रेखो करे
लाब लूंब ॥२॥ भेख मैंवा चोयो बाप दादा सुसो सूर
भाग रे धवां दा चोयो होयेन कुमांठा आज लासरो आचोयो
मौल दोयां नीठ नीठ लाचो रोम रौज पादीयो उरै
दे जोगी राज ॥५॥ जठो तठो आधरै रेखट सारा पाल
जपै ॥ जालो धरी नाथ रै सना पजै तजोत गावु गुणे
सोभा देस देसरां दे सौतां गोठै ॥ नेह सरां नंद पावु
वीलालौ कमेत ॥३॥ अदा वाचै हीयै आग झाल वालो
ताव उठै हुवु फाल वालो कहे बिसा बीस होत काल
वालो खोच पोठी तीन तांई नावो कदे नाल वालो चौडो
मौनै दोजो देवा नाथ ॥४॥ गीत:– बुधं सींघ जी चहुवांण
मै कवीयां करन दांन जी रो कहीयो गीत:–

गीत:– बुध सींघ जी चहुवांण मै कवीयां करन दांन जी रो:–
लग स खेट थाहुल काम साहा लडै ॥ मार कर बाणीयां
झडै मै भत पख हुत साग जेम सुम कम कम पडै
दोज रामयक जेम नो कुडै चेत ॥१॥ अनावत ताच जुडै
दलां आवलां बीजलां चाप हाती विछुटै ॥ मदल गीर
हार जेम ढहै पोगा मसत ॥ तम कदनो काल जेम

रवन तुटै ॥२॥ सार भर मार चहुवांण तैर समंद ॥बीर जरदै
तरत समंद बुडै धरा धर जेम गज कर गलोटे धरा
बीरज रदै तरत समंद बुडै ॥धरा धर जेम गज कर
गलोटे धरा अरध चंद तरह दंत गरभ झमै ॥३॥ एम
रीझ वार देपत समर अघोसै ॥ कुधसै लार पंणां अपणी
गर्ज पतंग मेतार कर कोध गरजा पती ॥ कीर्ध चंद
हार गरजा तणै कढ ॥४॥ गीत:- माडा राणां जी भीम सीं
में प्राढ़ा बांका दास जी रो कहीयो गीत जांगडो साणोर:

गीत:- उग तवीची रुपा धन काजह माहे दुजो दरका दीजो
मेरो जाय धार रणां भाटा रचीता मन चीतोडो ॥१॥ रवट
वचन वीपत लतो कुमाणो ॥ मौज कुहाडो मूढे जोणा
दातार जुहार हुआ जाद ॥ पारस नु कुण पुंछे ॥२॥ देतो
वीत पाद्दो नह देखे ॥ वडम उबारण वाता वसुधा कल
पत रो वर वीगीयो कुल अड सोह सुपाता ॥३॥ देख
रांण भीमेण तणो दन अदतां धन उर आवै भुर जालक
कुमेर भंडार ॥ पौह राज कनह पावै ॥४॥

गीत:- मेवाड मै ~~बाकरां~~ राठोडां रो ठिकाणो जी रा ठाकुर संभु
सींघ जी रो गीत:- मेहडु माडा दान जी रो कहीयो गीत:
चोडो दीयो जी रो गीत:- कुल वका पणा देह को मान
तोड दोहद ॥ साच तो राग बागा सझोलो साजरो वार
संभ माल धन आच तो नाच तो दीयो कुल दार
नीलो ॥१॥ कदे रो नीपनो खेत धज कलो गतो ॥ फलां
तोल देरो प्रलाब फोजा खल गतो उपर गरुप अंग
अदेरो मसग तो वधेरो कीयो मोजा ॥२॥ रीझ गज
बीच पावे दडु राहडै जको उर दाहडै मग भालां भप.
ताडर करा रैरा झमड वाहडै वाह सीभाग वालां ॥
मैगलो चर सुबहीयो मुसाला ॥ रंग भलै करसा लाख
लक दीयो कंचनी छंद करतो दला कुसाला ॥ दुसाला
दनांना कंद दीयो धर फुर लन पुगा वर लनट थाक
तो ॥ नवारा धाकतो चढ़ंत ताद्दो ॥ हाथीयां सोल धा
थाक तोडी कलो ॥ कुद तोडा कलो दीयो काढो ॥
सुव सुरत सलय पौह मुरलब तमरे सीमा गल
फरासत तर चीतो आगय राम सुलध आधो कीयां

उठीयां ॥ चरख कुलख खुटीयां मलाख चोलो ॥ पाठ कांगा
घणां बांकाणी खोटा कुरां पया यत लोबरां पेख पातां
सुपातां काज बोलै असा साकुरां ॥ हद हुई बांकरां
नाथ हाथां ॥ ८ ॥ गीत रावत गोकल दासजी मेहडु
मादांना जी रो कहीयो गीत :- घम समाच घोड़ा हुआ
रहे घोड़ा घमो ॥ घण प्रसणां घड़ा सेलड़ा घम घमी ॥
हुड़ गंबक नाद घोह खावसे आंमो जीघ गोकलजसा
बोध भोगे जमो ॥१॥ खोच भाला खसण पोच घांनक
अपरी बनो नाग जो बनो रतन गरमा वरी ॥ फोज पतो
खामो हर दीयां ठरड़ो फरी ॥ कैल पुर कुदम कुड़
दखुधी करी ॥२॥ हे खुरां हीगलायां चड़ हीदणी जसा
हरं करी मच काय जकड़ी दणी खाठ पोहरां अज करहै
खोड़ी दणी खिलो लो मही मोगो नवल बोदणी ॥३॥ साकड़ा
कुबड़ा भीड़ घोड़ा सहै रात दन माकड़ा जाय भर लार
है ॥ खगां भार खोकड़ां अग सलागा रहै ॥ बांकड़ा सगै
चर लग क सुदी वहै ॥ लग रीरां वदु कांट कलेग कां
भलो अगजी राम राव भीमेग का खिजाइ चढो नारद
तणो बेगका ॥ रजाइ चलग रस लुद रंग रेणका ॥४॥
गुल नम खिंगाणां खाय अप छूट कुको घमोड़ा बदु कां
लाय तोड़ा चुको दैल धक नूपरां अबन जोबन छको
धर हरै डरै न्रत करै कबो धको कोच ॥ सेल पल
काढु पै भाग भलका सपो ॥ बोर दल काय लोचालग
कावधो नैण बलकी कीया चरे ढल कानधो चेस खल
का भर करे सलका प्रपो ॥५॥ गड़ गड़ नगारां नाद
गहरां पतां चोगण जोस मुख चडै चक रायतां नत
भड़ा भीच हेला पडै नायतां ॥ खेलादा बोरडै असा
अठ पायतां ॥६॥ समा पण दवाली वद गंज कासरां हुवै
तज कांसवां सोस सांगण हरा पंमग कड़ता मुकै कलार
जकां परा चगो अज को तणी रहै तज कोचरा ॥७॥
चड़न चाड़ा यता भोज भोगण चनो कलह सबलो सलो
हुंत रावण कनो ॥ बनो लज हार धर, सधर पतचो
बनो पत्र प्रता नाग भर लार सोयो चनो ॥१०॥ कवित:
कवित :- भाषा :- पातर चरी सौनट नोसी न्रत कार नोसी ॥ हनै

चवरा नीर हैय नहठ नंतै ॥ मंदर समीर कौ सीभू पट
समीर कौसी तरू ताइ तीर कौसी ताई सौतर नंतै ॥ दूहा
दूनरा कीर सना कौतर कौ को वंटो ॥ मोय जी सुर तान
सौंध जलकै कर नंतै ॥ नपो गज बीस भोम मंपौत्र सवार
भयौ ॥ कंपो मन पासक कौंच पौकै पार नंतै ॥१॥ गीत:
गीत:- माहा राज मान सींघ जी मैं महदु माहरु दान जी रो कहीयो:-
दल फरतो देखद सुद सदोलो ॥ आप उर तो घरतो सोधार
उकर तो आयो धह उरठ बी करतो परतो बाराह ॥१॥
नीच सीया बस रात न चोरै दल खड़ चोरै तीरमदाज
मरको बोह सांभरो फौरै रोकै कुण हेकल गीड़ राज ॥२॥
आडा फरीया खाग डनागां उडालां बागी डकर ॥ आगा सु
आडला भड़ आवै तुम तगां लागां टकर ॥३॥ याद चढै
आप नाड़ चलातो चल आढा दुवाड़ घर ॥ फौजां फाड़
पाड़ दल फौरो कबलो आयो राड़ कर ॥४॥ मान सीघ बटतो
मुधरा ॥ कस तारा आया कद्द बाह ॥ हींदु पत करतो होका
बारा पाड़ गयो बाराह ॥५॥ गंजीयो साथ सारीरो भुरै ॥
पंजीयो नह उद्ध जीयो पाठ गीड़ राठोड़ सीके कुण
गंजीयो जाय रपह संजीयो जोधांण ॥ भड़ण हुवां लाखां
दल भेला गढ़ सारवो बागी गजर ॥ राखो आपो भुप ॥
एक लरो ॥ धणी नाथ रा खां चजर ॥६॥ लख तु आढ मगरा
गीत:- माहा राणा जी अमर सींग जी आढा किसना रो कहीयो:-
पाड़ाड़ चढै अरस मांन पाकडै मोर पुजवै रख मही
तोही खग ताग बांस खर तीसा नाग चरा जैवडो नही ॥
अनै अध पत उचा उचैरा ॥ चरडु तागी साढण चरै माथा
रहै बी आ मोड़ बांधा अमर तुहालो कमा डरै ॥१॥
गीत:- महदु माहा दान जी कहै:- बदनौर रा ठाकुरां मैं जेत
सींघ मैं गीत:- मुडै नागरा सीस त्राबालतां साजडे
पाट बीरा गरा नीघम हाको पडै आर लागै गजब
भुजा कर सांयडै जैत मारु कहो कज सलहां जडै ॥
घर कद्द कडरक मुक झदार कथा टरां ॥ भमक
चक भक धम कड़क त्रेबक जाटरां धाडक धक वक
तल कथम कहक धारा ॥ खीज वालो भटक कौठा
सर धारा ॥१॥ तड़ समदड़ बड़ड़ चड़ जकड़ तड़ बड़

लखा धुसरड़ः गरड़ः पड़ः घोर घड़ हड़ः घड़ा भरड़ः भड़ः
दुजड़ः कड़ः क्रौ दुजाय खा ॥३॥ खजर नरन डर कर धजर
धसमर समेध ~~[illegible]~~ वजर उर गुडर घर परर कायर बमेध।
धज फरर्य तर पर खरर सम हर धमेध कसे भर
नजर सर कैग छत्र घर कमेध॥ भाग्गो चटल लल समल
गलाले पल डल गरा॥ चसल सल बलो बल कुलल हु
कल तुरा॥ कल विकल सबल दल मलल सावल करा
धल पती कोध कलक सासल डपरा॥४॥ तर रस मुख डलें
सहर तर सोचरा॥ घड़ हुड़ चमक चोक्का पड़ः चोगरा ज्यों
भाग धाधुण यर डीगरा सीस कर॥ धराजटी रीस गजा
सोंध रा॥५॥ पुर कोच्यों खलड़ खुर पखरा पता॥ धामड़ा
भवानी हु पैम नचायता॥ नौपती करै उमगा धरै नायता
धाज कथ सर कमर कसै धापा यता॥६॥ जुल रथ साथ
उरब सोरै भागड़ै॥ नज हर कड़ः मरड़ः कल गाढ़ नाज घोड़ै॥
घरर घर धकड़ः का घरर यथ पागड़ै पकड़ः भाला कबी दौयें
पग पागड़ै॥७॥ घसट दुरगा पढौ पाठ चहु सोर रौ॥ सुज
चढ़ौ चढ़ौ हौय नकी बांसो रसौ साकुरा मैल सीज सौ
सर जौर रौ॥ नजर धावै धसौ नाथ बद नौर रै॥ लाग
भगल नाद खुर साठ खांगा रड़ःक॥ बाज खग खगग कड़ी
धाल बंधी बड़क घर पती जबी रैल हौ मानै धड़ु॥ कोरै
मादु रा राव वाली कड़क॥१०॥ लास्त यड़ः त्रास मैवास बंकी
नगर॥ डारगो न लागै पाव पाधा डगर॥ धान रोयां कड़ो
घाट दीसै यगर बाक्कडो बाकड़ः नदी बाच्छा वगर॥११॥ गीत:
गीत:- दैल वाड़ै राजरा गौरे जो रो:- दलो सलारा बचाणा लगा
घरा पुर कहस॥ नलों पाण खलां खत्री वाटरा नसंक॥
दुछ मैंद पाटरा सुंधाय जाला राचौ दैव धाय राल लाट
रूल खाण चेहा यंक॥१॥ सै धरै धंमरै नरे धरै बारखांणी
धा॥ सुरे पुरे कहसै मडै घणी लरम करम रै खैत धाय
धैत रैन तरै कोय कै करै लैरवी धायैरा सावरै करा॥
वागरा वरीस गंजा धाजरा कलु रौ कार कारा दुवार
दान लाजरा कंन साजरा सुरैस हौदु पाणी रामा घरां
सुरै॥ राजरा भाग राय सावांणीरा वरन॥३॥ हरां सजामांन
नद वाय वाय भाला हपा सयों रपहा नीचै न चाड़

साला सपुर ॥ बागा खागां भाराथां सदाई हुवै बोल बाला॥
येखा लखा आजाला ताला राय कुर ॥४॥
गी:- श्री परमे सुरजी मे आढा आपारो कहीयो:- भीखण कसा बागा
मुलो लाग दावण चवद लोक कुतर धारै चाकर हल को
धुरर मोर मोटो थोक ॥१॥ अद नर सुरख जर होय उभा ।
मे मानय जग कोतय कमात ॥ अमाबस नाग केरो आदर
वसन अभाग मोटो वात आयो कहे नमे लु अलगो सह
जापार खपायो सोय कर तारे तु पग कीडी रो करला समीन
मोह रे कोय ॥३॥ गीत:- माहा राणा जी श्री अरजी जी रो:- —
त:-आढा थोया जी रो कहीयो गीत:- चटी ती चुजा वीप लेय
पपत धोहां ॥ खागां मडीया खेल खरां ते लग बार वजाई
ताली हेकण हातह मीर हरा ॥१॥ असतो होय बारै खोस रीया
चतीया अनड माम चक चाल मेक भुजां भाजो मेवाड
तो वण कुण कुण खेलै रण ताल ॥५॥ अस ती के नर गणा
येकला गण जु जाडे कला गणा नृप वांका सग लुणा
नारा क॥ ते साब वीयो जगड लग उका चार तनद सीगा
कीने वणा ने जालो कीक बीचार धुरांणो रांप गा धारै॥
दुवो धुई जप रखण हार ॥४॥ सीसोदा कुल वाट साचवी
खारो खलाव जाडे खाग ॥ अर सीमठ राखण उदीया कुर
नाग घणा घन काला नाग ॥२५
गी:- माहा राणा जी श्री भीम सीग में गीत आढा थोया जी रो
कहीयो:- पीतल कजलो तोई कन कन पुहचै तारां तेज
नमीया क तणो ॥ राणै भीम अनै अन राजा गण हातां
आंतरो गणो ॥१॥ करल बचा तन पुगे कुनग कना गयण
मण नाखग कोड ॥ हेरां कमण उजलाहो हीदु जग खग
चाव तुहालो जोड मेद सीणार हेम कोम मीठा तोला केड
कडीयां ~~कंस~~ दंतसा ॥ सीसो दीयां तुवालो सम वड कीजे
जौ मुपाल कीसा ॥३॥ नेना मोटा इधन आवे चकडे मोया
जगत पलो परसो तणा भीम सीव आसो योयण ॥ भालां
तुहीज भलो गील ॥४॥ गीत:- माहा राणा श्री भीम सीगजी
रो भादा थुर जी रो कहीयो गीत:-
-परथम कीम चढे मुसीये गुण पत ॥ पांचा नतरे क्रम
भय लांग ॥ हांस आइ मयांद तणेहा पीयो ॥ देवां पर

पीयो न दीवांण ॥१॥ वडु भेखां तणे सालां खल वलै लगत
नाहर असवार ॥ मछ मनोज मार खट मुखउ: दुवो न रांणे
भीम जुहार ॥२॥ रेणु पनग पनग रे कुरंम कुराम रथ
वाराह कीया चीतोड़ ग्रप वगाजा पीयां ॥ तुरंग दुसन मटै
तायां ॥३॥ अप हद अनड़ हेम अर सीरो ॥ तसा उरड़ करड़
क्रन उंधी तांण उपाजे उरां तुरां असावीरो भेटो जुरां
हीदुवो भांण ॥४॥ गीत:- केसरी सीग जी में वारट चुतभुज
जी रो कहीयो गीत:- भड़ छाड़ अवरन वाहे भुपत कहै
बीर दाई धको कथ काढ कुण तो वीन केह रीया रावत
कव कुचीयो रथ ॥१॥ दरगा हीण कलण बीच दर ॥ गोनाही
सुभा गलण कांधो कुण मोड़ै काधलरा ॥ वेगड़ा धोरी
तुज वीण ॥२॥ आंण धुर तल सोम वीया सम जत अोध-
ड़ीया सकल जुना धवल सार भुज जुसर बीह लीया
छाड़ीयो बल ॥३॥ जुध जणी आर अभनमा जेता कहुक
चकरै वाखाण सोह तो भुज भार पीत्र गढ़ तेहो की
कीव रथ चो भार कह ॥४॥ गीत:—
गीत:- सालु वारा वत भीम सीग जी में खड़ीया वडु दासजी रो
कहीयो गीत:- हपे खलां पोका भज कुंभा केहरा आपाण
हुत ॥ दावां जेण वे सारा वाखण जोका देर ॥ तहीं जीत
होय खवै कुबेर रा भीम सीग सेर रा कांठ ला रीत रांण
रो आसेर खवै खेत गनीमां जलारा रुपी आय खगे
बीजु जला चलारा ॥१॥ आघटै चोक दे बेरे ॥ पाट मुदी
पोह तै सरा खीयो उलारा धाम ॥ तोह तेस गलारा हार
जुकदै नैरे ॥२॥ सटे केन गार बांधे लटके नागरी तीरसे
आगरा अंगार तायां भटके अवाज ॥ राखीयो संगार बीजा
सागरा पाण हडधु राण वालो वागरा सीगार जेमे राज ॥३॥
~~[illegible]~~ वेरज हु जसु आंट वहै जे चार रै बीच समे गज
भार रै कौरे सपरी साथ ॥ खरैस सार रै मुढे कला हुत
कैट खावै हार करी मार रैम रेस गाजे हाथ ॥४॥ चुड़ा
जोक पारा आड़ो लोहरा वीरंवाण पवां ॥ ताही होय गया
तारी दोहता ता बुत ॥ रधु अबीह रायवं तंवो रावं वां
राज सीह हरा वणा वजेम राखीयो साबुत ॥५॥ गीत:-
गीत:- दुजो खड़ीया वजी दास गारो कहीयो :—

जांगा ओर घाड़ा सेलरो अहीरैं मायै ताप जादा ॥ आराज करोरैं मायै सेल रो ब्याज ॥ सेल थारो रांण री सहीरे मायै ~~सेलरो ब्याज ॥ सेल थारो रांण री सहीरे~~ अणी सुधो ज्यो सुर तांण रो महीरे मायै आज ॥१॥ भाराथ पाराथ बांण आगीयो कज सोभा लो ॥ भालो जसो जागीयो का काल सुला भुप ॥ भीम थारो कीयां धका मेवाड़ परां में भालो ॥ रोद थारां होये भालो जाल पुला रुप ॥१॥ राण राव तेस थारा हाथ रोगज बीगा जो ॥ मगरो चज बीगा जो अटका अपार परां नरां नाहरां कीयां मैगा जोतें जपुज साहरा होया मैगा जोखर के सुमार ॥३॥ मेर धाड़ा रांणों कुल पालं खयो पट मांहैं, गर्गो गजा सवार कुबेर कुल हुल ॥ साहरां अड़ा ओरै कुल ताख गोय नागा तसो काल रुपो वना लागा लागा जसो कुल ॥४॥ गीत:

गीत:- रावल सग राम सीग जी सगता वतरो मेड़ू [illegible] मादान जी रो कीयो:- खुजे चेरा हाड़ा कुरां भाखां गड़ा बाधां घड़े चोका रुका पाण उस सैरां गड़ा जुल राज ॥ लोर लाग लाग अल पीस वालो दटा लोथा ~~[illegible]~~ आज रातो गड़ा धावै केलाधु आरंभ ॥१॥ साबलो गालरा खुले तालो इस वालो समै चोरवमे सवालो सुका लरा सीधु वाग ॥ बेठी जठी तठी दै हाल राड़ पो बास वालो ॥ लालरा सुजाव कठोरो सवालो लाग ॥५॥ दइले आगरा दलो खागरा खातराप दोठां सुरां रपां गेणा गरा मागरा समाज ॥ मचकै हमलां फोजां नाग राड़ जार मापां ॥ बीया सौभाग रा आपा मल वाज राज ॥३॥ भणंका लुजोहा चील पादीत तमासो लोले जुलरूप बीभाणां अपरा जग कास ॥ बेबेह सचडोरा साब मावै चणसा कांणा बाज लासा बीढु पासा खण का बांणीस ॥४॥ सास लोक गोढ राव चोडै चातुरांखे सेना ॥ भास लोक चढै राव केचांगी भुतेस ॥ जमीना सतो खेलां जेत रागु रावे जंगी रांगी ढुका आसतोक आवे राव तेस ॥ ५ ॥

गीत:- रावल जी रो जेसलमेर रा रावल अमर सीग जी रो सांढु दुरभा जी रो कहीयो:- घनो चारुण देव मय राज गीरसै घणो देसरीभ लोबण नकु दीयो चारणा वरण चोचोतइ सेचाल तां कर सम रण तणो वार कीधो ॥१॥ बोम [illegible]

गुरै घरे पग बीभाणां भणे सरुप थारो जीत भेला आप
सेवगा मइर रावल अमर ॥ बीरद भुलो नही जेण नेल
वांस आधार साधार खर ही वरण ॥ जीत जम वार बेकुंठ
जातां आच भर तार वर तार तद वर अमर वार तण
कही कीव पार वातां ॥३॥ सुतन सबले सखे तल जेस
साव पख खल कसु उथमे आप खाटो ॥ हीआ रे हैत
अर बचन हर राजरो भलो नर भावीयो राव भायो ॥४
गीत:- बाजरा ठाकुर अमर सीग जी कुदावत रो:- आेइज चढे
दुरध मुगल हणीया इज, बीस मलीयो आेड जत खल बा
करे मुजरो अमर नीजर दोलत करो युलज कमीर पत स
आंग ॥१॥ आेरो खुटा जोडा मलण कज आवीयो ॥ वलै कर
बीया जेत वाजा, कमर दीखां तइ सइ साइ अरजां क
राखीयो मुदो भर इसड राजा, इसीने खवांनो तणा मु
उपरा ॥ दाइणा दसतरा तमाचा दोथ, साइ आगल कहै उ
साहरां ॥ कमध रोह गोक गत जाहरा कीध ॥३॥ अर त
कर खुन दरगाह भज आवीयो ॥ राइ चंद हुवे सीरे न
रहीयो, कुसल सुत बावे बाइ हीमत करां, कीलम पत
बै बाह कहीयो ॥४॥ गीत:- वेढ कवेढ कासइ सीयम बा
धीरज लेख प्रमांण धरै धक धालां हालां बीच धर
मरतो फर सेन ही मरै ॥१॥ रीज लधु करना वत रावत
अमीडा साबद गाडे अजार जरा टलै नइ अडता जड
फरै सनही जडे ॥२॥ सास उसास मेलीयो सायत्र सण
धज जये मरटै वचे नहीं जतनोबा धाया ॥ गाव गर
नही गटै ॥३॥ रीलो दे खर लोभ तरावां कुजड जडा जक
दैइ ॥ जतन कीया उपजे तन जोसो लेलै कीया न
कण लेह ॥४॥ गीत:- श्री परमे सुरजी मैं आद आेपाजी र
कहीयो गीत:- जो बने कार मीव ठेठे उठ जासी आ
भगत तणो अभी आस प्रणी आना वैक दैइ पांमणे
वलन वीजो वागड वास होय सुनापा जन मम तहा
नाथ समर मुर लोक नरैस ॥ लीयण नाम नुप लक
मीले बीस कोड दै ताल गुवैस ॥ सुने गांमन फाड
वसाडो गाफल हीवडे राख गनान आेपा ये दन
आवसी भज साव वलौं कदी भगवान परसराम

भाख अम्रत फल जनम सफल होय जासी पाद्यो वलै अमोलक पाद्यो अण तरवर कद आसी ॥१॥

गीत — है पाटां बचै होडो लेहायो ॥ पक वत जग चालीया चढे गज बंध तणा आवतां गढ़ वो गढ़ पत जड़े कमाड़ गढ़े दे खेह सभ दीयै दरवाजा वगत अवरन चोर चरै चुडाह रात वाला चारण करे सुख सुभ राज करै ॥२॥ हैम रा रेरा कीयां दुबलां हाथी मद वह ताह मल देखे गज बंध तणो दुखीयां ॥ दुजादै सोतां दहल ॥ जोधा हरा कीया अण जाचो जग देखे आद कै जसो दान तणो सुन मन देखला कीर तरो बुकणो कसो ॥४॥ गीत दुरसा जी रो कहीयोड़ो गीत:-

गीत — अह माथै राग आमल गऊ चो, नव खंड जस झालर नाद, रोपीया भला राय गुर रांणा पड़े नरा सण तणा प्रसाद मेधां अगम सुजस मै मुरत गुण पुजा कर पुजा गर आया हर रोचे अल ऊपर अमर तणा देवल अमर पाखाणे मा जाय सो पडसी अपकै दन जातां अन बंध गडा गज बंधव खाणै ॥ बाणा हरा तणा धज बंध ॥३॥ अवचल मंडप को आया हर सुर जग पाये केने सुर मै मागीयो सदा चो मोनै ॥ यता समो भ्रम राय पुर ॥४॥

गीत:- दुदु झालां प्रसण आजलै दुजा: सत्र कै पुनर जलै सुर ताण जोमणो कुक जलै जोधपुरौ चौतोडो जांमी चडु प्रांण ॥१॥ कै मुक कमल होया मुज केवी काढन सकीया सौन्द कनै ॥ कौ पेट तलै हो मोजै दडु भेरां दै सौल दनौ ॥२॥ दडु दाढ़ा खल जलै देवडा यर पंजर नीजरै अनेक ॥ चाखै हेकण संघ प्राजलै ॥ हेकण जग उचाड़ हेक ॥३॥ बदल भंडार ढढार बलेलां दल जल तज लीया दहन उदर लहालो राव आबु आ ॥ बलै जरंम वाद्या बन ॥४॥ जल हरान सकीया बालै दाख वलौ दुय रखत

गीतांनी दाव राख चण गलीया समर जग राख दुवा द्या अनराह
मह दु. माडा दान जी रै कहो माड़ा राणा जी श्री भीम सीघ जी मैं: कजरां समै गवी जोयै लाखौ फुलांणी माया हद बधडा वता भरदां जग मोणो ॥ वाचा उत रा होड़ का ॥ हो परहा वखांणो ॥ भाई सौढ़ा सुमरा ओढ़ा भीमांणोत जुपाइ जुस पेतो उड़ वाइ जांणो हैम हैड़ा कसा रस,

जाला लग रांगी ॥ भलौ ताघ धन घुपटै जै हड भारागी
बौक्रम क्रन दखीच भौज॥ बौरो वर तांगी॥ श्पाचां हर
चंद श्पब रीघ॥ खादो चांग॥ बल सांथौ कौथौ बौहत
प्रथमो वग रांगी पायां कहौ कासु हयै खाया पहवांगी
कसान कतुहल हौ कबा बज बीच करांगी मांगी गर
श्पवतार कै वाला प्रथमांगी भौला हाथ दब सांद पर
भात भुलांगी ॥ लक सरीखी राम चंद दीचौ लइ रांगी
जग पत माहा रांग जसा जग जुटो जांगी प्रपौ राज
चतुवांन सा परव चाढ़न पांगी नीका सीमा लौत रागुगा
नर बांगी बुदी हाडा चत्र साल रासा बीकांगी जोधपुर
राजा मान सीघ गज सा जौधांगी ॥ इमर गढ़ बीरम
कवर दौलत उधमांगी दै लइ मीर श्पमीर सागलां
होंदु वांगी ॥ जग जग दैव पुव सर कार स्पपांगी श्पासा
डा भीसा रसा पड़ पण श्पौ दांगी ॥ पड़ पण का का पै
खणा॥ मन कामड़ रांगी श्राथा रजपुता तणी गला तोरु
चांगी ॥ गीतां कवतां कह गुणी साची सइ नांगी
जहै जकारा जीतो श्पाबा रा वल रांगी॥ चंचल संपत का
सुभाव॥ नइ ला रुच लांगी ॥ मांनै जाका मा लहै
गाडी सगुडांगी भर भर बाथां भीम सीघ श्पाथां
उधमांगी ॥ जांयै ली कौचौ जती श्पाडी नचवांगी
नत रै चुला कौ जोर॥ नइ हौ चन गेगी॥ जोड़ इ गामां
खाव कारागार गमांगी ॥ गजं गामां ठकरौ गुण कौ
गवांगी ॥ फल जै नत लोडा हुया राजा फल मांगी
ग्पमलक सुबा उधमाद्या तु श्पध कोगी नज गुरजी माथ
कहौ ॥ माथै नौसांगी॥ कम चज जगीडा संभ रौक ॥ हह
कघ वांगी ॥ जाडै चा चालक पुकार ॥ जैसल मै रांगी
श्पध पत बंध सध तौका सुण जो श्पर थांगी चैत
सकौ तौचै तजो ॥ कौचौ चतांगी कहौ जवारा श्पा
जो श्रातु पर पांगी बीसल दैरो बीस कौड बजडो बैठांगी
श्पानै होची साठ कौड जग सगलै जांगी श्पाइ जु कमवा
जो ॥ श्पाहो श्पक लांगी सडल सकारां बैलजौ नाहर सुरां
जा दीथी जै जीतो महीडु जब नांगी श्पाजुदै संसार
हैं कबर श्पल पांगी बीजां सुपहां भीम सीघ श्पम

साचौ बांगी कर तब कीजौ ठाकुरै रै॥ रह जाच कहीजी।

<u>साखी दूजी:</u> एक रामै अवरंग फाकरी आबड़ साला॥ मुर धरडो मारु वालौ धरा नराला॥ मेड़तीया जोधा मलै भड़ भीम भुजाला चांपा कुपा महै, वचा करा अड़ साला जे ताव तनै जैत माल रड़ मलैर ढाला॥ भाटीयार झहड़ मलावर दैत बडाला मतो कपावै मारु वांकण खतां वाला॥ धर बाधी कीधै, डतां धर लगै काला मारीजी अमरी जोरै॥ कीजै धक चाला॥ कला वलां जस राज का सुत काढ़ सधाला॥ कमंध धम कह वाचीया वाचक बढ़ा साला॥ अवरंग साह अजांन बाह हट मकर हराला॥ राजा मुवा तौका हुआ॥ साजा रखवाला॥ पर तन चौभां जोध पुरं॥ कभा अज राला लगा लगा कबौ लड़ा कर जगो झाला पैड़ै पड़लां वांधी, आ धढ़ जामी झाला॥ खीज चढ़ै खुदा लमो नहहै धानराला खान नबाब हकारी आमै गल मतवाला चलै धरा बांगा डीया कुजर कमाल सातु हीचो की खहल चढ़ै चमरी आला दल दौड़ै पत साह रावा दल वर राला आण हवौ लोक परा धुबी आढ़ो चाला॥ हुबै सौरह वाहीया धुबै धुवाली कौम मैकल मांगरा राकै, पैखाला मोहर उमाहा राजका॥ हुडा खतालां जाण क्रीड़ जगा वीया भाराथ भुजाला॥ वड़ वडीया चढी आबढण पहर धक झाला कपड़ हात वाहदरां धड़ लोह कड़ी आल, कर माल का बागा चडी साला॥ का तर सुधा वर गजै धमगा परवराला दलीहे फज वढे खीया॥ तब जर जड़ीया ताला॥ पाड़ लाज पत साहरी पगौ पपआल सीभै खेत पुरावीया॥ जागौ जो राला कै कबै मांगा धढ़ गया वंदै वरमाला दुजा वलौ आदैस दरलुलां लोहाला रतै पुगो असात खन वहतै दताला जोधा वलीया जांण कैहर लोहाला आपण फौजा झड़ाया कै लैगा लंकाला। कुण सोहां कैडा करै कुण मर अकाल मारुआ आमुर धरा जीयै जग जाला भाइ बैटा सुम धड़. मोता हल माला अड़ी आगर वर अरबी आबरद उजवालां साह कहै, सुण असात खान अचरज बडा भैराजा जरावत भुचां चालवीया चाला॥ जाहो राजा

हुआ सब राजा आला ॥ गीत सम्पूर्ण ॥

गीत: जीव राजजी रुपनगर रा ठाकुर रो सगला जी सोदा रो-
राचै मनज सो खत्री नह रहीयो गीर रामो श्रम गयो
वर बोलै नहो उण मणो वैणी कीरत ~~भाला~~ भाला भेरु
कर सुचै कालन नकुस वारै ॥ काजल सारै नयण क्रम गुपत
गयो जीव सामो गण जोगण पंगो घडै जम ॥२॥ आदै
चतण नु आदर तो अतरी देतो उरडा वीरम तणा जसो
अण वारै भेख उतारै असो भड ॥३॥ कीरत रुप कहै अन
कारां पत बीजो नह सुरत पारु आ जीव राज केर
जुग आवै पर रावै मुखण पोसाक ॥४॥

गीत:— सुजड झडता वाढ न्रप बेहु अडता समर खत्री
अन देख म्रत वहम खडता अगाडी तणा भड खडे
अस आवंता पछाडी ऊपरा भार पडता ॥१॥ वेच चरती
तणा सगाय वाजीया ऊभै राठोड छत्र चर अरोडा तणा
बांच दोला तणा तोडी जता वातीया ढोला चीत चोडा॥
जीच वग तेस बैरी अनै जालमै अडी सत भड जे
देवै ऊगया लारलो फोजरी नातरा लुटता आगलो फोजा
वेल आया ॥३॥ सुतन अद्र सीग कहर अनै सभु सुत
भापडे बीयां जमन कुच लीयो बास लीमणी सु चणी
करडी वणी मोहरलो अणीरा मोहम लीया ॥४॥ वजाड
खाग कुभाप लावा रणां रैण रोणां भरतं त्रवार रखीयो
अमर नोमो करे देस दस उपरा वट अध्दर उधाहर सरग
बसीया अकवीया कर नोदान जी रो कहो लखु लाला बंसचा

गीत:~ बद नोर रा ठाकुरा प्रताप सीगजीरो आढ़ा चमना रो कहो
जणै चतो सुन मान आरख जितो मर गीर कहै रुप उमत
सुजस कलीया पतो दातार मन रजै पाता पर्रख
मन रजै सुपाता पतो मलीया ॥१॥ वहै रज वाट मत्र पाथ
वरीया खेरद मेडता घात जुध दला माजो ॥ रेणवा क्रमध
बानैत राजो रैहै ॥ रैहै रण वाक मध उत राजो ॥२॥
नारा तो फल क्रपणां बसंत नमाया ॥३॥ इढ़ रात्र सत चत
दान लोभ आया जस करां जैत खोजो प्रसन जाणजै॥
प्रसन जसकर बीयो जैत पाया ॥३॥ सारवता झल खग
जतु रांसा जा सभै ॥ समप चन धणा का जासु चारै॥

कवीयणा नाथ वंचै नौरूपा जाकरै सकड़ जाऊ करै सारै॥
मारा तदन सुजस रेरा बद कीयो रहै॥ परस गुण
रूप गादा कवीयां स्याल गतनै दत दीयां कुजा अखालो
लीया स्यालगै सुबत लीया ॥२॥
स्योया जी रे कहीयो॥ मन जाणै चढ़ हाथीयां माथै
खुर चौसतां जनम खोवै नर दी जाणी बात हुवै
नर हर री जोणी बात हुवै ॥१॥ मन जाणै पी कुपै मसरी
दाद सी बनी नीलै दार वलीस्यो सौ पादो कुण वालै ॥कु
घर रीलै खणरी चार ॥२॥ मन जाणै पहर मह मुदी फाटा
चावल लीयां फरै॥ कासु हुवै मन खरी कीया करै
जडु कर तार करै ॥३॥ चांके मन बैढु चौल हरां तायै
सुना दुढ तहै मोरा स्याखर कमण मैटवै कुदी लखी सौ
महल करै ॥४॥ दल मैं जोणै पाव दबावु॥ पनंगरा का
दाबे स्याय॥ कलपै कसु कसु मन कंपै पांणी स्यालेख लगो
परताय ॥५॥ मन जाणै पदमणीयां मागु गोवद बाचै पधर
गलै॥ मोडण हारै लैख माडीया॥ मैटण हारै कमण मलै॥
चल मैं जोणै हुकम चलावु॥ हुकम तणै बस नार न होय॥
साचोल खला खाकुण सोड़ काचा करण नदी सैं कोय ॥६॥
भारथ जाणै मुलन भागु भांजै पहल पड़ता भार सम हड़
हुवै कसी वद सुरो॥ कायर जे कीदो कर तर ॥७॥ गीत
करग करारी चुरै मुह वलै चरै कर सांगणो बैसन जकड़
साड़ मुकन गौढा पतै राम सोमा गीयो॥ मारकै भीप दर
बार माहै ॥१॥ जडा लग लाजला सर खीज का कुवर गुर
पला भगतो दला काढ कुवंर दाबो बुगल परा जाय कुगसी
वैहर चुना लजो कालजो बाढ ॥२॥ वैर का कालणो सवाजो
वालीयो प्रदल वदलो लीयो नको कुपार॥ सुजवत उभै
केहर तणो सोगलो॥ चौ बीया जन दमा बडा जोधार ॥३॥
मुकन संघ नाथ सरखा भडा मारीया खल हलै रूधर
चड़ गडु पल खाय वैर हु सजके मुकन जो दब सावै
जको पुरखां तणा सदा घरड़ जाय ॥४॥ कुल रज सधरै
जोय पतारा परां, घोणी राड़ रांमी जेके चुजै
प्रवाड़ा॥ नत नवा सदा खाटै पतो पतारा भुजा रण
जीत पुजै ॥५॥ स्याखर सवा दोन बारहट रा कै॥

गीत:- रांणजी राग सीगजीरौं गीत: दल जालै सबल खाग झलपै मज ॥ रजवट जलसौ खलरै राम होय लखु दतगा उरमा झल रांगो ॥बडवानल राजेस ॥१॥ खाग सत पन सदीह रपखु टत ॥ रमयम पेरवत सांक रहै ॥ जलन वसाहु उवर जगत वल वचे रपंग झाल कराल वहै ॥२॥ घट तनहु रैन प्रभत घट घग पीर सती जौ जलै पीछांण सायर उसर लगौ डर सालै जगरा जड बडवानल भांग ॥३॥ रपमर झलौ घर गुमर लोयां रपंग ॥ मचर तेज नह मेलै मांग रपरा पत सायर घटै रपावटे रजवट घटै न पायक राग ॥४॥

गीत:- चहुण सुर तांग सीगजीरो:- तेड जोव सोबल रपाज माता पैडा रोप खडा जुध पगा रेडा बोलण हार रपनमो बैडा उठ गबागल बगा ॥१॥ भालां खुर रपचाला भारत रवलां बागो सोक सरगां झौक उपाड दोयै खल झाला झाला वावर खाग करगा ॥२॥ रपईयो चाल फवजा उपर ॥ रै जग माह सबील रहला साह भुजां मधरी खहमै राम ॥ गाह खलां खग वाह गहला ॥ वील सभा पग डील लगौ वर दाइण फौज रपरीद सदुकौ ॥ नाथ लगौ सुर तेस नमै नर चौत नलो हुक्रो तन चुकौ ॥३॥ जे जन कोप उतावलै जुटो वावल फौजां खागव भाड ॥ आयो काम मही लट उपर चावल वंस चलांगा चाडै ॥५॥ लखतु रपाढ़ा मेग राजरा

गीत:- कौयारा माहा राव जी मै दुरजण साल जीरौ कहीयो गीत:- जंबक बाजय कराल गैणा गाभड रपातसा ॥ खाग दावा यतां रपाव खुयो ॥लाग बुदोत गत लोय ताल गाह ॥ रपाग बुदी जेपुर नगर जाग डटौ ॥ दु रपामद साह रपालाय धन दुद रजं ॥ झडता पराबा भाय जागी पांच बुदी फते संभरी प्रजालीं ॥लायक रंग घरां माह लागी ॥१॥ भीम तग सीम रज पुत वट मही भड ॥ घुत कौटा धणी कुचडी घाड ॥ जज बुदी समर झाल लौपा झडो ॥ घड हुडी झाल रपक राल दुढाड ॥ कभा पैदलौ उमौद पावैं चला । सबाडा प्रबाडा भाग साथैं ॥चगन बुदी फते का तीक पडै मुराडा चावैर माथै ॥४॥

गीत:- रण भाग साह तणा दल रामा जुग रासण रपलीयात जुई ॥ उसरै घास मुखे रपाच रीयौ हरगी लाय

दुबलो हुई ॥१॥ औरंग तणो सुरंग आडु टीयो जादव तै कर
तारण जंग मुडै तुल आलोया मेघ काढे ताय साकडै
कुरंग ॥२॥ वड बाहां देतै मुकना वत रेढडु मर गन खेलै
आल चांमरी याल चास मुख चीना मर गण डाल न लावे
माल ॥३॥ भक मुर जो कर तै भोयं तर वन चर उसर पय,
वेरगन सदनु अरज करै ने सासै ॥ सस आगल अभा सारंग
गत:~ चापात बलुजी रो आढा दुरसा जीरो कहीयो गीत करसौ
देस पर देस राव राण राजा करसा ॥ लोह लाखां
वचे आच लाग्यो ॥ पौल जगडु रेतण भुजा भडे पुजजै
बलुरौ पटो तरवार बाच्यो ॥१॥ आयरै पांण जै सीग हर
आभ रण दाखनै उसीला वसै दुजा करै, हींदु तुरक वनै
जोड करेग पालरा लागो कर माल पुजा ॥२॥ बेडु राहां
वचै नेत बाधै वलु वीभरै खेत नोसांण वावे ॥ भाणरो
धणी सोभाण रौभु कीयौ खागरौ खाटीयौ वांट खावै हुकलै
बाज वह तार सत ही डलै ॥ तेग हत पोलगै आभ तोलै।
वलु रजपुत वट पांण खाटै बरद ॥ बलु रजपुत वट
पांण बौलै ॥४॥ गीत:- भल भायां भलो कीयो माजाया ॥
दल बल साज आया दुरत ॥ गाया जीया जीव बो कुण
गत ॥ गाया वांसै मुया गत ॥१॥ सजीयां साग प्रीयाग
सभो भ्रम साचो कहै बांधीया सार ॥ वत जावै अभा
वाहरुआं ॥ लानत उवा हुदु आलार ॥२॥ बदैर अनै करी वात
बे मुख सुरां दैणो मरण धण धारीयां लाज को धणीय
धणीयां अभां जाय धण ॥३॥ प्राजा देवत प्रथी प्रमाण
औजो मोटो पणो अई भारत कट वडीरा वे भाया ॥ गा
वर खुदती गई ॥४॥
गीत:~ हलीयो कर अमल सदोरा हींदु भड कोरा लोहां
भडण अभीले चोसर चडु पौरां पुरो कहै जोरा परण
भाला पकड अचाला भारथ खल्ला घाव घाला रण
खेस ॥ वर ताला वर पंभव ढाला ॥ रंभ दोयो झाल,
रव तेस ॥२॥ रंगत तणा उतरंग रेला मुंढे खग झेला
मध्दर आवो आव भमर अल वेला उभो दैहेला अध्दर।
खसो याद इद को राखग भारा करीया रंभ रथ कपा
सकाज वतीया सौण पनाई वडा वव ॥ रतीया वन,

पधारो राज ॥४॥ छत्र लख अधक श्यां चत दीजा ॥ गज सुरां
रीझा गढ़ बीजां जसा अपने बार गना आलीजा मानी
अरज ॥१॥ जाडा धड़ां जुड़े जंग जेठी चाड़ा पुरी भणे हल
चाव गलीया पीयण गुणारा गाड़ ॥ अल वलीया लाडा
रुप आव ॥६॥ माले बैसन वांधा मांही कोल जुगा लंई कट
सोत ॥ अपद्र परण गयो अक दाई गल बाड़ कीधां
गढ़ लोत ॥७॥ लख तु आढ़ा गुलारा गीत ॥

गीत:— मरुं मरु करलो सादा अस हलो मारलो गढ़ब वड़लायत
तोग पारवांन पलो राजां नरो सरग रोपां मणा ॥ जीवी
यो जतो पोडो मतो जाण ॥१॥ वरै दूलतै वरै पुर भरै
बगल मान नरहै ससत्र जुध मांहे ॥ वडाढ़ी चाल ग्रह
चाल रण ताल वच वाह प्रत माल कर माल वहै ॥२॥
जोध पुर सहर गढ़ महल राजा नरै ॥ साह बीजो चसै
लेखसा स्यांम रोह कम सर चाढ़ कर कांम साच ॥
मुवो मुकनो उधो मार मारु ॥३॥ वर सचालो सलोधा
जकण वढतै कमध मारु मरु रहो करतो ॥ दोय सरदा
रज पुत खंत दोय दन पाड़ भड़ चार सुग लोक पुहता
पुत पोता तणो सीर कर जोध पुर ॥ मड़ाणो अत गढ़
पोल मोटी आस गोधणी मुकरो उदावतां रहो जानै करे
गयो रोरो ॥५॥ आखर गुलारा हैं पंचेरीया मध लखीयो

गीत:— मै बीजा भुप अनेक मांगीया माजां बार अनेक मली
सुत कस नेस वीर गुर संचीयौ कुज मांनारा सुत कली ॥
पौह दु जादे सांपर देसी जोधा बोह गढ़ कोट जाय मैं
राखीयो धुर मेड़तीया ॥ नर चवरी आबु भुखण न्साय ॥
नह जाचीयो अता दन नज भल ॥ पदम हरी खर भाख
प्रवीण मारी जु दुम जेम दुरभ कमै होयै भीड़ राखै धन
होण ॥३॥ इड़ कहीयो दाने आदमीयै ॥ संचीयो वैलो गर जसर
सुपह अनै गहणो सौ नारौ कवीय करामै नीयाम करै ॥४॥

गीत:— भीमा धना रो गीत खड़ीया तेज सीध जी रो कहीयो
सुणै मारीया धणीआ आकरड़ सात्रवां ॥ सुसरा वहै जम दद
खड़ग सेल मुकनरा रावतां तनी पर चुक मम्र खत्री कैहर
चवै लारवै लीखौ तौल ॥१॥ धनौ भीमो धणा भड़ मांहे
चसै सुरमांय चड़खी भड़ हेत रहै कनाहर चडर उचा

सर हलायो मारकै पतो हेक मैलो प्यौ मार ॥१॥ हेक नाहरया
र हेक गरलोत हद ॥ राव तैसो जकड़ो भलो रीस ॥ कलं
कलो राज वत तणो साचौ कीय्यो वलौं धा चल कीया
खत्री दस बीस ॥३॥ सामरो बैरलै पथी पुरला सरग ॥ सुरस
राकवै सरकीया साखी जोधपुर तणौ दुरबार कहसी जगल
रावतां चार जुग बात राखी ॥६॥ सारै अमर सामत तणौं
सीचलो सोवलो पचायण तणौ गढ सार ॥ वणी नै लोह
कीधौ जकड़ चड़ चौ ~~धाडै~~ धाड़ो डोयो समंद जम बड़ो
दरबार ॥ सोमरो बैरलैं पतो पुरलौं सुरग सुरस राकवै सर
कै साखी ॥ जोधपुर तणो दुरबार कहसी जगल रावतां
चार जुग बात राखी ॥५॥

गीत:- जुनो राणा जी श्री प्रताप सीघ जी रो :- गढ वरसो कुमल मैं
बड़ो गढ हालो कणो नहै कहर रुकण राण प्रताप
उपरा ॥ धाठ लाख खड़ो धाय सुर ॥१॥ धोक लाख धसुर
थाक पीरया ॥ धोरज मन मैवाड़ धणी ॥ भाम भुजा दरी
माथा वर ॥ तीणो राण प्रताप तणौ ॥२॥ चैट कप मंडन दै
चीतोड़ो । कनात धायो दाम करोड़ ॥ पग लगन कुक कुमगढ
चढीया धारहै धकबर प्रताप नरौड़ ॥३॥ धक बरे सुर धहाड़
धधको उदो धासीध सुतन धण बीर डंभ डीकरो नदी
दुजा जम ॥ लाज नलो पीकुल वट लोह ॥४॥ गीत:- राणा

गीत:- राणा जी श्री सांगा जी री घावड़ी चारण री कहीयो है:
सत बार जुरा संघ धागल श्रीरंग ॥ पाचालो कम दोध
पग ॥ माल चाल पांमी मद सुदन ॥ टप सुर घात नांखो
धलग ॥१॥ रेको भीम कुबेला धागल बोह तजो को जुक ।
बल प्रामे वेला पढै पंड सुल खेल पदा सोह खल ॥२॥
हेक बेर धरजु नर तणा पुर उलीयो त्रीया पड़तां हाल
देख जको कीधौ दर ~~जा~~ जोधन पढै तका कीधौ सोई
पाप ॥३॥ राम तणी तरीया धक रावण कध धरे गोद सक
मल । त्रीकम सोह पथर तारीया ॥ जग नायक उपरै जल
रुक राड़ भव माय धवतो ॥ धणरी कीधौ के धवर माल
तणो वल केवा मांगण सांगा जग नायक उपरै जल रुक
राड़ भव माय धवतो ॥ धणरी कीधौ के धवर माल
तणो वल केवा मांगण सांगण उभो सेल सुर ॥४॥

गीत: बदरीदास जी रो कहीयो गीत:- वणौ नेत बंध भड़ सदै
सांग वड़ रुपरा रण तणौ खेत रजवार रेम उपरा चढै
अचैत गेमेलो खांच परा॥ खेत रह दार सोरंग कमण
अपरा॥१॥ उसतै समाजु रधां कजो उवड कने चै मरदां
वडी वडी जुध नी चढै क॥ कहर जग वधु सण इस वालो
कड़क भड़ज सारी सखण सीख वालो भड़क॥२॥ जोरस
दुणौ सोहड़ उसतैजु जुखा डुयै हाजर दुरीया रजा गाढुया
दुद्धर लमोखी खातरह जोकल दुवा॥ दलण गढ़ नोकरी
खाज कण दस दुया॥३॥ सदु सगर सालो जसो जम सदन
रो करग भालो खसो तेज तम कदन रो वले खकवार
चक द्धणा द्धक वदन रो खाज रोन लोत्रस लोकणी
खदनरो॥४॥ पाण दुत तेग सोहोड़ा बंजर चोचरी लयण
मद्ध वेग चत खजर गत लोचरो॥ जगाया जसो मुचु
कंद जजर जोचरी केण सर खसो काला नजर कोचरी
मर्पे कण सांग वत खलाला जुध मयण जोर वर पगां
उपल भड़ा वाला जोयण लोह लड़सी खसो भात दीसै
लोयण दांत चड़सी वता खेत पड़सा दोयण॥ मरण
श्री रण तणौ तरउ पुसमा महो नाम च्रह जुहा रणे
जेसे खारख नहो कालो नास सीसेह माथे कहो॥ जमी
रुल साचतै मुग चालो जुहो॥ प्रलै कारो करग मुख
वयण परण रो चुंबी वरसु तजा म दुत सुवदण रो॥
कनाम चकर चवदै रतन कंठण रो॥ चुड़ रजु खसो
खार वकरे चणरो॥ भेर गर गोड़सा खज रहा मुरध
ग्रहे जखंदु मोड़ सजोड़ा खर गरट पाज सद जोड़सी
तोड़सी लंक प्रगट घात कहा खंत कर तोड़सी केण घण
रंग खसै जसै द्धक पंच सौर सारो दोयण माया उग
सकरै कुणद सारो नाप रण सर द्धक उडा वण नसारो
साहरण नपो खावै पुसम खसारो॥ डाक सुण केड़ सांभलै
घणो चुत डुलै खेड़ घार घाडु रभड़ा रो जो खुलै॥
कैह सर सलो मतलता मुगलो कुलै॥ खाग सहड़ा दुहं
जोल गावण गढां खन मणा चोह दुखा खाभय ग्रोत
उधार मन खोहट घणा चांपाण भालै उतन॥ दवालो बंध
तालै तपो पण दनै॥

गीत: सहस मलजी मैं गजउ झाल खुब तौ पग हरा गुमर सु रतन
चन पोहां उमैल हरां यनै कै सम हरां हसे वहरा लोयण
सहस मल॥ स्याठ पोहरां रहै यस यैकै॥१॥ वरंग बांगस
दकडी उघट बगतरा भयंक जकडी जमन बीयां भाजी।
जुध खडी जीव करनै सारा जैत खंभ॥ दजौ चव सट घडी
हैक धाजै॥ चन पोहां तणौ खुबोया चडाय समरां जगी
स्याधौ फरान रह जातै सरल झर मेउरा सह मतव
सायसा रहै उबा वरां दोह रातै॥३॥ बोजलां दला वल
वल खला वाहता रहै चन रागलो यन तर मलौ॥ मज
झटां हमर वरला सठ वैसहस मल भमर नव नाडीया
बोच भमतौ॥४॥

गीत:- रावत जी दुरसण संघ जी रे खडीया वदीदास जीरो कहै
सलह पुर सम्भ वजे मंग पतो स्यसटां सगत खोज
चत सोमती बीज खवतो स्पर गढां जठो खग तोल
स्यायो स्पजण दुदु ऐका दरा मह होर वतो॥१॥ कटक चक
चौल घण लोल आसाट कल चौल रंग चाढ ऐलम रे
चुडो स्याडबारा दल तखलां सर स्यानीयो॥ चाड जुध वात
नंद जेम चुडो॥२॥ जोगडा झडा चग बीर सर गवीजै॥
ताप पड कोगडा लंक तोड॥ स्पर गढां सागडा देण स्याये,
उधज नाग स्पह लाडा बीर नाई॥३॥ सुत केहर इत बैरा
कयावै सम्भा बखरन भग जारी रक वागै॥ मेदनी चाक
चढ गढा भाजै मजा स्पजाहण यण तणौ हाक स्यागै॥४॥

गीत:- स्याकुवारा ठाकुरा मैं खडीया तेजा जी रौ कहौ गीत है:
मुर चर उध पोधा पोरड मालां यरक उगा स्पाडंगा
चणीया बंद कीयै घुला पग पग मापै पुगा॥१॥ जस वंत
भगा तेज सो जुटै॥ लुटै बोल सलुभो॥ वाजीमो भोम
तणी उबोवै॥ यजन धणी कर उभो॥२॥ पापैत घतरां मन
कपय॥ दुरगव चतनौ दोघो कम चज बौलन भाय्पो कात
कुसलै धम चक कोधो॥३॥ उपर भोम कुम नीयांटे।
वरडे तीजी वैला मध्य करज तारणी जरड माला मडी
उखला मैला॥४॥ गो-जुध धाम मान नृप गोठ जका वात
जग जांणो॥ स्याप तणो खांभ दलौ स्यापो चज बंधी
जोधाणो॥५॥ यच्य पत इत रतवा वत चौडा दी स्पा

२५८

बचन जस दीजौ सुर चार माहबो स्पारङ माला कुसाल
राजस कीजौ ॥५४॥ गीत :—
गीत :- भीमर माहा राज कुसाल सीघ जीरौ स्पाढ़ा पाड़ खानजीरौ
कहीयो गीत : खैलै फराणा जौ ग्रंद बीर कनाणा भल कै
खाग पडै घणा सुर गाण दुर दांय पाल राड मै
फतै रो साद सुणौ जौ नृताप राणा खुमाण पसंगा
स्पाडौ मांड जै खुसाल ॥ चवै बैद भैद बलनै बैद स्परोगै
चंडी पावडै पाव मै हुयै स्पास मैद पुर सात्र बान खैध
खैद करो जै जगारा सोह ॥ सवार उमैद मुजा कुजो महा
सुर ॥ भल कै लडंगां चमु स्पलंगां मुजा डपखै पंग गाथ-
गा पतंगां अदंभ ॥ पीलोडा कमंगां यगा जगा जगां जौत
चाहौ खगा वगां माहा राजा मांनौ स्पडी सोभडा बर्थां
भीम पथां बांण यरपा गरथां कुज ॥ हपा खलां बाढै
चाढै सुर पाह मैस ॥ भार धारा खवा कधार हाडा होदुवां
भांण समंधा पुख तारैं सोह दुजौ सरा तैस धकै चकै
तकै सुकै स्पौड कै काचरां पोक ॥ मचकै लचकै मुकै
मुकै कौम मोद राडरा स्पावगा भार जड कै मुडडा रांगौ
सांमै लोह हकै खला डु चकै सोरतोद भाह कोचा चौलै
चखां मुधारा डतौलै मुह पाप भोलै बंब सेभ बखाणौ
चपा रंभ ॥ खगाराम बोलै सोन हीलोलै चोवडा खुर
जंगी होदा डोलै करे खुद सुजु हार ॥६॥ देखै जोम रांणै
राव बचावै कुरब दुणौ ॥ चोर नेदा उडावै नचावै बीर
चेर ॥ भारापां कुसाल जैठो बचावै गरीठ मुरौ फतै पावै
स्पावै जीत पीठ मैच फेर ॥७५
गीत :— श्रीमान सीघ जीरो सांदु चैन जीरो कह्यो गीत : प्रभा सोहै
बाराह डाढ यारौ हणौ पन गैस जुगादी मोहणौ देवां
नरदां जहांन ॥ नग माघु राणां कपो चढै वाद रीजै
नपौ मौजां जका प्रपौ श्रवै प्रपौ नाप मांन ॥१॥ डतरै
नहो पैठ ही रैणा वालोय दातारां ॥ जीत बालो सुदो
तारां कहो प्रपौ कीय ॥ श्री जलंध नापा री सांस पटै
लखै सहो महो दवा गोरा श्रवौ कमचां महीप सकारै
चमीरा हीरा चौखदी चमीरा पुज पोह मीरा भासैन चा-
मीरा प्रभाव चश्रनां कमीरां दौर नावै जौठ चात्र चांड

१३१

पती जौध नैर हुयां जमीरा प्रसाद॥ जहान रा आचार धानक-
माला दाता जैम करै आजा नरा भुजां कवादा कैसीस
नंद श्री गुमान रा चंरजो भुप मांन नामी कामी बंध भामी,
गांमां दान राव रीस ॥४॥ गीत:—
गीत:—सीकर माहा राज हमीर सीघ जी मै आदा चमना रो कहो
दुहा:- च्यार सुजस भुसर चवल् आकन वर अमर मतवै
कवला चार मन॥ है दातार हमीर॥ रै माहा राज हमीर
री हुवै न दुजां होम॥ देत पातां सर चार दीरघ॥ कर कर
हाला कोम॥१॥ चढै तरग चत चोजोरी॥ कपणा दुरग-
कमर॥ रवी आज सरग रपत्र रतो॥ हर गहक हमीर॥२॥ दर
सण दत रवत्र दुजाल॥ जग बांणी जस भुप॥ झलकै सग
तागी बदन॥ रज वट पांणी रुप॥ मर नारा भड दुजान
ववल॥ चत चले वचल हमीर॥ कीरत रथ वल कर कडै
है काल चवल हमर॥ मीलतो आसर आचार रजवट
चरम लरागा, करै मन चार, भड होड कैहा, कव प्रतै
नासतो वर जाणो कसु, जतै दातार माहा राज जेहा
रुन लात सांमा चन वान चक उचरै॥ वरै कीरत
अंचक दान वैलां॥ कवरसा अतै कुज मानका सुकरै
हमै राज सजुज मान हेलां॥२॥ समावै नै सण जभभ जा,
हण सकु जडै बैस दस दसे लग दुजस कुम्भो॥ रैस सर
वणन तरल वजांणो रवै॥ दुधीया जब सग लैस दुं
प्रवैन नीती कारण घणा वचारण सत वरत सुधारण
रीत साम्भी॥ तपै उरण सुपह अतै जेरा॥ रहो चरट
वरण जतै राजी॥४॥
गीत:—रावत वर सीघ जी रो आदा चमना रो कहीयो गीत
कव जांणी गरज कांम सा करसो॥ देत कीरत वांणी दर
दैस॥ तो चसमां चलकै सग तांणी रजवट री पांणी
रव तैस। जांणो नता सना तन जादा॥ सता तजो आर
सामज॥ पाल गढत सुतन प्रन पातां करण रीज अम
सकाज॥ मोह कमह रा उधर मानां॥ होड हनो जडै
कनडो अई उगां रहो आचत प्राजा जस बेचो जां
बांटै न धन नो था॥ सर दी दो गोकल गड सागर
कुल धारै कावर सधकार॥ वीर दाला दाटक कातावे

अबके करबा वर आचार ॥ अरबे भड़ला सात आगुणा ॥ जुग्धंबो गाजोगणो जुजार ॥ आज बीरद चारे अग लुणा ॥ दानव घत दुणा दातार ॥५॥ गीत :— दुहा:—

दुहा: बघता वर ताला बीसद ॥ सुकव काज सुघ आणा ॥ बीरद आक खचीआ बणे कर गोदान कुवाण ॥ रावत वगते वर रतां ॥ अतो भरोसो आजो बके दान कज बैचीआ ॥ कवीआ सारण काज बाचे जग दुणव बीरद कुल वट दान करीमे रावत वगता वर रखे सोभा रजवट सोम कठा लगा कवी अण कहे परखो बीधान बीचार ॥वगता वर अंब कीव गत ॥ सारा रज सुद तार ॥४॥

कवित:- बांटे लारवा वीत चीत कजल जस चाहे ॥पाता गुण कर प्रीत ॥ नीत रजवट नर बाहे, उगे जते अदीत ॥ कीत हाका जग कहीआ सदा तारा सर दीज ॥रीझ साबत मन रहीआ ॥ दल दुवे सीत कपणा दुभल सुण कण कीत समीर री ॥ कुलल रीत कदै न करै कचीदै पर तीत हमीर री

गीत:- ईमर रा परा वट गांम बीका नेर रा ठाकुर जात चांपा वत कुमांण सींग जी राठोड़ रो गीत:- ईमरर राजा चारणा सु सांसणी रीख चल कीदी ॥जदो चारणां रबा सतर माले गली जीरा:- दोय आछा किसंना जोरा कहीया गीत:- गढ़ पत को पीयो लोपण गमा पाउ चाड़ कुमत चले पाहर, करी जेहैं गम वाड़ो ॥ नाह नाहर बांका नेर ॥१॥ अद पत चम लोपे ईम रीय छोड़ लोभ सभां पै चरीयो मरण जैहैं चु चारण ॥ चारण कारण चांपे नसलो अण हमीर नेर सर लाल चरै लल चेरी ॥ रील सुधम गोपाल पणारी ॥ मुकना वत नह मैटी ॥३॥ कल सुभड़ नर बीज दुवे किम राखे बीज चात्री ॥ मागण काज गले हे माले ॥ खुमा जसा सुसत्री ॥४॥ गीत:- दुजो:—

गीत:- नह कीदी गोज करन कीदो ॥ नहन करो बीकम असीन राट ॥ आप मरण मांगणा उबारण ॥ खुमाण जेहो सत्र वाट ॥१॥ सुत रिव को चन कीच बीक सुल ॥ सुत गड़ पन करी सर सात ॥ जीव त्याग चारणा जीवा वण नंद मुकन जेहो नैचात ॥२॥ जोसर धत उव चवल उतरा पंडव कीचन कीचा पवार आप मरण सर वरण उबारण अचड़ चोपी हर जिसो अवार ॥३॥ नीय संकलप सांसणा वालैग लीयो

दे मालै धणजाण करन मोज दीकम हुय चडी खत्र वट लाख
गुणी खुमाण ॥४॥ श्री नर सींघ जी ॥श्री रामजी ॥श्री करनी जी ॥

गीत:- रावत लखमण सींघजी पालसी लोवाले रो गीत आढा धमना
रो कहीयो गीत:- बणीआ भुज भार बीनादी बीरदा ॥ दस दै
साभणी आदै वल मणीआ माप खगी वट मण घर ॥ लख
मणी आ कीरत लै वाल॥१॥ चालै कुल चाला चडु वाणा ॥ चाला
अध पाटतां प्रथमैण ॥ अल जसवा सद काला ऊजल ॥ लाला
हरी सुपाला लैण॥२॥ अपै जाज कुल जग नह आवै ॥ दावै
चक मोटो दातार साचा गुण पारखै धन साटै ॥ रावत
जस खटै रीझ वार ॥३॥ गुण पाता आखर गुण सुलटै बाभु
घटै सुभावा लैस ॥ मजो नै उगतो मोसर नटै कुकस भरी नरेस॥

दो:- काचां नह आरी करै ॥ घर जस वाचां चोग ॥
आदां परखै आखरां ॥ साचा लछ मणा सींघ ॥१॥

कवत:- भेटत अनेक यांन चार वत कीसो चाहै ॥ देत सरसी
सीरी उपर खन दांन मै ॥ जस अघ कीसो रीत रहै,
चडु वांन जांन ॥ दांन सुन मांन दीसो कीरत कहां नमै,
जक रज कीसो जौर कीनै हुन थोर आवै दल यदु रीसी
कहां दब दहड़ां नमै ॥ कुकव कहत सांच नांह मेल खो
सी कौडु ॥ मन लछमन कीसो बैल महरां नमै ॥१॥

गीत:— राजाजी बलवंत सींघजी मै आढा धमना रो कहीयो गीत
रो कड़ दो सहस गाम गज रैणा ॥ पोसा कांजर लार पना ॥
ईह गलनै अतो कुण आपै ॥ बलवंत नै मागी आबना,
माणक कड़ा मोड़ज बीत मोहरां पस मानां वांणक अण
पार ॥ अतरा थोक रोखरा आपै ॥ दुजो अतो कसो दातार ॥२॥
सोना कांम कठीआ मोतो नग जोतो सुरज अहनाण ॥ चढे
बैल बीजा नह चोजां ॥ मोजां समद कमद मग वान ॥३॥
परबत सुतन पाल गर पाता ॥ उबारण वाता अखी आत
सुर पत जैट कयै अघ सारो नर पत भेट मालवा नाथ॥

गीत:- भाटी चांदजी मै आढा धमना रो कहीआ दुहा मे दै:—
चांदै भाटी चोत दत पाटी पढीआ दुभल ॥ कुल वट खाटै
कीत नह दाटी दौलत नरा ॥१॥ नाहर अर जण नैट ॥ पाल
नाहर पुजीआ ॥ उण पाहर आबेट दत चांदो चाहर दो
चांदा अवकै चाहे जस कर होन अवकै जाचीआ ॥

तट नैभन्न नर नाह ॥ कुल वट जैरा खण करै ॥३॥ बद सीख चीया बीर ॥ सच सौदत रूप सांगै सघा चांदो तार चमीर ॥ जु साचो उर जग तणा ॥४॥ गीत:—

गीत:- बीर दै रखै दातां रुका चैतनै बांदी चीया सना तन सांचीया परम सावो ॥ चौदह चन गमै माय चरा चांदीया चांदी रपासु दत मत खाया चाको ॥१॥ कहै, भाये सरव सुकवि नह कह कैगरा मह रत पजै राक नामारां वैर प्रथमणी राज रपसा रपाचुरव चन ॥ तैण दत लैणरा वरद तारा ॥ तुनरो जैर ईण वार उर जग तणा ॥ जग पटै कलु रपद तार जुला वकै दातार पाता तणा वैचीया ॥ रवखै रपाचार सर दीया पुला ॥३॥ बीयाना हर सरव जाण ताला बीलंद ॥ जस लीया जकै दुनी रपाण जीता उजाला पणै सुपहा दासाई हगा उमर रपस पीया पाकैट रैला ॥४॥

गीत:- पीपलां ठाकुरां हीमत सीघ जी रो रपाढा चमना रो कहीया:- लखण रपागला भुट वातां करै लवालो ॥ कपण रपापां सचै रीजक मता रपाखरा नीगतां परख कीजै रपवस हम रैकै सुपाता गरज जह मता ॥१॥ उचरै सरज वाखाण बोलै चयला ॥ जोड़ कन भोजे मह राण जुगला ॥ रटै कुवी रपण कुल भांण चुकै रैखै समैरी जांग रपवसांण सकता ॥ तसमच वात दातर कुल रात लंक ॥ परख गुण वांन गुण पुजा बयण कव कहै जुज मान कैहर बीया ॥ दान रपोला लीया सुब दुजा नीत मारग वहै मण रजा वट नक गबै कवर जग जग जसुजस गाथ सार रपाचार चारे वरसो गुणा बीर गोकल तणा लारव वाला ॥४॥

गीत:- नौवाई ठाकुरां रो रपाढा चमना रो कहीयो गीत:- गुण नच जस वासु सुपातां गायो जग दुजो नायो भड़ जोड़ ॥ चोजां मचन दैणे ॥ धन चाहो रै कुनण तायो राठोड़ जग मजबुत सुजस रप जुथै ॥ मांटां चुत उपलै मांण दल सानुत वर्धै दत दैतो सुत कनक साचौ सुभीयाण ॥२॥ नैट पवन वाणो रपाल नासत नर सुवा भागो दक नीर ॥ कम धज तन भागो रग कीरत भागो भाड़ तागो चांमीर ॥३॥ कमणां भांण दाट कारण मण घर जस खरचा मटै सोवन तार बंधीया सुकवां

बीरम दैखो चोया वचै ॥४॥ गीत:—
ोत:- रावत सोभाग सीघ जी मै आढा चमना रौ कहीयो गीत:-
बचै चोगणो बीत मन चार दैतो वधत सहज रीज
वार गुण सरब साखै जगत साचा यर कसा नाइ रोज
सकरां ॥ दांन कजनु जुना कार दाखौ ॥ सना तन आपरा
तणो राखै सतम इला कीरत सुणी समद वाको ॥ समापव
आणो कुढ सुरत लहरीं समद ॥ चत वण वच तनहरणा अचाको ॥२॥
जण जणो सुब वसत दपै जालीया ॥ नरां नासत पणौ
मांण नवीयां ॥ चरम जवार जुना बीरद चारण कदैमा
चाव तणो नटै कवीयां ॥३॥ बीना दी उजलै माग कुल
ववहै ॥ दाग सुबां उवर दीरपण दवतो ॥ बैचीयां वकै वड
भाग सादल बीयो ॥ रैण वांका असो भाग रवतो ॥४॥
दुहा:- कसना वत उजल करां पावत नह दील पाघ ॥
कवीया चावत गरज कर सुज रावत सोभाग ॥१॥
वत:- तलोलो ठाकुरां मादो सीघ जी म आढा चमना रौ कहीयो:
सइ जामा दो सीघ चोगा रजवट वत चोयै सुंब
तोडै सीघ ॥ वर दत सीघ वचारे कानामी सुत
रुच नाथ ॥ बीर बामी धुर कहण ॥ सर तट हौ आ-
जांण चोज वल चण चहण ॥५॥ अदै बानां दुई चेली
अछल रजवट आसत राखणो कहै नह उदर मलो कदै
बीरत लो बांकड़ो ॥ गीत:—
ोत:- माहाराज दल सीघ जी रो आढा चमना रो कहीयो:- फरै
चोवला भड कुल जुग पवन फैलीया दल मया वावलां
गणा दाखौ उजल पाणो कव जांण कहीया ईला ॥ सम
रौ दला अव सांण साचै ॥१॥ रैणवां चरम सुपहां अगो राखो
बचण जस साखीया जगत बोलै धोल दत करै माहाराज
जस रद्य कीया दल कपण पाको अवर डालै ॥ गीत:- चौंडे
ठाकुरां दौलत सीघ जी रौ आढा चमना रो कहीयो गीत:
गीत:- नदै दांन अजस करै कपण फोगट नलज ॥ लोभ चन
वचै मन पाआ लुखै ॥ वचै सारा वचै सुदत नर
वाहण ॥ चुड रज कदै अव सांग चुकै ॥१॥ रुपगां गुणां रीझ
वार रजवट जगत जैमांण पद दैस दातार मौलै लुही
जेदा लोरषा ॥ इत वांचरै आचार कुडो ॥२॥ मौज जस

दाकरो सुब सांभल मदत॥ आकरो समै लख चसै उडा
वरसाल तणा रुवन गुलै वाकरो॥ चाकराव चतरो करी
चुडा ॥३॥ जका कसना वतां रीत कल जांणता॥ वयण
वखाणता कीत वाधी॥ आंणता भरोसो तुझ बीजा स्वजन॥
सना तन जांणता जसो साची ॥४॥ दुहा:- घटै नर क्रपणा
घणा॥ खुर वखा मै पात॥ दीधा उण दन दोलीया॥सो रूपोसा रूस
कवित्त:- आढ़ा चमना रो कहीयो श्री हजुर मैं भाषा:- अवद उदारता
विद्धार छत्र कोर पांन रांमा अवतार वाको रीत दर सायै
तैहै तेगन पिद्धार भार उनथ ईरंद ताका॥ केवेच्छ गिनंत
पार पापन लगा रेहै परज भंभार वज काज विभतार दीह।
त्रेता जुग प्रोद्धत भोबार दरता रेहै नीत निर धार न्याव
करत सरुप भूप तुरत मह्हार वार उपरा तरा रेहै ॥१॥
सेवयौ:- रीत रखै कुल भांन के री हको भारथ पारथ बांन के
भोर आरंत वंत ऱजेहांन केया लग सु आरत मांन के दैत
सुहारे॥ गारुग जांन जैते गुन वान के दांन के भवकल
ब्रंद द्वारे है भुज भूप भरुप जरां नके हीदु स्थान के
दूंपं भन वारे ॥२॥ गीत:—
गीत:- श्री हजुर मै आढ़ा चमना रो कहीयो गीत:- सोभा सांभलै
अवाका चाका पडै अघोर रा सुवां आपां चांमीर राघो
कालु टाबै इलाव बिना दो बिरदां रिचा बाढै हमीर
रा वंसां हीदु नाथ साजै नीर सीर राह साब॥१॥ रखै
भडा सुपातां दोवलां वीत वांटै रांणो धोवला समदां
काढै गवै कीत धाव आखै ईला सरुपेस अदली निसाप
खांटै पैज लोजू जुगा फांटै उजला प्रभाव॥२॥ दीजै मोढ
केहा रेहा भुपाल डाबरा दुजा दिलां उडा बरा लोधा नासतो
दुभाग पेखै नीत ग्रथा संथां हालै निरला बरा पंथा
बीजो जगो करै खीर आवर विभाग॥ ताबा उग्र तालै
आलु धराका राबांणो तेज सीसोद सुधरा लाखा फूलांणी
सुरेस॥ सभानां उधरा जांणो अदली ऱजेहांन सारै निवेडै
निबेडा पांणी दूध रा नरेस ॥४॥ गीत:—
गीत:- आरथै गुन परख वडाला आखण दण मठां भाला उर
दाग तगात सीग वाला वड त्यागी लख राला खाटंण
सो भाग ॥१॥ संमजै खट भाख गुण साचां अस ताखा

समं पणं च्यनं उरं फाबै ईल लाखा फूलांणी कीरत राह
काचौ कुट खत्रवट रीत मेवाड़ा रावै सुसबद लैण सवाइ
सौज इल भल पंण गावै रपौनाड़ा धूड़ाव वखाड़ा वड़ धौज॥३॥
दातारां पायक जग हाथौं सत व्रत वायक सूर ससी जस
ग्राह गतो सूं उर जगीया बिर दायक उजलो वसी ॥४॥
:- जुनो:- जग दाता रांण बार च्यन जग पत ॥ उगत कसुन दौसै
रपाज ॥ गांम गाम वणीया ॥ गढ़ वाड़ा झुमै गज राज ॥१॥
दलीया दलद हमीर दुसरा वारहु रपालो वर गव सालू
नेस नेस कवीण नांग लीया सांस लीया घर घर सुड़ालू
मोजा इद समंद मेवाड़ा मोर लुटालो दलद मरै मांगण
तणौ उजलै महलां काला गज सार सी करैं ॥ कवीण
भलां रपजाचो कीच्या करनां वत मोटै करग जग पत
तणा बीराजै जग सोर ॥ वह तार हताबै वरग ॥४॥ कवत:
:- रपाढ़ा चमना रो कहीया हजुर मैं:- बल दल बेह कीज जग
देव जेह कीज बीकम रपेह कौन भोज भोज तेह को ॥
हर चंद रह कौन सवर सरेह कोमान जपत वदेह
कीज रपवर कनेह को ॥ उच गुनरो झतै सरुप रान तेरो
रीझ कहालो वखांजे कव सुमत नवैर को ॥ उद चक सौर
कौनसां वन कै मैह कीजां करन करह कीज रपंद रपन दैहुई
:- कहत कुबर मन चंकन रपचोर वैकै ॥ हीरन चमीर कौ सपार
नथ टायदै ॥ तौ साखा नवालै येर मैरै मत वालै कौहै
जबर जदुर तालै जल खज टाय दै ॥ मोह रैख जांनै
मन मान कयेयंक कर अरजै दुरंग चक पोहरै पठाय दै
रीझ तन सक देत संकन सरुप जुकै ॥ रंक न कौ देखरै
नले कन लुया ~~सह~~ यदै ॥१॥ गीत:—
:- देव गढ़ राव तरचौ दास जो रो खड़ीया डुकमी चंदजी
जाला जैठरो जेहड़ो जगो बीज मेघ माला जांण भीम
माला केहड़ो कराल नेण भास चंद चुबे हड़ा कना उड
मित्र सुल चंडो बीरा रा चौदा सह पाये हडो बांणां
फूका सेस ताय वालो प्रबै प्रलै काल फुटी वार चीत
लाय वालो तूटी झाल वेग जमी रोस रूप जाग रपादै
रामी जांण तूझ करा जस राव जाग रूप तेग ॥२
तायणी भीमेण गदा गयंदा गुडला तोड ॥ पाबै

वज्र तोड़ हला नाग पती पांण कला दुज चंदमा नस धन
लाकली काती कना ते संग्राम बीजा मुखला केवाण ॥३॥ जाज
लो कुठार रांम उठै दलां दाड़ जादा ॥ अादीत चक ज्यू
उठै भाय जादा उक होड़ पती चाड़ जादा साड़ जादा
हीयैर ॥ चोराय जादा वाली नाय जादा रुक ॥४॥ सिरनां
बीजरी सचंडी फुकलाय जोत सार वज्र हला कला काती
फर सीब बार खलां चु तोड़ना खेत खाग तोखा पसु
खुटै ॥ हेक सप दुजौ जांणड़ बाई हजार ॥५॥

गीत:- महाराज सजो मे मोतीसर नंद जी रो कहीयो:- जलड़
भुखणं कनक पहरे घणा जसा जम ॥ दुणे दुकज साजमं
चढ चोड़ ॥ बरी सण आप कुण लगे बीस हुवसा ॥ जसा
महो अपोरो आतणो जोडो वट दोयो रे मुद्ध बेठ घणा
बरोबर ॥ गुण कहै बरोबर दलां गरबै ॥ कसन हर बरोबर
रोज पावण करै ॥ करे कुण बरोबर रोज करबै ॥२॥ पुच
सर पेच मोती कड़ा पहरवै ॥ करै अवदाड़ चारै मनां
कोम ॥ होड़ सावल सुतन नमी सारी हुवै ॥ हुवै नह कतब
करबा नमी होड़ ॥३॥ देव हर धुपटै हैक चारां दरब ॥
वसुदरा नगारा सुजस वागौ ॥ दत मणा हुवा तारा रहै
दोहरा ॥ एक पा राज साक नब आगौ ॥४॥ अथ नीसांणीयां:

:~: माड़ जी भीम सीघ जी आढा रकिसना री कही नीसांणी :-
श्री गण राज सभा पजौं अतउ गत उपाय मैं गाजे जस
भीमदा मोजा अथमरा पर निज कवी ब्याह कजतै
आरंभ धरां फजर सुपात लेड़ा वापार वांना फटा परधानं
पुगा हुकम कज माल प्रगटा हैष रीद रंग रंग वसन खुलं
वागां जहटा सूत फाट जर वादलो वस मौन समझा चज
राजा कीधा तयार पायग कद्ध घरा पाड़ड़ फौलस्यं
गारीया वेधा हड़ पठा जमा कलारां कीध जुग दूब माह
दूटा के गाढा अन घृत सकर कोठार कढा सो नेह परी
रथा सकाज भूषण भल लटा वाहु नर बंध मुहगा हुव
तेड़े जड़ तठा देदे कार दर सीया यले पर दस आठा
लोभी जस दे भीम सीघ लंका गढ लुटा खगी कुमेर
भंडारदा काय ताला खुटा ॥५॥ नीसाणी दुजी :-

:~ √ नूता हले छतीस वंस लख फरंद नकल ॥ पवण

अपछरां वर चार सुज आय सामलै भर नैर गढ़ जैसलमेर
केहर वहु मलै ॥ रतन गजन म्हो कम नेरस भण दुलह
भलै हाथ वहु जांना रुकवो उदो पुर हलै है कुंकलहल
वल वयाद गज राज हमलै जग बल जंग जिम सामलै
सुर असुर जलै पर भूपा वाण कजीया गजांण कजु
जोड लै सुकव समेला देस देस मलै आडी छडी न
दीजीयै खर वरन अपलै चोहला सांगह मौर राणजग
पत का चलै धण भीम जलन छव कर सलन थलै वळै
जीया गतीया गमड वर सात वहलै ॥ सामल हाकु कमे
मेर लंका धर सलै आभूखण रोकड उरड पाकेट अपलै ॥
सर पावा सोसण हसत धण हवदा चलै चोतर का मोती
मोहड रांनद चलै गढ़ गढ़ लग समदा कडा दुगो जस
गलै दातारा पाया हरख अद तार दहलै जस वातार
धण पातां अध पलै आभा भीमा जल आठ मोद रीयाण
उफलै ॥४॥ नीसाणी तीजी –
मिल मेला भाई सगान छरंग अमामा आया वीसो तर उमं
किव राज सकामा उलट भर धरा अपार उर धार आराम
पडेत भह मरूवे सके पोह सुजस पढामा आया वडवा च
उमग कुल पाठ करामा कुंकर मगा रांणी मंगा सभ आया
सामा मोतीसर रावल मिलै वीरम वरदा माइदु लर
वाडी हलीया उर हरण हांमा भोज पार उलटीया चित
सम रामां गढ़ गढ़ वाडा मगणा ढोलो गहरांमां ढाढी
लंघा कुल रावर तीया वडामा राज नटा मालीया समा
पट झपट रचांमा आया भांड उमंग चर सुभ सांग
सभांमा ॥ मिलै कलाभ तंबुर्क खाड पाया ज्यां जांमा अ
मुख भीम हुकम कीध्व जोदा सर जांमा जद कोठारा सांक
खुले आढु जामां आडी छडी न दीजीयै कीजै इत माम
जे आया पाया खेलां सकटा भर सामा मुख वाखाणजां
पता सुज दुग मुकांमा ॥ सुज तो वेला सीस वद जग
आरन जामा न्याय दम जोड दूसरा ॥ अर नह चल यल
नामां रै पार आढु पोहर नीघसै अरामा दुनीया उथ
भीम जस लगा दमामा ॥३॥ नीसाणी चौथी :–
त्याग सोभाग काज मझ ज्यार सरोवर सोनै पैमेर :

॥ ४

२पन देह जमी १सेर उझलका पूगा हक गज हलका उपर चोल
गर खरल कखगा परल मद चाचर सुज मद मता चमत
दता जोगै सुरजो भूसुडा वोटोया गह पड गह भर सां
असता सर पसुज भूपत नीसर राह छूटा भादव घटा मिछ
जोरावर सपातु भरी २पठले २पत हठो अपेपर वडा जुड
वलाय लाय खड पेडा उपरा के गढ दारा जूथ गज
खड हारो वसकार॥ धुवै हकाला पीतरका परखो भालां
चार मिल लडका मूग नेणीया चड कात जस चरा दल
झट पला सुदाय नाम नट झंप बहादर पढीया डीलम
चौले वानयम पढोया उपर सुज झलो दुया माल
कर पाय लोया साचुर बाय काला पहाड ईर
झाड २पपेपर गढ दहाड केहर पहाड मझ राड गह भर
आप सनेही पाकलां गजां १सेर राज रद जंगाली देख
लैरव सझ लाली स्यदुर॥ बड गज राज सुह वणा गण
राज बराबर कसे किलो बांकठ झूलजर दोजो जड
कस २पंबाडी हवद हैरे समनाडो कर घटा ठणाणाइठ
सचोर रणणा हठ तुचार झणणा झला कचोल भणणा
भमर सथ गारे कला गयंद १सेष राला सम सर॥ देड
ईसा वारण सुज सकारण सांगाउर घारण हवदा चोडे
उबारण पाखर बोहला सीम दुबाल जल सेसठ गढ
सम सर १केल दीया लूपीया उदक देदोया नवा कर
उणवेला पूगो हुकम साहणी उपर चज राजा त्यारी करो
साजा भूषण चर लाल माता झायता उछटां करता
तुर मुख रे लोणा चाडीया केकाण सरोतर सोनै छी
रूयें हरी रज साखत उपरा जीण मढे सुल तांनीयां
मुख मल दोजां जर पल कान गसा जायडे होय
भले काहु लार १सेर चम चमीया सौतरा चम चमीय
चुचर॥ फब गंगा धांगा सुमेर गज गाहा फर हर के
गढ चड हड उरट कर फड हड नासा कर॥ २पण
सजोरा २पोमलै २पसडोरा उपर माक फाला सीमलक
भागा भाला भर भडज सुल बीस्याल रोल बी बीखां
भर कीया फल बी ताखता कज २पबी कवर हर्षे जंग
कर माता राजे तुर वाई २वीलाल मोड चोम केवाली

कर लिव राजा दीधा ईसा धज राजा सुधर॥ हुकम दियाय,
रायकां आया तद हजर पाछेटा आयणो गला पेठ पली
यायर॥ बुगाद खेलोची देस वाले काढो धर वार मुस
कम जोडा माकडा सुरा पीतंबर भामड भूत भडंग संग
वन भूत उबवर वणोया डुकार नाद लोवणो डया डुघर
बाधु कारर वार बालट चकार वसतर॥ उचा धुड उलग
संग गीर क्षांग गड भर॥ फोफर कढा फेलोया पेड फेण
अप पर सुधरी गड गड खगड साद आवा जो इचर
संग बलका पलका डलन अत हल कई उर सुधनला
उरली बुगाल टाम काजेहा सिर चस लक नैसा तसल
केपै वावन उग भरता वहै॥ हत नाका वले देलर पोहचे
जीसा चांपीया लोको सा उपर॥ पर धरा माले आवण,
मुर धर कावर रेहा जुगा आयडे सम कीया सरो तर
कुची धर सुलता नीयार सम कुसणा कर॥ नेज नोखी
डोरां नकेल गल घाते घुघर चोलरचा डबा सभा फूल
वाबया भरे देव खेवांणा सार खाक फहुल वस भाक
जस कर नेज क्रिज चीलोड नाथ सम राथ जसा सर
रेहा डर समापीया ठेला जग पत हराहै उडा मोती
कडा सिर पेच जवाहर सर पावां भल डेल तभाया
डल डल जादा जर॥ वर सालो आगम लगो सोवन उड
सधर॥ दात हुत सन मान कर वाखाण वधो तर॥ मेटी
उगत मागणा बैठो चोज नकर तो सारो खो हुटा जूलूह
लासा गाहरा वीया कर करन होदु तुरक कुण तुम बराब
पुरखट वरन उचारी कीरत वडा कोकर॥
गीत:- वेगम कवर जी पलो माधो सींघ जी मे आढा चमना जी
रो कहीयो गीत: सरक प्रकासै दुती लोभा वदन उजलौ दे
प्रभली जीकण मेघ हाठो॥ न जावै चुकतो रीभ सुणजो
नरां मोसरा उगती कवर माधौ॥१॥ आखरां समज गुण,
गीत परखै अवस दुवौ गीत जग जस वास हाकौ वी
पाता दीयण न भूलै बोलालौ॥ लोका कुल पाट लगी रि
तारखौ॥ उचरा हपां सारा आलम उपखै धरा नर नह
भुज बीरद चरसी कवर बैबाइ कीव कइ पारख करे
कहो मीराइ आचार करती॥३॥ कौल सुण सबद आध

अगका अंब टसक वाघो-अयण लीथा टाली॥न भुसैरा अजा
हेर समनी तरी अरी देदान माहे सवाली॥ कबित:-
कबित:- कल गै ठाकुर बैरीसाल जी मै:- भालै कुल वट चाल माल
अगणात कर मोजा वहणो॥जोड़ बीसाला हाल भड़क मग
नौजा असहा माण उपाल॥ खाल रजवट वट खैलै उ
सलगो उससे॥ जब जस जुस रजौलै॥ कर भाला पार
पातां करण॥ पाल दलद गुण पैख तो उन्न भाल भरण
चढसी अवस बैरी साल वसै खता॥ दुहा॥ माधव तण
आतां मोहर पातां पीत प्रकास॥ पातां भल वण बैर
साल जग धाता जस वास॥१॥ पैट खना तन पायगौ दे
कायणो देरव॥ पांणा कन माधव धणौ बैरा घणो
रव॥ नर पखरां पखरां परव नौपणा॥ अखरां सम
अवाल॥ उजाल सह जोक धरां सकरां बैरी साल॥ वण
सरम भुज बैर सल॥ सुणो भलम जग सेव॥ धात त
अब कै पुगता कीजै घणी कमंधा॥ हमीर सौधजी
आगै ठाकुराम सुजस सचैला सधर॥ पुग खैला द
पाजां॥ अदन अमैला कवर॥ देण जौलो भर हामां
कवीयां सारण काज आज बदां उजवालै॥ जजतौ घ
जग जैहा बैट पदैं नह नालै॥ समै लार जौ पातं
सहज चैला वरण धमीर सौ॥ घत सुदत वगत बै
चढै हेला कमंध हमीर सौ॥
दुहा:- आद सना तन आय सु॥ हे चत अलो हमीर॥ कव
भुखां पालण करण॥ वरद उज वालण बीर॥१॥ बोद गं
जतरी वगत अतरी सुणौ अमीर आचां कर बोल रे
अजाल हीवरी रीज हमीर॥२॥ बाधां भर सबको बंध
आपा देण अमीर॥ नीज पाती आसी नजर हाल
हमीर॥३॥ कहै हमो डारण कपन॥ उबारण जस अक॥
कारण सर घर दीसा॥ धारण सुदतां धक॥४॥ तुब
वत कुलै तलाक दुलावत सदैरव॥ कवीशा धागत ग
कर॥ राक हाडा वसैरव॥५॥ अदत कोलोडा अवरौ॥ चढ
पकै न धोर॥ पुगत करै जर रथ पंख॥ हमकै वचात हमीर
गीत:- तला कसी सै धने कनर वण कुल वट तवो आग
ठरक रजवट ईराहे॥ नौपणा कहै अवसाण पु

नहो ॥ मोज घण जांण मह राण माधो ॥१॥ आस लीजो चारण
बरण उचारो ॥ रता चन वन वारण हजारो ॥ बीदंगा
तणो करण बकै तुचाव्या समभ डारण युघत करण सारो ।
नर भावतां रीत गरवट तणो ॥ कीत जग धावतां जोड़
केहो ॥ दांन दुणो होयै सुरव वर दावतां ॥ आद सगता
वतां वरदयै होड़ ॥ लोया भड़ सरम रजवट तणो लोयणं
हेल कणो आघो रीभ हाथां ॥ आगो लग सु सुणो तीस
आचार री ॥ बजै धुर तणो टंकार बातां ॥ दुहा :- साचा
नह रजवट मणा ॥ रखण अरादा रीत ॥ सगता दादा सारखो
जस जादा जग जीत ॥ माथा कव दत रीभ दत ॥ चतरो
कुल सब चार ॥ जांणां सत वत रीजतो अतरी करै
उदार ॥ कव कहीओ पारख करै, माधा आरख मान ॥ चारक
भुज बरदां चवल मन सारख मघवान ॥
गीत :- बाढो बीरहा कहर ढाक भुव चाक चढो लाकर रहो
धुर धाक चढु कोदमें बोल के कुबोल हुय लोले बहलो
लखा पै बागो आनक लारा नप लाको विनोद मेटो पोक।
गीत :- याजां झलु सांकां रीसो जोण बना प्रीआ छोडो सोभा।
प्र[illegible]ब भटो सीभ पच होडीया रीख ॥ तोड़ो चकै सफ
लांफ रीसो प्रव जावां लातो । साधुप वरोलो छोड़ो
परोसो सारीख ॥१॥ घटे पंडा उचा सव केण रो सुचट
धपो ॥ चढो चानां खेड़ रीय मापीजो रचा ॥ माफो बीर
हाता भंपो आदाव भेट रो माधा होडु नाप या पोढो
जोहेड़ रीहै राव ॥२॥ पारी कजण री जग दे ॥ तरो बोजरो
तहां ॥ मलयांचल चीजरों चरायां बारा मास ॥ आदा वां
कोा दांती धोज री येही ॥ हे जर हेक करो, भुरै
रीभ रीहो बास ॥३॥ साल गर अच खयो जाक रारा करे
तासो सोभा ॥ राखै हस प्रातो दुजा चढ बारजंद ॥ रे
मागल फलो चढु केक परीतो लोचा ॥ बोले दोय भै
चोतो भल फबा जद ॥ मारे समा गढ़ेरो भण वसु
मजा तरी रंगा ॥ नचेरी पालरे माधे पाह राणो सार
कवड़ कनो प्रीय खसौभा पंना करो क्यां ॥ दनो पंच
साल चीड़ा चाकरी दे साख ॥ उगै लार दुबरी धाक
राजौण पाठयास ॥ करै याव जाव लख लखदी के के

होड़ लाग दवा सालं खावतो कुद जणै हाता लंबीयाक
सुबा जोरथा आलेस ॥६॥ लेस गढे यागै मोड़ण नजण पावै
कोय कापी ॥ दोथी जांपा साही धोड़ी होद वाढ नेस ॥
प्रथ वाचो साचो साच समद जेथ रायगी दाटो ॥ पोह
बीजा जस बोलड़ा राखो जैयल पर ॥ कीजै रांणै भीम
सीध कीथो जेम क्या वर ॥४॥ गढ जोधांण दीवाण
जस बीकाण गढ कै तो जस जेसल मेर धर आबेर गढ
ऊौ रिव केहर नयर मुख पात उवकै भाक कव जेधी
रसिव पुरी रुमरय कड़के हुर हाड़ा नृप कोटै सहर बूंदी
जसह कै ॥७॥ वालक भाला चावड़ा बोघेल पहकै उभर
खीचो देस भदोड़ गढ गोड़ उभके सीढा छोड़ा सामले
माझा यढ सुकै पीर डुगर पुर वास पुर दहेन बांण
नप कै दत देव लीया राम पुर पर मार सद्धी कै धा
रतना गर भावु वासह लाणा चकै धावै वण उजेण
गढ धाटा कजर कै सोयर माचा हेडीया जेम चांम
जरके तम बुंदेला गहर वाले सुण सुण मुख तके ॥ दले
सतारा आगरा लोह लोदह कै मुलताणा काबुल खंधार
खुसांण मरके लग पुर बप ठमांण सुण सिर सुबं
लटकै सुज उतर दखणा देस भीमा जस भरवै
अगरेजी भाका अवाज कासीदे मुकै साटु दस सामं
दल गाहद लाध खटकै सुणै ज्याग सुदता हुल सुबां
मुख सुकै बीगद दस दस बोलड़ा भीमा तो वकै ॥ होम
ढोलड़ा जस तणा ठहकै ॥५॥ ते हजो खग त्याग दो भुज
डंडा भलो ते मुख मोसर आप लाज सचो सर घलो
तेख लभु भख पाय कै रिण पाय अचलो तेसलै
नाक नथ लीयो दत वार दुहलो माला धुको हाड़ तै
धुरी याकै भलो ॥ तुजेर मेर नभोलीयो धर फोजां
भुलो हला हमल्ला कीधं तेवार वहलो पेखे वीस पंत
विपत सोजाण सहलो ते धण लार धकी तदो भुज
भुसर भलो हु अवतार मडे सदा पख च्यार असलो
राणा जाहर धीर सत्रहां उर सुलो तेड़ै सर आसी
नदी कणारे खन चलो आश्रम चौयै आयकै न्याह
कोकला ते सो गुन भड़ माड़ीयो वर सात

वहलो गज हलका सुपरा गला तो आच उमलो तेज सवास,
कारणे हय लासा खुलो देदे कार उचारीयो नाकार नसली,
माहा राणा को तीख रोद कीरत घण मुलो तुर हीयो हेकल,
घडे चत वृतन झुलो भीमा जल कर ते जीयाग अप त्याग,
उमलो केल पुरा पाढो चवल चवला जस कलो ॥६॥
उमलो केल पुरा पाढो चवल चवला जस कलो ॥६॥
दुढ भीम खर वरन काज चारीते देहा तू कुल मेडण
कीत रथ तंडण तेहा तो सम वडीयो अपार नृप नह
चडीयो वेहा लगान तो अंग खारा लाल दालेहा ह
आचारा जेत वार जुज ढल वल नेहा हाथ रजीका
तो हुवा कह उण केतहा तुके दार कल कीयां अच मेटण
तेहा ज्या तायायन भेटीया अंग सुतक रहा तु तोबे
करमो सरा उमल तो अरेहा बयण अढगा बोल तु जग
रसिर जेहा चर तो तुदान चरख सुज पात सनेहा तु
तेर चक वारी रजीया गमंड सोवुन मेहा गज अस स
सासण ढाल तैरे ले रकेव नेहा तुही दुपत हीदुवा उज
वाल अरेहा तु रहीयो अप हड अनट अव नाड अदेहा तो
सारखो तूही जनह मोढ अनेहा तुझ भरोसै बोलडा
तुकई तेहा भलो दिखाया भीमडा जग जेठो जेहा ॥७॥ नीसाणी
संपूर्ण लखु आढा, कुवर म्हेदास सु किसना वत समत १८०
रा आसोज वद ३ बुधे वाचे ज्या रसिर दारा सुजो श्रीजी
की भिलल भरो वाचसी ॥
त:- अपूर्ण:— .... चमर॥ गावै अद्धर वेद भण गह मह कचरो परको ज्ये
कर ॥१॥ पसण कलह कमच पूरणा वण लखीया कुद नार
लगन जोगण पुरा माढ हीजानी जोगण पुर मडीयो ज
तोरे असत ढाल गज तोरण चढु दस कलल सामंगल चा
चोरी वडी पेखो पेच गते करन कलो चर राज कव
पोढ पलंग चाव सत्र पाथर रहे महल वच गणो रस।
तो नु दीयो हीदवे तुरका जसवत रामाय सेजस ॥४॥ गीत
त:- माहाराज वागत्रीय लडीया कुकमी चंद जी रो कहीयो:- राइ
स काजा अलगा सग्र दोड येकह गजा ताव तेज जो
मेहगा गजा तोस, उप हंग गाट पाट देख रीजे रा
राजा। वाग माहा राजा असो भोजो अोज हास ॥जे
सु कुरंगां रालेगा लगाव वहगा रो भाले चखां गंगा

प्रवाह बरीर भंग भैम कौल रूमंगा रो थोजह खापो
रूपाचलो ॥ तेज रूसो पागा ठाले बेगारो, तुरंग, जंगा जोर
वान वागां बसेलो रूपोलंकी जाणे, रूगा सु सार सेलोष
रूपोवा त्रोटक रंग। माठा माहा राजा वाला केदा दुरे लीरो
मांण सवदा दुरो से दीरूपो तो लीरूपो सुरंग, लाहा सुन केर
तोका सुवांहो रूमोका लागे सग्रातादु सोका लागे वेगेस रूमी
लरेव गार घोडा तणा रूढंभे त्रलोका लागे हाथा पारां जो
का लागे दुसरा हमीर ॥४॥ गीत:-रांणाजी श्री रूपरसीजी मैं

गीत:- सीहण कह वात बसीये सुरत ॥ सीहन मारें फडके सास
कल हण हास भाज तो जेर वलण न करै केहो वीस वास
नह रण जपै उभै नर नाहर ॥ रचीत पाहर मन भरण
पडै जामा थांउ भाज तो जाहर ॥ थांन खरर रूपोड को
पडै ॥२॥ सादुलो मन माह समासै ॥ सम्फ तणे सुख पुछ
सीह कपणो कहै ताहरै कहर रकेन वीचे पामेक पडो
कह ॥३॥ उदीरूपा पुरसी सीह तणो रूपट रमण सकार सुघट
सांराण ॥ सांण तणै परमेण सवारो रूपर सीचे पडीरूपो उर
ववाण ॥४॥ लोथ भाल नीहाल लेकाल नायक पायक वर्य
दोठ मुकै ढाल फाले सम्फ मरंग नाल खाल त्रप पायो नीठ॥
कासु वात गणी तो कहीये ॥ दुजो कोइ न रेग दुरूमचंद
कहै दीठो मैवाडो रांणो सुर भातणो उख ॥५॥ जंणी कलको
कल जगतो वत खुंमाणै वले लीधो सांच ॥ मघरै वतै
पल भरत सीहण गलोत कोई जसांच ॥७॥

गीत:- तल तल जस हुयो खगां सुर तुदे ॥ धुन सके वडुह
रासु चुप ॥ रावत कमण काजा सावर चोथो सहसा
रूपरजन तणो सहुप रज दुरूपो घगो भरी रूपो रज ॥
भलवा सुगत जाणी रूपांचेव ॥ सम हर भुगलो रूपण दस
सहसा ॥ दस सत कगम वांघी सोदेव ॥ पुख पुखह सोधा
सणी रूपोचट वणीयाजा रूपन कौत वर केल प्रवाडा सरका
रण कीसा सत हजार कर सुत परता पड. बजोडे सर
सुकरां गुधी रूपजा वसवी ॥ रुड माल ठपै भर रुद्र चे कु
माल रूपट भुत फबे ॥

गीत/- दरजी रूवरंग वणा उदो मज तरको सुजड कुत खग
तोर रोम रोम सीलांणो रावत संघ कपा लाइ

सरीर कलमां पत भैटे कारीगर कारी चावन हाथ कार वाल
वाल जुडीयो थारो तिय पेवंद थाये सतणी पर ॥ पंड गुरु
ताज थाहणी अस पत ॥ दुजड़ा देतो खलां दुख केस केस
संधीयो केलपुरा रावल अंबर तणो दुख सुत परताप
धणा भर सारा ॥ येलो जुजेण दुकान येम काया अमर गोदडी
कीधी जग पत गोरख नाथ जेम ॥

गीत दुजो:- अन रंग सुतार भैटीया आइव जीवत संभला खड़ सर जोर
बड़ रीयो करोत बीजलां कुत सार जुडीयो सोर ॥ गहवत
साह मले कारीगर ॥ माथ वसु तन मले नर माल धड़
चेतन मुहेड़ धाराला अंगी याला जुडीयो अपाल अवरंग बाड़
सराहै कुसता थोरंग राये नार चमक धज वड़ धार वह
मीयो सो घाड़ घड़ जुडीयो कुतां चमंक कै मर पार फूटतां
कांयो जस खोटो बाधीयो जुवो जंद जुड़तां लाड़ दल जाडो
हाडो दलो कवाड़ हुवो ॥२॥ गीत:- ग्रहतै सात डोर जग
सधीयो गुर ॥ बोहो मोजां बद अनला वल गुडो जग
कुपर आहाड़ा कीरत गुडी तणो कल खव किंव मुख जापकार
करंती ॥ पिल दुला वंध गयण अडी मेर सखर कुपर मेवाड़
धंग जुडी गुण बाण चडी करन सुजाण चढी तो करगा
कल दुला गम आगम कीया चाडी कुमंडल चीतोड़ कुवाड़
कजेम ब्रहम चीया बेद बखांण राग धग बाजे अखल
भवण धण सुणे रंभ रांणा अमर घणाद नर ईसो ॥ जुग
जुग पांणी धंग जाम ॥

गीत:- गजा कुचौ: भुसंड तुम धड़ड़ै पाताल गोम धड़ड़ै जरंद
कड़ी कुड़ै खड़ा कुर ॥ भुदरा वाचड़ै मुछ गोम रावां अडै
भुजा साले मोत कुसु चोड़ै लडै माहा सुर मेरे राकठ
रालणा जणा तणा मले लुजीया वहुटा बांण समठान धीरै
कुणसी तवै रोहरा तुणा सुरां देणा रंभ ॥ गोपाल राजुणा
बाणा गाजीया गरीठ ॥ गैधांणा आरांण धांण मपांण नीसांण
धोघ सुकै डाण सुडा उमा बोदुड़ै सदांण दोवला ववांण
हडै खड़ा गोर बांणा देखै भड़ै दरबांणा हुत होद बांण
भांण वदारै चीतोड़ ऊगा भुड़मां सधारै भीमा हल
कारै ताता भड़ा मारै खांण होद सहारै दुर दाहो दाड़
कार धरारै आटै सतारै वकारै मारै नगारै सीसोद ॥

५८

दगे नाल बगे रीठ जगे वाह, चहु दसा माल खाल उपदर गेपंग रंपे भाण भगे भंगेत कुप जेप गेनांरन भाला॥ खगे जगे रंगे नंगे कुमंगे खुमाण वपाड उघाड रुखाना रंगाढ काई धरा उपदरां वधाई सुरत घाई प्रोसाप॥ सारी पात साही सरै दखा इम रेड साचो पाइ फलै भाडु वजाइ प्रताप॥ गीत:- श्री राजा सीघ जी रो भुला साईयारो कहीयो गीत:

गीत:— आजुणो वार संसार इलता चोरंग उपमर खुटंत चाडे, वड वड नड गज सीघ तुहारी नाह तणा आभुषण नाये॥१॥ पग पग लगै सरीखी पाये लडा तडात प्रीत कांछणा होये सरजा नहीं उभत मास लखा॥ दोये पासा नासा नग दोये स्रवण स्रवण कुंडल सारीखा आख आख प्रत आंजण येम सभ्रम सुर तुहारी सम वड जुडै नहीं नक बेसर जे येल उद पत खवला आबु खग पोड बीया नर बीया नं बीया अनेक॥ नासा अग्र मोती नव सहसा॥ हेकांण वै पैतु हेकु॥ राजा तुम्ह समो अन राजा होड बीयां नर बीया इसै॥ पांणी इड पहरे, दहु पारना॥ नासा नार जुडै न कसै॥५॥ गीत:- आढा पाउ खन जी रो कहीयो गीत:

गीत:— खुटा पराणो उनता दीठा जुराणो कुखेड खम कयोला वरां दुटा मदां काल कीर जेज दुत तणा साणो तुहा गैण वज्र जेम रांण वाला कुवै हाणो जुटा आगा रीठ॥ रसमो कुर्णं भतो सोबतो संदुरा रेख सेत दंतो दंतो चंद गरद समान कुदरती तती चरखां रतो भाल पुला ओढ चीतोड पतीरा जुरा इसतो जोगान॥ हैड लाइ मला टलां जुम्ह मलाबा जहाक पोगरां नव लाट लाभलो भला पांण साट सलांदां लाभो खापाडीया वगाला कुं अडीला जव लाग जाम चायो आरांण उदका केद भच बदना कुहै॥ मच काल चढै जमो पसो माम हकी हकां खांडे राव चत्र वाय सावणो॥ सार खाच घकी चकां जुटाने सग्राम लमांण उद गात खेलाण लंगराले खेद कुव लगा बीम बाग जोम खांत गाजाला फुलंद जे सामंद उपत गोती भद जांती नागा रुद वागा उसी भांत चहडा वभु तरण दुगण कोयेण चौल॥ कु दटा घरा चक गातमे अनुप॥ लंगरां लडहा वे उनही

पठा आडी लोह राण वाला जुठा फोल जुया असैं उप भता
भता भता भता जांनैं माडुलां पुलारे चोठ॥ तलावे जुडला
बेग जुटा नरा ताल बेखता घुमता मदां वरता उपखाडै बागा
छत्र धारी पता वाला तुमता छछाल॥ संदुरां कपोलां बी
चढ वोला खलकै सोण गिर दांगै तुला मचे बगोला चोगांन
दोव लाद वोला टोला आोला दोला प्रपो देखै॥ मचोला गये
दावाला चुजैं आस मांन॥ चुवा घोर चरखौं सबखौ छुटे थांम
थोम॥ भयांणं को देख मुखौ आोछाडौ सोभाल कोम सोवाजीव
फोल चोल चखौ पबै काली॥ आवला चडु समुखौ बे पखौ
वुजाल॥ आदीलां बेध दुला बीला नसा जांम वुबै भै
भीला नडै पाव जमीला भयां न पोला वानां कोसा दुरा
खलो तास गाये पुला जोला राउ खेउ राये बधेला जहांन॥
लोखा दब वुलारे वुवारे लुण जेडै लोहा अनतां सोष नांत
नांगा तमैं अनुप वाघु कारे माडुला वुलारे आण ठाण
वाधा रांण वाला वुबै हुलो बीजा जलो उप॥ गीत:-
गीत:- राम सोच बीकारो थांण चंद बेलोयो राजा अपो राजरो
कहो:- सरणाइ चरण बखाणै सवदो मन जोगो जोहा अमर दांमा
बदन बखाणै रामा डरत बखाणै बैर डरो साणो सुर तांणे
रांणे रावे होया वेन रखैं खत्र धर अबर खुद चावुनो लीडा
हरान तुम पसैं तो पण कलीयाणोत नभैं तन राखण मनह
कण रहस टेक कणो दुजैं नह होवै पल जुग चोथैं पांच
वस मोठै जगत जांणीया मोठा कमध जला हरा कत बीछ
हरा बांणी: अव तारी सो मुर भवणां माहे अन्नत नात समद
पथ अन नारी॥ सलख कलो चर कुरार सुणीयो जो बांधीव
सुपे खण बेयो जो बांधीयो बर लाखां सरस पुयण लोहे
सर सांडी सरसी सहल डु चमी रांमा भारो हत सत्रां
नर डीया नाट सत्त पंच पंच वच पंच वुमै पुण पंड
ताहरै तणो पर कार जै ताहरा जगत जोवंता॥ हारे नहे
बखाणण हार॥ गीत:- ठाकुरां डुकमी चंद जीरो कहो:-
गीत भांण चंद बेलोयो सेखावत भोपाल सीवरो:- सरणरां
जण चरण बाखांण मुनक रै सद दांन वाखाण खिवर
हाण देवी कला धर बदन बाखाण तरणी करैं करैं रठ
करग वाखांण केवी कलम वुत राद दखणाद दल

कोप तै छत्र चारण रो चतै मांन छोजा कहर खुनी
सबल साल रावै कवण बीर तो बना रायै साल बीजा
पोष अव बनद गत चांन पातम अगम अघोष जल
गन रपड़ गन अपसीगो गांन धुन मत चरत दले दबता
गगन जोग तत जग नमत मगन जोगी मत गह लकां
तुरंग तबेलां मुकत मण पर मनच माहा सच समच
अण पार बांण कोड़क कवंद पोक कीरत करण दांन कोड़
जीक दातार ॥ येक चव पंच खटन यद हमारह सौच
सुर सत अगम बोच सरसै अंग अण डोल अण मोघ
सासण अयेण वयण आसत अमृत पोष बरसै वदन
चंद्र कला कर कंज कोकल बायेण नता बण जेह मध
यिण आनुप ॥ छटा धर रुप लख कोम आभ रांम छब
भांम भरतार चावै करण सुप कलह दल संधा पारे
पड़तां कड़ै बखम खल अछै बल भीम बाधा पड़ण बंध
पोप खग करग कापा पड़ै भेर अंग पोय कुड़ पड़ै माथ
परांना कसन नंद चहु बचहु अचक चोज बाना अपार
वरद पड़तां कहण ससमथ जगत पार लोटे कवण पंथ
वुद राद गुण ग्रंथ पड़तां ॥

गीत:- भाटी सुरत सीघ रो रंग रेला रो कहीयो गीत:- पंखां
अरमाल बणी सुर तांण अणला सतीं माल पासै सुभ
साल जसमाला पासै रवेव जोपै माथै रंभ तणी वर
माल। वह बीवे पदह बाकह बावर, अर अंते वर रवेव
अदर, मोटो रम बर पासै सर भलीया भाटी सर हर चार
भर ॥ रोस रीज सुप टाकां मारस ॥ भुज लगा अंगा सुद
भाराथ ॥ गीत:- छतर सीग जी में पाढा चमना रो कहीयो

गीत:- दुवी कुमख न प्रमान पातह लोहे जमो... कजा भले
गाजे बोहर छोप्पो बीर छत रेस असहां जलो बर
रैण ॥ वाघ सर कलो आरांण वागी ॥१॥ आग बप छोर
रवेक राल चम खराबा ॥ लोह कड़ झाल असमांन
लागै ॥ सीस भुर जाल बांधे मरण सेहरो साचीसो बर
रव ताल वागे ॥२॥ हाथीयां चरक नीसांण दल गलीया
रैण गरक गाथो धांड़ कररडी आ॥ छातीयां चाट दुसह
पर छतारां जण वगत पातीयां काट कड़ीया ॥ ३॥ —

हासती जोग रांणीर मैहा लरै लुभाणी कालरै अध्दर लारां
करग गज ढालरे मथै चांपो करै चड खेरे लोलरै फुल
चारां ॥४॥ ईखबा खेल ताली सच्यां उधेड बजावै कमाली
डाक वाको स्रोण खाली भरे नचे कालो सगत खाग जर
अताली रमै खाबो ॥५॥ भांण रुक गेण रेहो, अोत रह मालक
खचै खहो अोदलां लग सखाधो आवगो मरण हो'यो तठै
हठा उत जठै रहीया पंगा दुरंग जालो ॥६॥ बर अध्दर रा
अजा दातरह बरेजे खरे जेज नेबा जो सखा पै ॥कर करड
पाव भड सांमहा करै जै मरे जे चरे आसेर माथे ॥७॥ पीयो
गढ सुदढ चमरा दुभल पावतां इला आडबरा मरण डगो
चाढ जल रावतां परब समरां चमु ॥ पावतो अमरां लोक
पुगो ॥८॥ गीत:- आढा चमना रो कहीयो समरथ सीघजी रो
गीत मालम सीघ जी मैं:- जबर सचेला जगा अण बारका जो
मरद ॥ झलै गज भारका नेत जाडा ॥ समरथा बीर जालम
अनम सरखा उभै भड भारका साख आडा ॥१॥ सांम सुख
हांम मंड भैद साधार रा जका परब धार रा करण जौबु
भैरव तज सावत सीह गज भारा दुभल भड हार रा
कौट होनु ॥२॥ उरैला अणी तीरवा भड जहा कवा ॥ कलह
झल डबाणी रूक जौधा ॥ साव धम परीखा सा धणी
जांणी सरब ॥ जगांणी सरीखा हौय जौधा ॥३॥ जौध पुर
भाल अकबार जौपुर बचै ॥ सबल बर दाल पांण पस
घाला ॥ जुध अनम दौयसी नगाल उभा जगै चाल कुण
कैरै कर माल चाला ॥
कवत:- तुचो सर कर तांणा सभै अव सांण सचालो मांण
तजै खल मठा ठांठा सांभल बर दालो ॥जंगा साख जग
जैठ ॥ नैट पावै भड नांमी ॥ तौ सरखा बल तौल ॥ वहै
जुसर चर बामी ॥ सुभी सांण पणौ मालम सरब ॥ बायक
बांण बखांण सौ ॥ कव तणौ पुगत भालम हौय जालम आलम
जांब सौ ॥ कीध्यां पकां नाम जादो के..... गादो माथै दीध्ये
पंच हजारी गुजाये हुकमी बांणी सांच लायो लोक सांचो
नाग लावो दले सांवा लो मांण मोर गाडे दुर बद बजोड
मलायो धको चाड हाथो माथो डाडो सहे तोर लाये
चोका माहे खुद बाद बरोले गोणा गलो ले बीर

खगो चुक बातम चोज वो चाडो पेस चाडे, दलां खाडगो
तदो रवी दाखी देस चगी दाद ॥ माडगो तनोरवी बातां
राखी भीम मारे ॥

गीत:- चौरत सीघ इदा को:- हालां साच वीरें, चड हाया होडै ॥
जम रीडा उत कण रै जोडै चंरवतें बहो पहलघ मोडै
पोडा वालो पैलै पोडै धोगन रहीयो धार धकोदा जाड
पीलु भाट भडो हुग लमा धुप रखाये गुडादा ॥ ईदै
आभ लगाई ईदा अबेरां चत्र गडा अर बदा बलै कोर
अससो करो तो बदां होमत रावण हद बेहदा मुर धर
सुरां छत मरदा ॥ चुडा चगी तगी पर चाडै गडलो दो
दा चड गामै लख चौरें फोजां रै लोडै बरद जके
अजगो लो बामै ॥ माहा राजा अभ माल फर, सस जाल
नाम रहावे आलम सीदन आवै जौत तगो लख चौर
न जावे सुरत सीघ कला दार को गीत भादा मोजीरो
हाडा कसल परपो सो गजो मै गीत:-

गीत:- बाजु सोहो बाजम सण कोडो बीजडो बेध चांच साबल
बदण ॥ हंस जैम गलीचा राव हाडै कद वाहा कोडो
केकग ॥१॥ पर चज राज डाड नत मालो दै दे तुम कुत
अद्दल ॥ माथा हरै मांन हर मोती गलीया चौरट तं
गत ॥२॥ अस पाखा आवर चज बावत बावर मुख आवच
बोरवम कुदा हडा सतेल जलज ढग ॥ जेखल भखीया
सुचल जिम ॥३॥ कुतां बोच अबोच कुरभा जोख मीया
जारीयो जंबण पाखारी फो कुसल हास पोधल मोटै
गढ कोट मह रंग ॥४॥ गीत:- राज कुमेद सीघ जी में गीत

गीत:- सधरा अस नांन खाग चारा सर वट दार वक अपूर्ण:-
लडरो, दीरो याव व्रण बतलाबा कीरत सुण आया सौ
कोस पडडै तु राजा पारपो वत दीया याण कुल जुगा नै
दोस ॥१॥ केहो बार कीया कव राजा चज राजां चज
राजां रासण गज चुन तवु तर काटै वड तगो ॥ जेत
हरा कोई समेज कुन ॥२॥ वर चतै नहो कदै बगल
इह गजा च्हो बेर अबेर मारो बार कण पया मांह
फोरी बात सुकन रो फेर ॥३॥ बोरला दत कन सण बो
पुरा नजी दातार चद ते नुर उतर भेर नजावै अहलो

खणी बीच तणो दसतुर ॥४॥ मै मोगणा कासु बल मोरो जग सुणु रोन भाषा जोह मोदा तार ग्रार हेमलसो दीवा राग तयो वहो देह ॥५॥ गीत:—
सत जुग रो चढन बता स्रो साचो गुण हमाला सो देर घणो सत जुग रो चढन बता स्रो साचो गुण हमाला सो देर घणो ॥१॥
स्पादो राणा फता स्पाणो स्पो पादो भीम जवान घणो ॥१॥
दत जादा वाला बत देवण भुज वाच्या वावला कुल भाण पंड सादा वाला जुगा पालणा पुत्र दादा वाला स्पह नांग॥२
तयो कोड सावला सजन तण ॥ भाला हला कुजा तीर भचा॥ बीचो कीया बीलाला बोतर बड़ कोरा चाला चर बीच॥
राण घर मदो दुरख वाला चढे गुण चाव प्रीढत भुज चरीयां प्रत पाला सुज परीयां वाला बाला साभाव ॥४॥ जुध भुग तो मध वान सरो गार लख बांगा मुख सुज सलहो मांण ते चढते तय भुरा राण कोड जुग स्पमर रहो ॥५॥
१५ ग्यांन रतन लिखत ॥— गुरु असतुति दुहा:— बुरो बिना सब सुभ करो ॥ उरे परो निकाम ॥ जुरी चाहे पर ब्रम सै ॥ पुरी गनेस नमामि ॥ दीयो ज्ञान वेदांत को ॥ लीयो तत्व को भेव ॥ नयो कीयो मोहि जनम कौ ॥ जयो गुरदेव ॥ सत्त मई सांति मई ताजे बता कीयप ॥ निमो निमो पर ब्रह्म कुं ॥ चिदानंद यक रुप ॥ छंद दुमाल का:—
गाम तैं धाम सलान कीये दृढ मै भली लीये जय संकर ॥ तोख मई ॥ मन दुगे प्रीती ॥ भोजि नये कही बार भिक्षाटन ॥ कर नित सा सुन आयो रितेजो तो ॥ लो बिजोया अपने उनमान ॥ बाहै जावत केक पुरिंदर बितीतोया सुख के यक ऐकुर पै ॥ मद मस्त निरंजन याम रीतो ॥४॥ ताग दोर जग कीर चना ॥ दृढ पंच बिसैन कुं हस्त कीये सुरला पद कुल ॥ धरे ॥ ब्रीचे तंडरे ॥ दुख हानी न लाभ अमोद कदु निर बार सरीर कुधी धरै ॥ चिनहे जग समंबर मान वते ॥ तरके धरते गुजरा न करै ॥५॥ सपूर्ण ... भत भत बत प्रभत पणत बडु भूपत सुर पत ग्रोहि पत नृपत सबै हसत कनराय लंक पतिय जय हट ॥ यह ब्रत गुण घत ममत सबै कत कत जन देस सुमत प्रत सोहि कत न खेत्र प्रपेय दुज राम नडे आये पुर जनक धनंकु ॥६॥ सुभ कन कहै वचन लखन नन संरखित चिन चिने रघुबर धनं

सधरो पुनि रखो छत्री ध्रम जनक बचन पर ॥ बिसन सुध
निसिय बेग वरो धीर तन हीर कोध्न बदन चख धुमंर
मन मोहन कर मुध भुडे आये ॥८॥ भट पट कसि कमीर पीतां
बर भट पट भुकुटि त्रकुटि वहें बीभ भेट कोर हाक भयर
चेना कग डुबै कोर गगन डुंद घट जैत गडे आये पुर ॥८॥
भलललललि प्रबल रूप धीर चत्र भुज कमल नमल द्रग
साइस कल हले वल गल माल मुकत फलाहे डुल ॥ कंन
कुंडललल वल कमल आनख संखु चक्र गदा पदम धा
जलल मुकर मणि जोति जडे आये पुर जनक धनंक
धारबा काजी अमर अमर वर सिबर अंडे जिय अमर वर
सिबर अंडे ॥९॥ छप्पय:-
~: कल सरी जलल मुकर मणि जोति प्रगट उदोत अप्रबल
कंद वर विसाल कोटि कोट कोटां तस कोमल परम रूप
अण पार धार कोदंड चक्र धर करत जगत जयका
बिस्व आधार सिया वर जनेक सहास प्रण जिगन
स्याम सुर नरस घरो भाणे सेण साहेत रण छोड भणे
राम चंद दसरथ रो ॥१०॥ अधक नयर आनंद धपी आनंद
गहु पुर इंद्र चंद डुडे चंद धरम जोग्य द्रगंग धर
सेस सकल साम डू वसु नारद गर्ग ब्रमंह भरत सत्रु
धनाल छन यहो मिलि जानि प्रमह दुदभी सवद लोर
सुधं घनस भोम धन धामेरे कत आसये हरण छोड छ
रजत जोड सिय राम रो ॥११॥ सुभ मस्तु दसकत बार हुय
पाला वत नंदा कादे बाचै जिण सूं श्री माता जी री बंचणी
॥ गणेशाय नमः अथ छंद रेणकी लिखंत - दोहा:-
येक समै मथुरा पुरी जगन करत जनकेस ॥ तेडि
गहुवे तहां सुर नर नाग सुधेस ॥१॥ छंद रेणकी रत
~: रण छोड जी रा कडखा:- सुर नर फणि अमर संकर गौर वर
तर तेडे सर वर सगर तठै अवसर धर साधर अधर
मिलि उन चर अवर सबर कल नियर अठै भर भर
अति हरष केवी काजी भूपति चंवर बंध चक्र बंध
चडे आये पुर जनक धनक धरबा काजी अमर
अमर वर सिबर अडे जीय अमर अमर वर सिबर
अडे ॥१॥ झणणणणण सणण सणण सेस सणण वण

बधु बन मोर बजे गणणणणण गणण गहक गण गं द्रब
सपत झणण सुर तंत्र सजे ठणणणणण रंभ नेवर ठणकत
रणणण रीड़ बंनत्र वक सुड़ आये पुर जनक ॥२॥ धम धम
धर धमक धमक धर धमकत क्रमं क्रम क्रमकत खटतं
खटतं कलं थमं थमं कुल हुत सधम भर थिक्रम दसमं
उदम दरवह समं दल ॥ आसु रांग पोखे सुर बिसंम
करत उर बांग सुरर ठरांग बड़ आये पुर जनक ॥३॥ वट
वट घट विकट विकट घट घडु वट ॥ हट हट खैखट
फाट हट कोकट आत उकट अकुट कट धेन कट ॥ थनकट
दहु वट धपट घुर मुख मुख रट सुभट सुभट रट मगल
भल नट मल टल कुसट भिड़ आये ॥४॥ कसि कसि कोट
बंधक चाद सअ क्रस रिन सासि दहु बसि पंभर हनं
खस गय गज खंभ दोखि उस राकस चसर सभोरि आते
धन सचपं कर सोये नाक बीसनो चौकर पातय लंक
सिर उरस पड़ आयरो बाजार अड़ तालीस सकोस ४० लंबो
सहर कोस ६४ चोस रो धरम बसतो सेहर दोलु कोट
सरब चातरो है राजै रामल सोना रा है मला दोलु कोर
सोना रुपा रो है राजाजो श्री जैन धरम पाल है लाग सहर
माह जरजा जैन धरम पाले है लेठ देहरा १००० सातस है
वड़ा सीकर बंद है देवरा चौगड़दा बजार म है लेग चोक है
देवरा री ईटा सोना रुपारी है प्रतमा १०८ सोना रुपारी है
सीगा सण सांमो जारो जौडाव रो है देवरा माथे कलसजे
रावरा जैठ सारा वै पुजन त्रीकाल कर है इसी प्रकाजै
धरम बीराजै मान है नदी री पाट चोड़ है ले बीदर
सासत्र रमे केड है ॥ ~~[illegible]~~ अमदा वाहे सु तारा ते बोल कोस
५०० है ॥ पंचस है ५०० दुकां वन है ५१ आग धरलो है जीण रो
मारग मासर दोय रो है ॥
दुहा :– सीतर ~~[illegible]~~ कोड़ोड़ वरस छपन हजारज को रोड़ वरस गरं
पुर संख्या जोड़ ६०५६ 0000000000 अतावर सरो पुरबै
चोरासी लाख पुरब रेत १६ २६०८० 000 00000000000 ठाकुर
साइबा राजै श्री ~~[illegible]~~ १०८ श्री जोरा वरसी गजो खाते उत
राय कुल गुरे राम नाथ कीना सुद दाहरक चंद
है ॥ १६३५ मंगसर सुद १२ बारस दीने ॥

: समाप्त :

[illegible]
7.10.47

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ रुक्म रुक्मणी जी री वेल ॥

दस मास उदर धार। वले वरस दस। जो पे पीर
पाले जेवडी। पुत्र हेत पेखता पिता पख वलेव
सेखे मात वडी ॥ टीका ॥ पेहली तो पुत्र ने माता दस
मास ताई उदर मे राखे पछे भल मुग चोई
दस वरस तांई माता पालो पोस मोटो करे। अरे
प्रथी राज आपणा होया माहे सोच पुत्र ने प्रति
पाल वाना गुणा करने पिता सुवलो वसेखे करे
माता मोटो कही तिण हेत हुं माता मोटी जाणी
पेहली रुक्मणी जी रो वरण करो हो ॥ व्हालो ॥ दिखण
दखो देस विदर भतो दीपतो पुर दीपतो अती कुंद
पुर राज तो एक तांई भीखम राजा सेर हद अही नर
असुर सुर ॥१०॥ टीका ॥ दीखण देस माहे विदर्भ देस
तिण देस माहे कुंदण पुरी इसे नामे राजा सोमे छे
नाग लोक नर लोक असुर लोक अधिक सोभे छे ॥

व्हालो :- तिण राजा रे पंच पुत्र ताइ छठी सपुत्री कुंवर रुक्म
विमल रुप रुक्म वाहु अनै रुक्ममाली रुक्म केस
अनै रुक्म रथ ॥११॥ टीका ॥ तिण राजा रे पंच पुत्र छे
अनै छठी सुपुत्री छे त्यां वाकां ही पुत्रा रा नाम कहे छे
पेहलो तो रुक्म भयो तीसरो मलो जस छे। दुजो
रुक्म वाहु तीजो रुक्म मालो। चोथो रुक्म केस
पांचमो रुक्म रथ। ए पांच ही बेटा रा नाम कहे

०हालो:- रमां अपतारी नाम तांई रूकमणी मान सरोवरी
मेर गीरी बाल रतो हंस पौ बाला कनक बेली
पिडु पान करि ॥१२॥ टीका॥ रमा जे लीछमी जी री
अवतार रुखमणी जी छै पणो रुकमणी कहे बुलावै
छै तो बालक पणे कसो रुक सोमे छै जीसो मान
सरोवर रे विखे हंस री बालक पणे कसो रुप सोमे
अथवा मेर परबत ऊपरी सोनारी बेलो दोहू पना
हुर पको सोमे तीसो रुखमणी जी राइ आगण रे विखे
सोमे छै ॥१२॥ ०हालो। अने बरस वधे ताइ मानस बंधतो
बधै मास ताई पो डोर बधंती लखण बतीस बाल लीला
मे राज कुवारी दुलड्या अमतो ॥१३॥ टीका॥ औरां री
बालका बरस मांहे बधे तिसो रुखमणी पक मास
माहे बधे छै। बले बतीस लखण संजुगत छै जो
राज कुवारी बाल लीला दुलरूया कहताल प्यार मे छै॥१३॥
हवालो॥ सकी सखी सील कुल बेस समाणी पेखे कली पदमणी
परा राजती राज कुवारी राइ आंगणी उडी रण बीरस
अब हुरी ॥१४॥ टीका॥ रुखमणी जी री साथी सखी छै
जो कीसा इक छै साल करी कुल बरे बेस करी
बराबरी छै जीम कमल रा फुल री पाखुंडी बराबरी हुवे
तीम सगली ही बिची करी बरावरे छै तो राज कुवरि
राई आंगण रै बीखे सीखीयां मांहे कसो हेक सोमे छै
जिम नखीत्रो बिचे बिजरो चंद्रमा आकास रो बिखे
सोमे तीसो रुखमणी जी राइ आंगण रे वीखे सोमे
छै। तीरो ~~रुकमणी~~ दसटांत राइ आंगण तो जाणे आकास
हुवो सखी तारा हुई रुखमणी जी बिजरो चंद्रमा हुवा
असो सोभा आई रही छै ॥१४॥ हवालो॥ सीस ऊतम
सुखो पतो जोबन ज जग्रात बिख संधी सु होगा
सबरी उमेद पल पल चढतो होज होई ससी प्रथमी
डान हेइ विपरी ॥१५॥ टीका॥ सीसव कहता बालक
अव सथा ते सुता बराबरी छै जोबन ताणे जागता
बराबरी छै रुखमणी जी तो बालक छै जोबनवती
न हुई छै बिचली संधी छै सो बे संधी कहावे
सुप नारी परी न जागती न सुवतां सुपनो होसे

तो सारखो कै संधो छै। इवार पाछै रुखमणी जी रो
रुप अपर जोबन पल पलेर बीखे चढतो चढतो
होसा. कवि कहै छै मे कलोरो गाईबो इसो परी
कहीयो छ ॥१५॥ दुवालो ॥ पैहलो राग प्रकट थयो
प्राची अरणक अरणोदय अंबर पैखे करी जागीया
पयो धर संध्या बंदन रखे सुवर ॥१६॥ टीका ॥ जोबन
रो उदो अने सुरज रो अदो सारख करी वरण वे
छे जोबन रो उदो होता कथा पलो ललाई मुखरे वीखे
प्रगटे सुरज रो उदो होता थका प्राची कहतां
पुरब दीसा ललाई प्रगटे ते रात दनरो सधी कही
जे तीण संध्या बंदण करवा ने जोग रख सुर सुवारे
उठ तीम मुखरी ललाई देखने पयोधर जागे ने उठ्या
॥१७॥ वालो ॥ जंप जीवन होया वलो जाणे जोबन जाणण हर जोण
बोहो बीलखो बोढती बाला बाल संगाती बालपण ॥१७॥
टीका ॥ रुख मणी जी रा जोब मोहे सुख नही छे सो कीण
वास तो जोबन देही मोहे आवतो जाण्यो अने बाल
पणो जोण हार जाण्यो सो बाल संगाथी बाल
पणाथी बीछडतो थको रुखमणी जी बोहोत बीलखी
रहवा लागी ॥१७॥ दुवालो ॥ आगलो पीत मात रमतो
आगणो काम वीराम छोया उठा काज लाज वंत अंगी
रह लाज बिची लाज करता आवे लाज ॥१८॥ टीका ॥
आगे बाल पणे माता पीता आगे उघाडो नागो ही खेलती
तो पण बुरो न दीसतो अबे जोबन आयां थका पयो
धर हुवा ने नांच ललाई हुई। नीतंब भारी हुवा ते
काम रावा रा मद्दो पड़वा रे अरथी लाज कीधी चाहुजे
ते रुखमणी लाजवंती हुई। थको अंग माहे रहवो
बीचो लाज कीधो नही तीण पी लाज करता मोनु
लाज आवे छे। अह बो बात रुखमणी सखीयां सु कहवा
लागी ॥१८॥ दुवालो ॥ सीस वधु जासी सीर बढो तथा
वास होय गुण गती मतो अतो अह गुण आप तणो
परग हले आयो तरणा पौरीत राव ताण ॥१९॥ टीका ॥
सासव बाल पणो सीतो सीस रीतो हुई ते बतीते
हुआ थकां राती राव बंसत रो पदी न जोबन

आपणा गुण गती अती रूपरी ग्रह सरीर रे बीखे ले आयो ॥१९॥ दुवालो ॥ दल फुलो विमल बन नयण कमल दल कोकील कंठ सुहाय सुर पारखणा परख सवारी नइ यारी भवोर भ्रमीया भमर ॥२०॥ टीका ॥ बसंत को आयबो अर जोबन रो आयबो सारीखा करी बरणेवे छे। बसंत आयां थकां पाने फुले बन सो भात हुवे अर जोबन आया थका सरीर फुले नेत्र सोई कमल हुआ मधुर बाणी बोले छे ते जाणे बसंत रे बीखे कोकीला बोले छे सबद बोले छे अस्त्रां प्यारो पंख कछे सो मानु नेत्र रुप भमरा पेख छे अर मोह भमर रूप दीये छे ॥२०॥ दुवालो ॥ मलीया चल सुलन मीले मन मवरे कली सुकाम संकुर कुच तणा दीखण दीसी दीखण री गुण में ऊरध सास समेर ऊध ॥२१॥ टीका ॥ बसंत रे पवन अर रुखमणी जीरा मुख रो स्वास सारीखा करी बखाणे छे मलीया चल सरुप यो रुखमणी जी रे सरीर हुवो उठे बंसत आया चंदण मोरे चंदणा बीखां कली लागी अठे जोबन आयां थकां कुच रुपा कली लागी काम जाग्यो सो मानु रुहीज अंकुर हुवा असो प्रफुलत मलीया चल मांहे होय पवन आवे तेकी सोइक फेर तो तद सुगंध इसो दीखण देस तणो पवन प्रधान होई तासो रुख- मणी जीरा मुख रो स्वास प्रधान छे ॥२१॥ दुवालो ॥ आणद सुरज उदो उहास हास अतो राज तेर दरीख पती रुख नयण कमोदणी दीप नासीका मीन केसर के समुख ॥२२॥ टीका ॥ रुखमणी जी रो मुख अर पुनम री चन्दमा सारीखा करी बरणवे छे जोबन आया थका रुखमणी जीरा मन मांहे आणंद रहवा लागो सो जाणे चन्दमा रो उदै हुवो रुखमणी जी रो मंद हास छे सो जाणे चंद्रमा रो उहास जो चांदणी हुवो रुखमणी जी रो दंत पंकती इसी सो मै छै जाणे चंद्रमा रे पास तारा री पंकती बीराजे छे जोबन आया थका नेत्रा बीकास पायो सो जाणे चन्द्रमा रो उदो होता कमोदणी

बीकास पायो राती के बीखे दीपक सोभे तीसी रुखम
जीरो नासीका दीपक री सखा सारीसी सोभे छे
राती रे सामे कठक प्रकारो पण हुवो जे साम केस
धाराका कहंता पुरण मासी जीरा चन्द्रमा समान
रुखमणी जीरो मुख छे ॥२२॥ दुवालो। बधीया तन सख
बेस बधती जोबन तणी जल जौर कामणी कर गई
बाण कामरा डोर सो तन तणा करी डोर ॥२३॥ टीका
रुखमणी जी राह सत कंवल प्रर सरवरां कमल
काम देवरा बाणक हीजे सो सारीखा करी बण बैठे
रुखमणी जी राह सत रुपी कंवल दीन दीन बेस
बधंता बधीया प्रर सरवरां रा कमल जल रे जोर
बधीया प्रर हसत रुपी कमला नै जोबन सरुपी ये
हो जलज हुवो तीणी जोरी बधीया प्रारां नीणा रे
बीखे नाहर अथवा डोरा बीटी जे छे ताण ने मुद
कहीजे प्रठे रुखमणी जी री प्रागल्या सोनारी मुद
छे सो जाणे या बाणारा रहीज डोरा हुवा ॥२
दुवालो॥ कामणी कुच कठीण कपोल करी बेस नबा बीध
बांणी बखाणी प्रती सामला बीराजती उपरी जोब
डाण दीखाल्या जांणी ॥२४॥ टीका॥ रुखमणी जीरा पये
चर कीसा कहे वले कीसा इक कठीण छे जीमन
जोबनरा हाथीरा कपोल कठीण होई जसा कुच
कठीण छे वले कुच उपाली सामता कीसी इक
बीराजे छे जाणे हाथी नबो जोबन प्रायो प्रथम ते
मद रुपी डांण दीखाल्या छे ॥२४॥ दुवालो ॥ चर
चर अंग सचर सुपीन पयोचर चण खीण कटि
प्रती सुधर पदमणी नाच प्रीयाग तणी परी तीव
तीबेणी थीण तर ॥२५॥ टीका॥ चर चर कहतां जे
प्रबत जीहरां अंग सारखा उचां रुखमणी जीरा
कुच छे प्रर करी प्रती खीण पातली छे घणी
सुधर छे प्रती सोमती छे वले नामक सो इक
सोभे छे जाणे प्रीयाग तीरथ छे तीम पेट रे बीचे
तान सल सोभे छे तीण वचे नाम तीरथ
समान सोभे छे प्रठे तान सल रुपी नदी हुई तीणरा

ओण हुवा ॥२५॥ हवालो ॥ जीत बणी जंघ सुक्रम सुनी रुपम रंभ खंभको प्रीती रुख जी बली नालीत सागर मजे हवो वेणी बारलीत सबी दुख ॥२५॥ टीका॥ रुखमणी जी री जांघ कीसी रुक है करम सारीखी है चटी आंगुली थे मांडी मीण बधता इकरम कहीजे अने चढा उतार पण करम सारीखी है जांघ। रोम रहत है जांघ पण रोम रहवा हुजे करम पण रोम रहत है अथवा केला रा खंभ वीपरीत रुख कहतां आथा थकां जोडीला थकी जो हरी नाली माही लाग रंभ ताण सारीखा जांघ कोमल बिदुख पडीतां बचने करी बखाणी है ॥२५॥

हवालो॥ उपरा पद पलव पुनर भव वीपती कोमल कमल दल उपरी नीर तेज कर तन कतारी कता राह री हंस भावक सीस हर हार ॥२७॥ टीका॥ पद कहतां पग पलव कहतां आंगुली पुनर भक हातां नख सो कीसा ईख सोभे है मारव जी सो कोमल कमरी पंखुडी उपरे पाणी की बुद सोभे है अथवा नागडा री आघा रगलो पाणी मेदी से है। अथवा रतन धरीया है। अथवा रुपो उजवालो धरीयो है अथवा आकास रा तारा है अथवा पसुरज बीराजे है अथवा राज हंसरा भावक जे बालक है अथवा ये ~~पंख~~ नख चंद्रमा है अथवा हीरा सोभे है कना रतनव है असा पगा री आंगुल्या ऊपरी नाख बीराजे है ॥२७॥

हवालो॥ व्याक्रण पुराण समृती सास्त्र बिध वेद चारी खट अंग बीचारी जाणे चतुर दस चौसठो जाणे अनंत अनंत तस मणी अधीकार ॥२८॥ टीका ॥ रुखमणी जी ब्याकरण भण्या अठारेह पुराण भण्या अठारेह सुमती भण्या अनेक सास्त्र बीधी भण्या बेद चारी भण्या वेद रा खट अंग भण्या चवदा वीधारी जांण हुई नत कहतां श्री ठाकुर जी रा गुणा में अनंत अधीकार हुआ ॥२८॥

हवालो॥ सांमले अण राग ~~क~~ बयी मन सामांबर प्रायती बाढली बर हरी गुण भणी उपनीत का हर हर तीण बंदे गवरी हर ॥२९॥ टीका॥ रुकमणी जी चवदा वीद्या अपणी सखीया सु पर चोकीयो त्यारा मुख थी

ठाकुर जीरा गुण सांभलो ने मन मांहे एण राग उपनो एर बर प्रापती हुई छे बरआ मंदा करे छेहरे गुण भणतां थकां मन मांहे जकांमद्धो उपनो ठाकु जीने परण बा सरूपी तीण हर करे ने मारा देव जीने एर गोरज्यां जीने बरमा मतो बांद पुजे छे

हवालो॥ इखे पीत मात अरसा एवय बीमल बीमल बीच करे बीवाह सुंदर सुर सुध कुल सील वंत ना कीधन सरी सुके नांह ॥३०॥ टीका॥ माता पीता रुखम जीरा अंग उपंग बखीया देखी एर नीमल ब्या हु बीच्यार करे छे सुदरता करी सुरी मारे गुणा क सील रे गुणे करी नीमल कुल करी कीधन देव सरीखो बीजो कोई बर प्रथी मांहे सुभे नहीं ॥३०॥ह

प्रमणती पुच इम मात पता प्रती एमहा बासनां व इसो ग्यातो कीसी राय बीयां ग्वाला कीसी जात कुल पाती कीसी ॥३१॥ टीका॥ माता पिता सु बेटी रुकमं कहे छे मारे मनो तो असी बात आई छे वे गवा महेस राजवी वंसु किसी जाती किसी पाती कुल किसी ॥३१॥ हवालो॥ सुज करो अहीरां सेर सोस गाई उल राज कुल इतो ब्रीध पणो मतो कोई बीला सो पांत रीयां मात पीता ॥३२॥ टीका॥ रुकमयो कहे छे पे कीसन अहीर सु सगाई करो छो ये एवर राजवी सरब छांडे ने तो मेही जाणा छो पे बुढा हुआ छो तो थाहरी मुती थी छे कोई बिरद पणा रे बिसार मीत करो जीण बीरद पणो मारा माता पीता था उहा हुता जे पण मात रीया ॥३२॥ हवालो॥ पोत मात प्रमणता पुत्रम पंतरी सुर नर नागा जस सेव लीखमी सयी रुखमणी लाडो बासदेव समी सेमी बासदेव ॥३३॥ टीका॥ पुत्र प्रती माता पीता कहे बेटा थे पांत रो छो जीण ठाकुर जी री सेवा देव मानवी पाताल रा नाग सेवा करे छे। एर ला लीछमी समान रुखमणी लाडी छे एर इ बासुदेव के हवा छे पुराण पुरख सारीखा छे इण ने छांडी और कुणी न दीज्ये ॥३३॥ हवालो॥ माइत मजाय